आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रात:नागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 180 रांची, शनिवार, 13 जून, 2026 (ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष 13, संवत 2083) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

संक्षिप्त

असम में आया 4.7 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी। असम के कछार जिले में गुरुवार रात 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसके झटके मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या बड़े हादसे की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप गुरुवार रात करीब 9:10 बजे आया। इसका केंद्र असम के कछार जिले में स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 39 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिससे इसके झटके आसपास के राज्यों तक महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र 24.941 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.007 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ क्षेत्रों में लोगों के बीच थोड़ी देर के लिए दहशत का माहौल भी देखा गया। मेघालय के अलावा दक्षिणी असम और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भी कंपन महसूस किए जाने की खबरें सामने आई हैं।

मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से करारा झटका, याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को बड़ा झटका देते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है। राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार चुनावी प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद न्यायालय के हस्तक्षेप की सीमाएं निर्धारित हैं और इस चरण में अदालत चुनाव प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकती। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि उसने याचिकाकर्ता की सभी दलीलों पर विचार किया है। याचिका में दावा किया गया था कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने यह कहते हुए नामांकन खारिज कर दिया कि उम्मीदवार ने अधूरा फॉर्म भरा तथा अपने खिलाफ लंबित शिकायत मामले की जानकारी नहीं दी। याचिकाकर्ता का कहना था कि संबंधित मामले में न तो आरोप तय हुए थे और न ही अदालत ने संज्ञान लिया था, इसलिए ऐसी जानकारी न देने के आधार पर नामांकन रद्द करना मनमाना और अवैध है।

इंडिगो फ्लाइट में बम लिखा टिशू पेपर मिला, विमान से यात्रियों को उतारा

लखनऊ। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से पहले विमान के टॉयलेट में बम लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला। लखनऊ से सुबह 11.15 बजे इंडिगो एयरलाइन के दिल्ली जाने वाले विमान 6ई2111 के टॉयलेट में किसी ने एक टिश्यू पेपर पर बम होने की सूचना लिखकर रख दी। इसके बाद विमान को एसटीसी से संपर्क के बाद टैक्सी वे एरिया में लाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सीआईएसएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रियों और उनके सामान को उतार नीचे उतारा। विमान और सामान की तलाशी ली गई। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत करीब 180 यात्रियों वाली इस फ़्लाइट को एप्रन पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने विमान की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद इस खतरे को पूरी तरह झूठा बताया। जरुरी सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते विमान की उड़ान में देरी हुई।

रक्षा निर्यात में बड़ी छलांग : अब अपने दोस्त रूस को ब्रह्मोस मिसाइल देगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और रूस के संयुक्त प्रयासों से विकसित हुई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल अब वापस रूस को ही बेची जा सकती है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने स्पष्ट किया है कि यदि मॉस्को की ओर से इस मिसाइल को लेकर कोई ऑर्डर आता है, तो कंपनी उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। इसका सीधा मतलब यह है कि जिस अचूक मिसाइल को भारत ने अपनी सैन्य संप्रभुता और सामरिक ताकत का मुख्य स्तंभ बनाया है, वह अब रूस की थलसेना और नौसेना के शस्त्रागार की भी शोभा बढ़ा सकती है।

अंतरराष्ट्रीय नौसेना प्रदर्शनी फ्लीट-2026 के दौरान ब्रह्मोस एयरोस्पेस के शीर्ष नेतृत्व ने इस बात की पुष्टि की कि उनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता है और वे रूस की सैन्य आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। यह मिसाइल भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया का एक संयुक्त उपक्रम है। दोनों देशों ने साल 1995 में मिलकर ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना की थी। भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मॉस्कवा नदी के नाम पर इस घातक मिसाइल का नाम ब्रह्मोस रखा गया था, जिसे आज दुनिया की सबसे तेज और सटीक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है। जमीन, हवा और समुद्र–तीनों ही प्लेटफॉर्म से दागी जा सकने वाली इस मिसाइल की मारक क्षमता और सटीकता का लोहा पूरी दुनिया मानती है।

भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना लंबे समय से इसका सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान के खिलाफ एक विशेष सैन्य ऑपरेशन के दौरान भी इस मिसाइल ने अपनी अचूक मारक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद वैश्विक स्तर पर इसकी मांग में भारी उछाल आया है। वर्तमान में भारत एक बड़े रक्षा निर्यातक के रूप में उभर रहा है।

20 उन्नत क्षमता वाले ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम जैमर खरीदेगा भारत

दुश्मन की मिसाइल और ड्रोन को भटकाने का काम करेगा ये स्वदेशी जैमर

एजेंसी

नई दिल्ली। समुद्र में जंग अब सिर्फ मिसाइलों और युद्धपोतों से नहीं जीती जाती, बल्कि युद्ध के मैदान अब हाईटेक होते जा रहे हैं। आज के समय में तकनीक इसमें बड़ी भूमिका निभाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने भारतीय नौसेना को ऐसी अत्याधुनिक प्रणाली देने का फैसला किया है, जो जरूरत पड़ने पर दुश्मन के सैटालाइट

आधारित नेविगेशन सिस्टम को बाधित कर सकती है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने 449 करोड़ रुपए का बड़ा समझौता किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह समझौता बेंगलुरु की कंपनी एकॉर्ड सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया है। समझौते के तहत नौसेना के लिए 20 उन्नत क्षमता वाले ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम जैमर खरीदे जाएंगे। खास बात यह है कि इनमें कम से कम 75 फीसदी हिस्से का निर्माण भारत में ही होगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती मिलेगी। ईसीजीएनएसएस जैमर एक ऐसा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जो सैटालाइट से मिलने वाले नेविगेशन संकेतों में बाधा पैदा कर सकता है। आज दुनिया भर की सेनाएं दिशा तय करने, लक्ष्य पहचानने और हथियारों को सटीक निशाने तक पहुंचाने के लिए सैटालाइट आधारित प्रणालियों का इस्तेमाल करती हैं।

भारतीय सेना को मिले 106 अग्निवेग सुसाइड ड्रोन, 180 किमी तक सटीक मारक क्षमता

नई दिल्ली। भारतीय सेना की मानवरहित युद्ध क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एसएमपीपी ने सेना को 106 अत्याधुनिक अग्निवेग टर्बोजेट-चालित कामिकेज (सुसाइड) ड्रोन सौंप दिए हैं। यह उपलब्धि देश की स्वदेशी रक्षा तकनीक और सैन्य आधुनिकीकरण के लिए अहम मानी जा रही है। इन ड्रोनों को दुश्मन के इलाके में गहराई तक प्रवेश कर महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों को सटीक निशाना बनाने के लिए विकसित किया गया है। विशेष रूप से इन्हें जटिल इलेक्ट्रॉनिक और विद्युत-चुंबकीय वातावरण में भी प्रभावी ढंग से संचालन करने में सक्षम बनाया गया है। अग्निवेग ड्रोन की मारक क्षमता 180 किलोमीटर तक है, जबकि यह 450 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लक्ष्य पर हमला कर सकता है।

सुरक्षा और व्यवस्था पर अमित शाह ने की उच्चस्तरीय समीक्षा

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में आधुनिक तकनीक का होगा व्यापक उपयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यात्रा के सुचारु संचालन के लिए व्यापक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गृहमंत्री शाह ने यहां उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि यात्रा मार्ग पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से बहुस्तरीय एवं अभेद्य सुरक्षा ग्रिड स्थापित किया जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए ड्रोन, सीसीटीवी निगरानी, सर्विलांस सिस्टम तथा अन्य आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग पर जोर

दिया। शाह ने कहा कि यात्रा के दौरान विभिन्न केंद्रीय बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिविर स्थलों तथा यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करें। साथ ही श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं, संचार व्यवस्था और आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और पशुओं के पंजीकरण पर भी विशेष बल दिया गया। निर्देश दिए गए कि संबंधित व्यक्तियों को क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किए जाएं तथा यात्रा में उपयोग किए जाने वाले पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर लगाए जाएं। गृह मंत्री ने अधिकारियों को मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान के आधार पर ही श्रद्धालुओं के जत्थों को आगे बढ़ाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रा मार्ग के अलावा जम्मू-कश्मीर के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालु और पर्यटक सुरक्षित वातावरण में यात्रा और पर्यटन का आनंद ले सकें। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख, सीआरपीएफ के महानिदेशक तथा गृह मंत्रालय, सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर में बड़े बदलाव की तैयारी वर्ष 2027 तक हटेगा अफस्पा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर भारत के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जो क्षेत्र में शांति और विकास की नई दिशा देंगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2027 तक एक-दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) हटाया जाएगा। इसके साथ ही, केंद्र सरकार, असम और नागालैंड के बीच सीमा विवाद वाले क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़ा तेल और गैस उत्पादन फिर से शुरू करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने इस निर्णय के पीछे पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में आए उल्लेखनीय सुधार और उग्रवादी गतिविधियों में आई कमी को प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न शांति समझौतों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिससे क्षेत्र में स्थायी शांति की बहाली संभव हुई है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 1,018 शिक्षकों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा चयनित इन अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्राथमिक विद्यालयों और मध्य विद्यालयों में की जाएगी

प्रात: नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को और गति देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 29 जून को 1,018 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम को राज्य सरकार की रोजगार सृजन और रिक्त पदों को भरने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा चयनित इन अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा पहली से पांचवीं) और मध्य विद्यालयों (कक्षा छठी से आठवीं) में की जाएगी। आयोग की अनुशंसा के बाद सभी चयनित अभ्यर्थियों की जिला स्तर पर काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद वे राज्य के विभिन्न

सरकारी विद्यालयों में योगदान देंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इससे पहले भी चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंप चुके हैं। पिछले महीने उन्होंने 319 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए थे, जिनमें प्राथमिक विद्यालयों के 198 और मध्य विद्यालयों के 121 सहायक आचार्य शामिल थे। राज्य सरकार चरणबद्ध तरीके से शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है, ताकि विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर किया जा सके।

इधर, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने माध्यमिक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए छह विषयों में माध्यमिक आचार्य और विशेष शिक्षा आचार्य पदों के लिए 466 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए शॉर्टलिस्ट किया है। आयोग के अनुसार अन्य विषयों के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच भी जल्द शुरू की जाएगी। शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की जांच रांची के नामकुम स्थित जेएसएससी कार्यालय में 18 और 19 जून को दो पालियों में होगी।

आयोग ने अभ्यर्थियों को सभी मूल प्रमाणपत्रों और आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जो अभ्यर्थी किसी अपरिहार्य कारणवश 18 या 19 जून को उपस्थित नहीं हो पाएंगे, उन्हें 24 जून को अंतिम अवसर दिया जाएगा। इसके बाद किसी प्रकार की छूट नहीं मिलेगी और दस्तावेज सत्यापन नहीं कराने वाले अभ्यर्थियों का दावा स्वतः निरस्त माना जा सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य में सहायक आचार्यों के कुल 26,001 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है।

नीट यूजी 2026 में बड़ा बदलाव, परीक्षा अवधि बढ़ी; रफ वर्क के लिए मिलेंगे अतिरिक्त पन्ने

एजेंसी

नई दिल्ली। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए राहत भरी खबर है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है। नए प्रावधानों के तहत अब परीक्षार्थियों को प्रश्न हल करने के लिए अधिक समय मिलेगा और रफ वर्क के लिए अतिरिक्त पन्ने भी उपलब्ध कराए जाएंगे। एनटीए के अनुसार यह निर्णय छात्रों से प्राप्त सुझावों और फीडबैक के आधार पर लिया गया है। एजेंसी का मानना है कि इन बदलावों से परीक्षार्थियों को परीक्षा के दौरान बेहतर सुविधा मिलेगी और वे बिना अनावश्यक दबाव के प्रश्नों को अधिक प्रभावी ढंग से हल कर सकेंगे। नए नियमों के तहत नीट यूजी 2026 की परीक्षा अवधि बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होगी और शाम 5:15 बजे समाप्त होगी। पहले अभ्यर्थियों की ओर से शिकायत की जाती रही है कि उपस्थिति दर्ज कराने, उत्तर पुस्तिका से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करने और अन्य अनिवार्य प्रक्रियाओं में समय लगने से प्रश्न हल करने के लिए उपलब्ध समय प्रभावित होता है।

ओपन जेल की मॉनिटरिंग के लिए समिति गठित करे सरकार : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड में संचालित ओपन जेलों की सुविधाओं और उनकी निगरानी व्यवस्था को लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन से जुड़े मामले में स्वतः संज्ञान पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार को 10 दिनों के भीतर तीन सदस्यीय मॉनिटरिंग समिति गठित करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर समिति का गठन सुनिश्चित किया जाए।

झारखंड के 12 नए खनिज ब्लॉक नीलामी के लिए तैयार

राजस्व और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

प्रात: नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने खनन क्षेत्र से राजस्व बढ़ाने और निवेश को आकर्षित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित 12 प्रमुख खनिज ब्लॉकों को नीलामी के लिए तैयार कर लिया गया है। इन ब्लॉकों में सोना, लौह अयस्क, तांबा, चूना पत्थर और बेस मेटल जैसे महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। खनन विभाग के अनुसार इन खनिज ब्लॉकों की नीलामी से राज्य में बड़े निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी, साथ ही खनन राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि इससे आगामी वित्तीय वर्षों में राजस्व लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

जानकारी के मुताबिक रांची, रामगढ़, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और गिरिडीह जिलों के कई खनिज ब्लॉक नीलामी प्रक्रिया में शामिल किए जाएंगे। इनमें चूना पत्थर के चार, सोना के पांच, लौह अयस्क का एक, बेस मेटल का एक तथा तांबा का एक ब्लॉक शामिल है। नीलामी के लिए तैयार किए गए प्रमुख ब्लॉकों में पश्चिमी सिंहभूम का घाटकुड़ी लौह अयस्क ब्लॉक, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां के स्वर्ण (गोल्ड) ब्लॉक तथा गिरिडीह का तांबा ब्लॉक विशेष रूप से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इन खनिज क्षेत्रों को लेकर उद्योग जगत की भी गहरी रुचि देखी जा रही है। झारखंड देश के सबसे खनिज संपन्न राज्यों में शामिल है। पिछले दस वर्षों में राज्य को खनन क्षेत्र से लगभग 95 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। अब सरकार केवल मौजूदा खनन उत्पादन बढ़ाने पर ही नहीं, बल्कि नए खनिज क्षेत्रों को व्यावसायिक खनन के लिए उपलब्ध कराकर आय के नए स्रोत विकसित करने पर भी जोर दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नीलामी प्रक्रिया सफल रहती है तो राज्य में बड़े निवेशकों का आगमन होगा। इससे खनन आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही परिवहन, लॉजिस्टिक्स और अन्य सहायक क्षेत्रों में भी आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

अनुशासनहीनता पर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता कर्मचारी : सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने कहा– बर्खास्तगी सबसे कठोर सजा

इसका उपयोग केवल गंभीर भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण या संस्थान को नुकसान पहुंचाने वाले मामलों में हो

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी कर्मचारी को केवल अनुशासनहीनता, आदेशों की अवहेलना या वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश न मानने के आधार पर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि बर्खास्तगी जैसी कठोर सजा केवल उन मामलों में दी जानी चाहिए, जहां भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण, वित्तीय अनियमितता या नियोक्ता को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाली हरकतें साबित हों। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एनके सिंह की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि कार्यस्थल पर अनुशासन का महत्व निर्विवाद है, लेकिन अनुशासनहीनता के हर मामले में नौकरी से निकालना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता।

पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार, अवैध लाभ प्राप्त करना, फंड का दुरुपयोग, संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना या नियोक्ता को प्रत्यक्ष क्षति पहुंचाने जैसे गंभीर मामलों के अभाव में कर्मचारी को सेवा से हटाना अत्यधिक कठोर कदम होगा। अदालत के अनुसार, किसी भी सजा का संबंध कर्मचारी के कृत्य की गंभीरता, उसके पूर्व सेवा रिकॉर्ड, परिस्थितियों और संस्थान पर पड़े प्रभाव से होना चाहिए। यह टिप्पणी महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एक कर्मचारी को वर्ष 2017 में सेवा से बर्खास्त किए जाने के आदेश को निरस्त करते हुए की गई। अदालत ने कहा कि बर्खास्तगी कर्मचारी और नियोक्ता के संबंधों को स्थायी रूप से समाप्त कर देती है तथा कर्मचारी को सेवानिवृत्ति और अन्य सेवा लाभों से भी वंचित कर देती है। पीठ ने यह भी कहा कि ऐसे निर्णयों का प्रभाव केवल कर्मचारी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार की आर्थिक सुरक्षा और भविष्य भी प्रभावित होता है। न्यायमूर्ति एन. के. सिंह ने कहा कि नौकरी से निकाले जाने का दाग व्यक्ति के सेवा रिकॉर्ड पर स्थायी रूप से दर्ज हो जाता है, जिससे भविष्य में रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं, विशेषकर सरकारी सेवाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य विनियमित संस्थानों में। अदालत ने कर्मचारी की 21 वर्षों की सेवा को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कथित अनुशासनहीनता, आदेशों की अवहेलना और सरकारी दस्तावेजों के नष्ट किए जाने के आरोपों के संदर्भ में दी जाने वाली सजा पर पुनर्विचार किया जाए।

पूर्व सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सांप्रदायिक टिप्पणी का आरोप

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ कथित सांप्रदायिक टिप्पणी को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता में आयोजित एक धरना कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण में ममता बनर्जी ने ऐसी टिप्पणियां की थीं, जिन्हें

सांप्रदायिक प्रकृति का बताया गया है। इसी आरोप के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, संबंधित धरना एसआईआर के विरोध में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम कोलकाता के धर्मतला क्षेत्र स्थित वाई-चैनल बस स्टॉप के निकट हुआ था। बताया जाता है कि प्रारंभिक अनुमति नहीं मिलने के बाद धरना स्थल में बदलाव किया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद इस मामले में कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। हालांकि, मामले में ममता बनर्जी या टीएमसी की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पहले भी दर्ज हो चुकी है शिकायत : इससे पहले मई 2026 में भी एक अधिवक्ता की शिकायत पर सिलीगुड़ी साइबर क्राइम थाने में ममता बनर्जी के खिलाफ एक अन्य एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उनकी कुछ टिप्पणियों से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उस मामले की जांच भी संबंधित एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

भू-माफियाओं ने महंत को बेच दी तीन एकड़ जीएम लैंड जमीन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ में भू माफियाओं का आतंक कम करने के लिए अधिकारी लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद भू माफिया सरकारी जमीन को हड़पने से बाज नहीं आ रहे। इस बार कुछ भू माफियाओं ने एक महंत को ही सरकारी जमीन बेंच डाली। जब अधिकारियों को इस बात का पता चला तो उन्होंने जमीन पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल रोक दिया। साथ ही वहां जमीन सरकारी है इसका बोर्ड भी लगा दिया। महंत श्री पुरुषोत्तम नंद तीर्थनाथ बना रहे थे मंदिर बाजार समिति के पीछे जिस जमीन पर चारदिवारी का निर्माण कार्य चल रहा था, उसके कर्ताधर्ता महंत पुरुषोत्तम नंद तीर्थनाथ हैं। जब अधिकारी वहां पहुंचे तो महंत ने भी उनके सामने पहुंचकर सारी बातें रखी। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि हीरालाल महतो, कौलेश्वर महतो, कृष्णा महतो आदि लोगों ने 3.10 एकड़ जमीन उन्हें मंदिर बनाने के लिए दी है। कई लाख रुपये महंत जमीन के एवज में उन्हें दे भी चुके हैं। कुछ रकम बाकी है, जो देना है। सीईओ ने लगवाया सरकारी जमीन का बोर्ड विवादित स्थल पर पहुंचे रामगढ़ अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने बताया कि रामगढ़ बाजार समिति के पीछे कई एकड़ जीएम लैंड जमीन मौजूद है। उस जमीन का गलत तरीके से कुछ लोगों की ओर से दस्तावेज तैयार कर लिया गया है। जैसे ही उन्हें सरकारी जमीन पर निर्माण कार्य करने की सूचना मिली, वे अंचल निरीक्षक अजय कुमार, अमीन और अन्य कर्मचारियों के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने देखा कि खाता नंबर दो के प्लॉट नंबर 2089 पर बड़े पैमाने पर चारदीवारी निर्माण का कार्य चल रहा है। उन्होंने जमीन की मापी कराई और यह स्पष्ट कर दिया कि खाता नंबर दो प्लॉट नंबर 2089 रकबा तीन एकड़ 10 डिसमिल सरकारी जमीन है। रामगढ़ अंचल के मौजा रामगढ़ के उक्त जमीन पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य, अतिक्रमण, खरीद बिक्री करना गैरकानूनी है। इस भूमि पर अवैध रूप से निर्माण एवं खरीद बिक्री करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवा व कैडेट विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप चयन ट्रायल के लिए तैयारियां तेज

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। हरियाणा के सोनीपत में आयोजित युवा एवं कैडेट विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए सिल्ली के तीरंदाजों की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कोच शिशिर महतो ने बताया कि टीम 22 जून को सोनीपत, हरियाणा के लिए रवाना होगी, जहां 26 से 29 जून 2026 तक चयन ट्रायल प्रतियोगिता में भाग लेगी। खिलाड़ी प्रतिदिन विशेष अभ्यास सत्रों में भाग लेकर अपनी तकनीक, फिटनेस एवं मानसिक तैयारी को मजबूत कर रहे हैं। उम्मीद है कि सिल्ली के तीरंदाज ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी जगह बनाएंगे और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले तीरंदाज बालिका वर्गः सुरभि पाल, लक्ष्मी कुमारी, मनीषा कुमारी, होलिका कुमारी, अंशु पटेल, माधुरी कुमारी, सलोनी उरांव एवं तृषा साहदेव बालक वर्ग साहिल बनवार, निखिल बेड़िया, विजय सिंह मुंडा एवं ध्रुव उत्तपाल। अकादमी परिवार एवं क्षेत्रवासियों ने सभी खिलाड़ियों को चयन ट्रायल के लिए शुभकामनाएं दी हैं तथा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

संक्षिप्त

बनकर तैयार हो गया प्रखंड कार्यालय, जल्द होगा उद्घाटन

रामगढ़। रामगढ़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय का नया भवन बनकर तैयार हो गया है। जल्द ही प्रखंड कार्यालय और अंचल कार्यालय नए भवन में शिफ्ट हो जाएगा। पुराने भवन के जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हो जाने के कारण वहां नए भवन का निर्माण किया गया है। शुक्रवार को नए कार्यालय का निर्माण कार्य भी पूरा हो गया। भवन निर्माण विभाग की ओर से बनाए गए इस भवन को हैंडओवर करने की तैयारी शुरू हो गई है। इस भवन में एक बार फिर से प्रखंड कार्यालय और अंचल कार्यालय का संचालन होगा। डीसी ऋतुराज ने नए भवन का उद्घाटन करने का भी निर्देश दिया है। अगले हफ़्ते में भवन का उद्घाटन करने का मन जिला प्रशासन ने बनाया है। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। प्रखंड कार्यालय और अंचल कार्यालय के लिए बने दो मंजिला भवन में स्टोर रूम भी बनाया गया है। दोनों कार्यालयों का संचालन बेहतर तरीके से हो इसके लिए कई कमरे भी बनाए गए हैं।

अफीम की अवैध खेती के खिलाफ पुलिस का जागरूकता अभियान

खूंटी। झारखंड सरकार के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग के नेतृत्व में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध शुक्रवार को व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य नशामुक्त और अपराधमुक्त समाज के निर्माण के साथ-साथ अफीम की अवैध खेती की रोकथाम और उन्मूलन करना था। इस दौरान थाना प्रभारियों और पुलिस पदाधिकारियों ने विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को अफीम की खेती से जुड़े कानूनी, सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि अफीम की खेती एनडीपीएस अधिनियम के तहत गंभीर अपराध है और इसमें संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाती है। अभियान में पूर्व में एनडीपीएस मामलों में आरोपित होकर वर्तमान में जमानत पर बाहर चल रहे व्यक्तियों को भी शामिल किया गया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए लोगों से अवैध मादक पदार्थों से दूर रहने और कानून का पालन करने की अपील की। पुलिस ने ग्रामीणों से अवैध अफीम की खेती की सूचना तत्काल स्थानीय थाना को देने का आग्रह किया और किसानों को वैकल्पिक और लाभकारी फसलों की खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में दिव्यांग बच्चों के विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य शुक्रवार को जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। विशेष नामांकन अभियान 24 जून तक संचालित किया जाएगा। बैठक में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले का कोई भी योग्य दिव्यांग बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों और शिक्षकों को घर-घर सर्वेक्षण कर ऐसे बच्चों की पहचान करने और उनका शीघ्र विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है। उपायुक्त ने दिव्यांग बच्चों के लिए बनाए जाने वाले यूआईडी कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए सिविल सर्जन को प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने के निर्देश दिया। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का यूआईडी कार्ड बनवाने के लिए सदर अस्पताल में संपर्क करने की अपील की। साथ ही दूरदराज क्षेत्रों में भी यूआईडी कार्ड निर्माण की सुविधा उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। बैठक में व्हीलचेयर सहित अन्य सरकारी सुविधाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा भी की गई। उपायुक्त ने पात्र बच्चों को समय पर सभी लाभ उपलब्ध कराने तथा विद्यालयों में दिव्यांग अनुकूल आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से शौचालयों में रैंप की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सिविल सर्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राहे में आजसू पार्टी की बैठक

सोनाहातू। प्रखंड के डोमनडीह स्कूल मैदान में राहे आजसू,बीएलओ 2,युवा आजसू,महिला पंचायत प्रभारी का, बुद्धिजीवी मंच, वरीय आजसू की संयुक्त बैठक शुक्रवार को संपन्न हुआ।बैठक में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो कार्यकताओं के बीच संगठन के विस्तार,मजबूती ओर संघर्ष के मुद्दों पर चर्चा किये। इन्होंने पेयजल, शिक्षा,ओर जमीन संबंधी त्रुटियां की समस्या को कार्यकताओं को संघर्ष तेज करने को कहा। इन्होंने बीएलओ 2 के सदस्यों को बूथ स्तर पर लोगों को जोड़ने को कहा गया। पेयलज , शिक्षा, जमीन संबंधी समस्या को लेकर जल्द ही आंदोलन करने के निर्णय लिया गया।साथ ही 22 जून को आजसू पार्टी स्थापना दिवस की तैयारी को लेकर रणनीति बनाई गई।बैठक में केंद्रीय कमिटी के संजय सिद्धार्थ सहित पंचायत प्रभारी, गांव प्रभारी, बीएलओ 2 पंचायत कमिटी सदस्य ओर काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

इटकी में सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

इटकी। थाना क्षेत्र के कुर्गी गांव के निकट रांची गुमला मुख्य मार्ग पर सड़क हादसे एक बाईक सवार पंचम उरांव उर्फ मल्लू (25) की मौत हो गई है। घटना शुक्रवार की शाम करीब पांच बजे की है। मृतक पंचम उरांव कुल्ली सरना कोचा निवासी स्वर्गीय अनुवा उरांव का पुत्र है। सूचना पर पुलिस घटना स्थल पहुंची इस दौरान पूर्व मंत्री बंधु तिर्की भी वहां पर पहुंचे इसके बाद बंधु तिर्की के मौजदूगी पुलिस ने शव और दुर्घटनाग्रस्त बाईक को कब्जे में कर मार्ग से हटाया। घटना के बाद मार्ग में आवागमण कुछ देर के लिए आवागमण वाधित रहा। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्ट मार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।प्रतक्ष्यदर्शियों के अनुसार पंचम उरांव बाईक में सवार होकर कुर्गी हाट से अपने गांव कुल्ली लौट रहा था इसी बीच तेज रफ्तार के कारण डिवाइडर से टकरा जाने से अपना संतुलन खो बैठा और मार्ग के दुसरे छोर पर बाईक सहित सड़क पर जा गिरा इसी दौरान रांची से गुमला की ओर जा रही अज्ञात ट्रक ने चपेट में ले लिया जिससे पंचम उरांव की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बताया गया कि पंचम उरांव छत ढलाई कार्य में मशीन चलाने का मजदूरी कार्य करता था पिता के मौत के बाद परिवार का एक मात्र सहारा था। गरीबी के कारण मजदूरी कर परिवार का भसपोषण करता था। पंचम की मां की हृदय विरादक चित्कार से महौल हो उठा गमगीन बेटे की ऐसी दर्दनाक मौत को देख पंचम की चईया उराईन ने घटना स्थल पर ही दहाड़ मार कर रोने लगी उसकी चित्कार से पूरा महौल गमगीन हो उठा हर कोई की आखें नम हो गई। बेटे की मौत की जानकारी उसे तब मिली जब वह नगड़ी के एक मकान में मजदूरी कर रही थी। सूचना मिलते ही मजदूरी छोड़कर बस पर सवार होकर घटना स्थल पहुंची और बेटे की ऐसी दुर्दशा देख हृदय विरादक विलाप करने लगी।

सहायक सचिव व कोषाध्यक्ष चयन में मनमानी का आरोप, ग्रामीणों ने बीडीओ से की शिकायत

सिल्ली। हरवाडीह के ग्रामीणों ने लोटा पंचायत अंतर्गत हरवाडीह के ग्राम प्रधान का सहायक सचिव व कोषाध्यक्ष की चुनाव मनमानी ढंग से करने की लिखित शिकायत प्रखंड विकास पदाधिकारी सिल्ली किया है। ग्रामीणों का आरोप है की ग्राम प्रधान ने सुचना दिया था की सहायक सचिव व कोषाध्यक्ष का चुनाव 24 मार्च को 11 बजे ग्राम सभा के माध्यम से होगा। लेकिन समय पूर्व ही दोनों का चुनाव मनमानी ढंग से कर लिया गया। जो नियम विरुद्ध है. किसका चयन हुआ है उसका नाम भी ग्रामीणों को मालूम नही है इसलिए ग्रामीणों की मांग है की पुन ग्राम सभा आयोजित कर सहायक सचिव व कोषाध्यक्ष का चुनाव हो। शिकायत करने वालों में अंगद महतो श्यामसुंदर महतो राजेंद्र महतो नीतीश महतो करम सिंह सुबोध अजित विरेंद्र प्रकाश कल्पना देवी अनिता देवी आदि का नाम शामिल है।

ओलंपियन और निशानेबाज कोच जसपाल राणा के निधन पर सिल्ली के तीरंदाजों ने दी श्रद्धांजलि

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। भारतीय निशानेबाजी के दिग्गज खिलाड़ी, ओलंपियन एवं राष्ट्रीय कोच जसपाल राणा के निधन पर सिल्ली के तीरंदाजों ने गहरा शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। खिलाड़ियों ने कहा कि जसपाल राणा का खेल जगत में योगदान सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा और उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी।

गृह रक्षकों की बहाली को लेकर डीसी ने की समीक्षा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। डीसी ऋतुराज की अध्यक्षता में शुक्रवार को झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, रामगढ़ के अंतर्गत गृह रक्षकों की बहाली को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान बैठक में जिले में ग्रामीण और शहरी गृह रक्षकों की बहाली से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा एवं समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि गृह रक्षक बहाली के लिए विभाग को अब तक लगभग 16,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राप्त आवेदनों की विशाल संख्या को देखते हुए डीसी ऋतुराज ने सभी आवेदनों की त्वरित और त्रुटिहीन जांच के लिए एक विशेष स्क्रूटनी कमेटी (जांच समिति) गठित करने का निर्देश दिया। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि स्क्रूटनी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ताकि योग्य और नियम सम्मत अभ्यर्थियों को ही आगे की प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिले। बैठक में मुख्यरूप से उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, प्रभारी पदाधिकारी गोपीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला समादेष्टा (गृह रक्षा वाहिनी), संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं समिति के अन्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित थे।

अंचल कार्यालय के सहयोग से दूर होगी जमीन संबंधी समस्या : सीओ

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। डीसी ऋतुराज के निर्देश पर शुक्रवार को जिले में थाना दिवस मनाया गया। रामगढ़ थाना परिसर में अंचल अधिकारी रमेश रविदास, थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे, अंचल निरीक्षक अजय कुमार और अन्य पुलिस पदाधिकारी जनता से मिले। रामगढ़ थाने में मात्र दो आवेदन थाना दिवस के मौके पर प्रस्तुत किया गया था। दोनों मामले जमीन से संबंधित थे। दोनों ही मामलों में दोनों पक्षकारों को बुलाकर समझौता करने का प्रयास किया गया। साथ ही उनकी समस्या हल करने की बात भी कही गई। दोनों पक्षकारों की रजामंदी नहीं होने के बाद उचित जांच पड़ताल के बाद समस्या का निदान करने की बात कही गई। मौके पर अंचल अधिकारी रमेश रविदास ने कहा कि कई ऐसे मामले थाने में आते हैं, जिसका निदान पुलिस अपने स्तर से नहीं कर सकती है। वैसे मामलों का निष्पादन थाना दिवस के दिन किया जाएगा। थाना दिवस में अंचल के कर्मचारी और पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। जिससे समस्या का आसानी से हल निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि कई ऐसे जमीन के मामले हैं जिस पर पुलिस सिर्फ अपने स्तर से कार्रवाई नहीं कर सकती। उन मामलों में अंचल कार्यालय का सहयोग बेहद जरूरी है। कुछ मामले ऐसे हैं जो परिवार और अन्य मुद्दों से जुड़े होते हैं। लेकिन उसे जमीन से जोड़कर बेवजह विवाद पैदा किया जाता है। वैसे मामलों का निपटारा भी दोनों पक्षों की मौजूदगी में करने का उद्देश्य है।

सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : डीसी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। डीसी ऋतुराज ने शुक्रवार को जनता दरबार लगाया। इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 16 आम लोगों की समस्याओं को डीसी ने गंभीरता से सुना। डीसी ने सभी आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही मामलों के निष्पादन के लिए समयबद्ध कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान और अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जनता दरबार में मुख्य रूप से सामाजिक सुरक्षा और पेंशन योजनाओं से संबंधित समस्याएं, अबुआ आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना से जुड़ी शिकायतें, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज दखल दिहानी के मामले, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, सड़क निर्माण सहित अन्य जन समस्याएं सामने आईं। प्रप्त आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

भर्ती कैंप में 17 युवाओं का चयन, मिला नियुक्ति पत्र

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर की ओर से उपायुक्त मोहम्मद जावेद हुसैन के निर्देश पर शुक्रवार को आयोजित भर्ती कैंप में 17 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र दिया गया। श्रम विभाग के अंतर्गत आयोजित इस भर्ती कैंप में कुल 09 प्रतिष्ठित नियोजकों ने भाग लिया। कैंप में लगभग 56 अभ्यर्थियों ने विभिन्न पदों के लिए आवेदन कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 17 अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया। भर्ती कैंप में पैन आईटी, एल्युमिनी रीच फॉर झारखंड सहित कई कंपनियों ने भाग लिया। चयनित उम्मीदवारों को नियोजकों ने मौके पर नियुक्ति पत्र सौंपा। जिला प्रशासन की ओर से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्थाओं से जोड़ने के उद्देश्य से नियमित रूप से ऐसे रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार के भर्ती कैंप युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार, यंग प्रोफेशनल दीपक कुमार वर्मा, विभिन्न नियोजक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा जिला नियोजनालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

रांची की पलक का भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन

जिले की पहली महिला क्रिकेटर बन रचा इतिहास

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची जिला क्रिकेट संघ (आरडीसीए) के लिए शुक्रवार का दिन तब ऐतिहासिक साबित हुआ, जब अंडर-19 महिला क्रिकेटर कुमारी पलक का चयन भारतीय महिला क्रिकेट टीम में किया गया। श्रीलंका महिला टीम के आगामी भारत दौरे के दौरान आयोजित होने वाली एकदिवसीय और टी-20 श्रृंखला के लिए उन्हें भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उनके चयन से रांची ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड में खुशी और गर्व का माहौल है। पलक रांची जिला क्रिकेट संघ की ओर से भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं। यह उपलब्धि उनके वर्षों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगातार शानदार प्रदर्शन का परिणाम मानी जा रही है। जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने का

अवसर मिला। पलक की इस उपलब्धि पर रांची जिला क्रिकेट संघ और झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।
खेल जगत से जुड़े लोगों ने इसे झारखंड महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है, जो राज्य की अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी। पलक की क्रिकेट यात्रा संघर्ष, समर्पण और निरंतर मेहनत की कहानी है। उन्होंने ओरमांझी क्रिकेट क्लब से क्रिकेट खेलना शुरू किया था। उनके कोच पंक्षित कुमार महतो ने शुरूआती दौर से ही उनकी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी पलक उन्हीं के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही हैं। उनके कोच के अनुसार, पलक हमेशा से मेहनती, अनुशासित और अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित रही हैं। रांची जिला क्रिकेट संघ के सचिव शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि पलक का चयन केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे जिले और राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि पलक ने वर्षों तक लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और उनकी मेहनत तथा लगन का ही परिणाम है कि उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिला है। मूल रूप से देवघर की रहने वाली पलक पिछले लगभग 14 वर्षों से अपने परिवार के साथ रांची में रह रही हैं। उन्होंने पढ़ाई और क्रिकेट के बीच संतुलन बनाते हुए लगातार अपने खेल में सुधार किया और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सपना साकार किया।

त्रि-स्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ के अध्यक्ष विकास कुमार महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रांची स्थित लोक भवन में मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड पंचम राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के तहत पंचायत संस्थाओं को आवंटित अनुदान राशि से विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए झारखंड पंचम राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर पंचायती राज विभाग द्वारा जिला

परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों को निर्धारित अनुपात में अनुदान राशि आवंटित की गई है। लेकिन इन निधियों के उपयोग और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक विस्तृत दिशा-निर्देश या मार्गदर्शिका अब तक जारी नहीं की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि स्पष्ट मार्गदर्शिका के अभाव में पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के चयन, स्वीकृति और क्रियान्वयन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है और आवंटित राशि का प्रभावी उपयोग नहीं हो पा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुए आग्रह किया कि संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देकर अनुदान मद से संचालित योजनाओं के लिए विस्तृत मार्गदर्शिका शीघ्र जारी कराई जाए। उनका कहना था कि स्पष्ट दिशा-निर्देश मिलने से पंचायत प्रतिनिधियों को योजनाओं के संचालन में सुविधा होगी और विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जा सकेंगे। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं और उन्हें पर्याप्त वित्तीय अधिकारों के साथ प्रशासनिक स्पष्टता भी मिलनी चाहिए।

मादक पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक : सीएस

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सिविल सर्जन (सीएस) प्रभात कुमार की अध्यक्षता में एनएमटीसी नर्सिंग स्कूल में शुक्रवार को छात्राओं के बीच मादक पदार्थों और तंबाकू उत्पादों के सेवन और बिक्री के विरुद्ध एक दिवसीय प्रशिक्षण सह पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि मादक पदार्थों और तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने बताया कि तंबाकू में मौजूद निकोटीन और अन्य विषैले रसायन मुंह, गले, फेफड़े और पेट के कैंसर के प्रमुख कारण हैं। धूम्रपान से हृदय रोग, स्ट्रोक, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ सीधे मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं, जिससे स्मरण शक्ति, एकाग्रता और मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल असर पड़ता है।
अत्यधिक सेवन से लीवर, किडनी और पाचन तंत्र से जुड़ी गंभीर बीमारियां होने की आशंका रहती है। साथ ही तनाव, अवसाद और अन्य मानसिक विकारों का जोखिम भी बढ़ जाता है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने नशा मुक्ति और तंबाकू निषेध विषय पर आकर्षक पेंटिंग्स बनाकर अपने विचार प्रस्तुत किए। सिविल सर्जन ने पेंटिंग्स का अवलोकन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या, शिक्षिकाएं, परामर्शी सुशांत कुमार और स्वास्थ्य विभाग के कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त

करंट लगने से 13 वर्षीय बच्चे की मौत

रांची। रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित पिस्का मोड़ की बैंक कॉलोनी में शुक्रवार सुबह एक 13 वर्षीय बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान छोटू के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार सुबह छोटू किसी तरह बिजली के खुले तार की चपेट में आ गया। तार के संपर्क में आते ही उसे जोरदार करंट लगा, जिससे वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे तथा उसे तत्काल इलाज के लिए सेवा सदन अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे की जानकारी मिलते ही सुखदेव नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जमीन विवाद में अधिवक्ता पर कराई थी फायरिंग, दो साल बाद दो आरोपित गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने उच्च न्यायालय के अधिवक्ता बब्बन प्रसाद पर फायरिंग करने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पलामू निवासी अनुज कुमार महतो और गुलशन कुमार उर्फ विश्वकर्मा के रूप में हुई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि जमीन विवाद के कारण अधिवक्ता पर जानलेवा हमला कराया गया था। शुक्रवार को पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में अनुज कुमार महतो पलामू जिले के शहर थाना क्षेत्र स्थित सुदना गांव का निवासी है, जबकि गुलशन कुमार उर्फ विश्वकर्मा सतबरवा थाना क्षेत्र के पोंची गांव का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि गुलशन का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पलामू जिले के चैनपुर तथा पांकी थाना में पहले से मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, अधिवक्ता बब्बन प्रसाद पर फायरिंग की घटना एक दिसंबर 2024 को रातू थाना क्षेत्र में हुई थी। घटना के बाद से पुलिस दोनों आरोपितों की तलाश कर रही थी।

14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बाल श्रम से बचाना ही उद्देश्य : डालसा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची द्वारा 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को लापुंग प्रखंड में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश, माननीय सदस्य सचिव झालसा कुमारी रंजना अस्थाना एवं न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव राकेश रौशन की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी खुदीराम साहु, परदेशिया महली, ललिता देवी, प्रतिमा देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस अवसर पर पीएलवी खुदीराम साहु ने विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 12 जून को पूरे विश्व में यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं, लेकिन जब उनके हाथों में किताबों की जगह मजदूरी का बोझ थमा दिया जाता है, तो उनका बचपन और भविष्य दोनों प्रभावित होते हैं। यह दिवस समाज को बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूक करने और इसे जड़ से समाप्त करने का संदेश देता है। पीएलवी परदेशिया महली ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने वर्ष 2002 में इस दिवस की शुरूआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खतरनाक उद्योगों, फैक्ट्रियों और अन्य कार्यस्थलों पर मजदूरी से बचाना तथा उन्हें शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित कराना है।

यूनिसेफ का मानसिक स्वास्थ्य व आत्म-सम्मान पर जागरुकता सत्र

500 से अधिक एनसीसी कैडेट्स ने लिया प्रशिक्षण में भाग

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। यूनिसेफ एवं एनसीसी झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में आज सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची में एनसीसी कैडेट्स के लिए आत्म-सम्मान एवं सकारात्मक शारीरिक छवि विषय पर जागरुकता एवं प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया।
सत्र के दौरान आत्म-सम्मान की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि आत्म-सम्मान का अर्थ स्वयं के मूल्य, क्षमताओं और पहचान को समझना तथा उन्हें स्वीकार करना है। विशेषज्ञों ने कहा कि उच्च आत्म-सम्मान व्यक्ति को आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने,

तनाव का सामना करने और सामाजिक परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता करता है।
कार्यक्रम में कर्नल संतोष कुमार, कर्नल सुदीप सिन्हा, सूबेदार मेजर कृष्ण देव सहित अन्य पीआई स्टाफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर कर्नल संतोष कुमार ने आत्म-सम्मान और सकारात्मक शारीरिक छवि को व्यक्तित्व निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला बताते हुए कहा कि आत्मविश्वास से परिपूर्ण युवा ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं। उन्होंने कैडेट्स को आत्मविश्वास, सकारात्मक शारीरिक छवि तथा 21वीं सदी के आवश्यक जीवन कौशलों के विकास पर ध्यान देने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को सत्र से प्राप्त जानकारियों और सीखों को अपने मित्रों तथा अन्य युवाओं के साथ साझा करने के लिए भी प्रेरित किया। सत्र का संचालन यूनिसेफ झारखंड के एनयूएनवी एवं बाल संरक्षण अधिकारी गौरव ने किया। उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक और भावनात्मक परिवर्तनों को सामान्य बताते हुए सही मार्गदर्शन और जागरुकता की आवश्यकता पर बल दिया।

अग्रवाल सभा चुनाव : नामांकन वापसी के बाद 31 उम्मीदवार मैदान में, अंतिम सूची जारी

रांची। अग्रवाल सभा रांची के सत्र 2026-28 की कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्वाचन समिति ने चुनाव मैदान में बचे उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। अब कुल 31 प्रत्याशी विभिन्न पदों के लिए चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार नारसरिया ने बताया कि निर्धारित अवधि के भीतर कुल 36 नामांकन-पत्र प्राप्त हुए थे। सभी नामांकन-पत्रों की विधिवत जांच की गई, जिसमें सभी नामांकन वैध पाए गए। इसके बाद नामांकन वापसी के अंतिम दिन पांच उम्मीदवारों ने स्वेच्छा से अपने नाम वापस ले लिए। परिणामस्वरूप अब 31 उम्मीदवार चुनावी मैदान में शेष रह गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार नारसरिया ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। नामांकन, जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई है। अब निर्वाचन समिति आगामी चुनावी चरणों की तैयारियों में जुटेगी। महाराजा अग्रसेन भवन में अंतिम सूची जारी किए जाने के अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार नारसरिया के साथ निर्वाचन पदाधिकारी राजेंद्र केडिया एवं नंदकिशोर पाटोदिया भी मौजूद थे। तीनों पदाधिकारियों ने निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित चुनाव संपन्न कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अग्रवाल सभा के आगामी चुनाव को लेकर समाज के सदस्यों में उत्साह देखा जा रहा है और अब सभी की नजरें मतदान एवं परिणामों पर टिकी हुई हैं।

गर्ल्स हॉस्टल की छत से गिरकर पश्चिम बंगाल की छात्रा की मौत, जांच में जुटी पुलिस

रांची। रांची के लालपुर थाना क्षेत्र स्थित लोहराकोचा में एक गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा की गुरुवार देर शाम हॉस्टल की छत से गिरने की वजह से मौत हो गई। हॉस्टल संचालक की ओर से मामले की जानकारी लालपुर थाना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाकर जांच भी करवाई गई । पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला हादसा का लग रहा है हालांकि पुलिस खुदकुशी और हत्या दोनों ही बिंदुओं पर जांच कर रही है। लालपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक छात्रा पश्चिम बंगाल के कुल्टी की रहने वाली थी। लालपुर इलाके में स्थित गर्ल्स हॉस्टल में वह रहकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। इस संबंध में लालपुर थाना प्रभारी रुपेश कुमार सिंह ने बताया कि हॉस्टल के चौथे माले से गिरकर गायत्री नाम की छात्रा की मौत हो गई है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि लड़की को मिर्गी के दौरे आते थे। हॉस्टल में आने से पहले परिजनों के जरिये जो फॉर्म भर गया था उसमें गायत्री की इस बीमारी के बारे में भी बताया गया है। लालपुर पुलिस फिलहाल मामले की गहराई से जांच पड़ताल कर रही है। मृत छात्रा के परिजनों को भी मामले की जानकारी दी गई है उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड में मानसून की दस्तक कभी भी संभव, 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची। झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं और मौसम विभाग के अनुसार राज्य में मानसून कभी भी दस्तक दे सकता है। विभाग ने संभावना जताई है कि अगले कुछ घंटों में दक्षिण-पश्चिम मानसून झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। इस बीच मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य के 12 जिलों में बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। संभावित खराब मौसम को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार इन जिलों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ आकाशीय बिजली गिरने और मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य के जिन जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है उनमें देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, बोकारो और रामगढ़ शामिल हैं। ये जिले मुख्य रूप से राज्य के उत्तर-पूर्वी और निकटवर्ती मध्यवर्ती क्षेत्र में स्थित हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया में सर्वाधिक 92.2 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। राजधानी रांची में भी 40.6 मिलीमीटर बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना बना रहा और लोगों को गर्मी से राहत मिली। तापमान की बात करें, तो पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक तापमान डाल्टनगंज में 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान रांची में 21.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

भारत आदिवासी पार्टी पश्चिमी सिंहभूम का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

सारंडा में 2005 के पूर्व से बसे लोगों को मौलिक सुविधाएं मुहैया कराने की मांग

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सारंडा वन क्षेत्र में 2005 के पूर्व से बसे लोगों को वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत वनाधिकार पट्टा निर्गत करने एवं संविधान प्रदत मौलिक सुविधा मुहैया करवाने के संबंध में सारंडा वन क्षेत्र के लोग शुक्रवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मिले। भारत आदिवासी पार्टी के पश्चिम सिंहभूम के जिलाध्यक्ष सुशील बारला के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल रांची स्थित लोकभवन पहुंचा। पांच सदस्यीय इस दल में वन अधिकार समिति के बेनेडिक्ट लुगुन और माचवा चम्पिया भी शामिल रहे। इन लोगों

ने राज्यपाल से गुहार लगायी कि सारंडा वन क्षेत्र के वनग्रामों के परिवारों की पहचान सुनिश्चित हो और यथा शीघ्र वनाधिकार पट्टा निर्गत करवाने की दिशा में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया जाय। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने जिला खनिज ट्रस्ट चाईबासा पश्चिमी सिंहभूम में व्याप्त अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच उच्च न्यायालय झारखण्ड की निगरानी में करने को लेकर भी ज्ञापन सौंपे गये। ज्ञापन में कहा गया है कि चिरिया, गुवा, किरीबुरू और नोवामुण्डी लौह अयस्क खान से प्रभावित क्षेत्र के लोंगो को इसका समुचित लाभ नहीं मिल रहा है। खान प्रभावित क्षेत्र के लोगों को पीने योग्य शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने को लेकर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। वावजूद अभी भी ग्रामीण नदी-नालों का पानी पीने को विवश हैं। जबकि जिला खनिज फॉउडेसन ट्रस्ट में अगस्त-2025 तक 3344 करोड़ रुपए जमा थे। मनोहरपुर प्रखंड की लाईकोर पंचायत के 1196 परिवारों को पाईप लाईन के माध्यम से शुद्ध पीने योग्य पानी वितरण करने का दावा किया है। लेकिन जमीनी सच्चाई इसके विपरीत है। यही स्थिति प्रखण्ड-मनोहरपुर पंचायत-डिम्बुली ग्राम-हाकागुई में स्थापित जलमीनार से 8 गांव जिसमें हाकागुई, तेन्दा, तुमसाई, डिम्बुली, आरोवाकोचा, कामरबेड़ा, डुकुरडीह और दौतुम्बा शामिल हैं। उपरोक्त किसी भी गाँव में पाईप लाईन से पानी की सप्लाई नहीं दी जा रही है।

झारखंड कृषि व्यापार मेला मोरहाबादी मैदान में 16 से

किसानों को मिलेगी नई तकनीकों और नवाचारों की जानकारी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड कृषि व्यापार मेला 2026 का आयोजन रांची के मोरहाबादी मैदान में 16 से 18 जून तक किया जाएगा। इसका उद्देश्य किसानों, कृषि उद्यमियों, सरकारी विभागों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, स्टार्टअप्स को एक साझा मंच पर लाकर नवाचार, ज्ञान के आदान-प्रदान और ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देना है। इस मेले में कृषि, पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य पालन, बागवानी, सहकारिता विभाग एवं समिति सहित देशभर की कृषि प्रौद्योगिकी कंपनियां, कृषि यंत्र निमार्ता, कृषि निवेश आपूर्तिकर्ता एवं स्टार्टअप्स भाग लेंगे।
मेले की प्रमुख विशेषताएं : मेले में एक समर्पित प्रदर्शनी हॉल, सांस्कृतिक हॉल, सत्र

क्षेत्र, खुला प्रदर्शनी परिसर, झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों से युक्त फूड कोर्ट, सेल्फी प्वाइंट्स और पारंपरिक स्वागत व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त कृषि यंत्रों का लाइव प्रदर्शन, किसान संवाद सत्र और किसानों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पूर्व-पंजीकरण की व्यवस्था भी की गई है।
उद्घाटन एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ : मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा कृषि मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में कृषि रथ को हरी झंडी दिखाना, मेले के लोगो का अनावरण और कर्टेन रेजर फिल्म का प्रदर्शन शामिल होगा। प्रगतिशील किसानों का सम्मान एवं विभिन्न लाभों का वितरण भी किया जाएगा। इसी दिन प्रदर्शनी हॉल का भी उद्घाटन किया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या में पैका नृत्य, पद्मश्री मधुमंसुरी हसमुख द्वारा लोकगायन, संताली जनजातीय नृत्य और आदित्य आनंद द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी।
विभागीय सत्र एवं तकनीकी संवाद : मेले का दूसरा दिन तकनीकी सत्रों एवं विभागीय प्रस्तुतियों को समर्पित रहेगा। कृषि विभाग एवं समिति, डेयरी विकास, पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी एवं सहकारिता विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक सत्र में किसान संवाद, विभागीय प्रस्तुतियां और प्रश्नोत्तर कार्यक्रम शामिल होंगे। दिन का समापन ओपन माइक सत्र, सामूहिक छायाचित्र (ग्रुप फोटोग्राफ) के साथ होगा। सांस्कृतिक संध्या में नागपुरी गायक नितेश कच्छप, छऊ नृत्य और सुश्री शगुन पाठक द्वारा संगीत प्रस्तुति दी जाएगी।
किसान संवाद, स्टार्टअप प्रस्तुति : अंतिम दिवस की शुरूआत किसान संवाद मंच, विभागीय जानकारीपरक वीडियो और पॉडकास्ट सत्र से होगी। स्टार्टअप खंड के अंतर्गत कृषि आइडिया फ्लैश, योजना पथ, खेत से कहानी, टेक सिंप्लिफाइड, रफ्तार 2030 विजन बाइट्स और स्टार्टअप संकल्प जैसी विशेष प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। मेले का समापन विशिष्ट अतिथियों के सम्मान के साथ होगा। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की भी मौजूद रहेंगी।

कोलेबिरा सड़क हादसा: रजा यूनिटी फाउंडेशन ने जताया गहरा दुख

ओवर स्पीडिंग के खिलाफ की सख्त कार्रवाई की मांग

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सिमडेगा जिले के कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत अघरमा के पास हुए भीषण सड़क हादसे पर रजा यूनिटी फाउंडेशन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में नाना-नानी सहित चार मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु ने पूरे रांची लोहरदगा एवं कोलेबिरा के बसिया क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।
इस हृदयविदारक घटना पर रजा यूनिटी फाउंडेशन के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष नवाब ने गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा

कि सड़कों पर बढ़ती लापरवाही और तेज रफ्तार का जुनून आज मासूमों की जान ले रहा है। यह हादसा सिर्फ एक सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि यातायात नियमों की लगातार हो रही अनदेखी का सीधा नतीजा है। वाहन चालकों को अब यह गंभीरता से समझना होगा कि उनकी थोड़ी सी जल्दबाजी और लापरवाही पूरे हंसते-खेलते परिवार को पल भर में तबाह कर सकती है। रजा यूनिटी फाउंडेशन ने जिला और पुलिस प्रशासन से इस दिशा में तुरंत सख्त कदम उठाने की मांग की है।
राष्ट्रीय और राजकीय राजमार्गों पर ओवर स्पीडिंग (तेज रफ्तार) के खिलाफ तत्काल विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाए। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले और लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ कठोर कानूनी कदम उठाए जाएं। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट्स) की पहचान कर वहां तुरंत गति रोधक (स्पीड ब्रेकर) और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

आदित्यपुर में अतिक्रमण हटाने के दौरान हंगामा, पार्षदों में तीखी नोकझोंक

प्रभात पार्क के पास 10 से 15 दुकानें जमींदोज, दुकानदारों ने पार्षद नीतू शर्मा पर लगाए भेदभाव के आरोप

उपनगर आयुक्त पारुल सिंह की मौजूदगी में चली जेसीबी, निगम बोला- नोटिस के बाद कार्रवाई

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

आदित्यपुर। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-17 में प्रभात पार्क के समीप शुक्रवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान भारी हंगामा और राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला। नगर निगम की कार्रवाई के बीच वार्ड 18 के पूर्व पार्षद रंजन सिंह और वार्ड 17 के वर्तमान पार्षद नीतू शर्मा के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे मौके पर काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। पूरी कार्रवाई उपनगर आयुक्त पारुल सिंह और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई।

10 से 15 दुकानों पर चला बुलडोजर

नगर निगम की टीम पुलिस बल और जेसीबी के साथ सुबह प्रभात पार्क के पास पहुंची। टीम ने सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण और दुकानों को ढहाना शुरू किया। इस कार्रवाई में करीब 10 से 15 दुकानें जमींदोज कर दी गईं। निगम के सख्त रुख को देखते हुए कई दुकानदारों ने खुद ही अपना सामान समेटकर दुकानें हटा लीं।

दुकानदारों का आरोप- वार्ड-18 के हैं इसलिए निशाना बनाया

कार्रवाई के दौरान स्थानीय दुकानदारों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रभावित दुकानदारों ने वार्ड-17 की वर्तमान पार्षद नीतू शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए। दुकानदारों का कहना है, हम लोग मूल रूप से वार्ड-18 के निवासी हैं। इसी वजह से हमें निशाना बनाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वार्ड-18 के लोग वार्ड-17 में दुकान नहीं चला सकते। यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित और भेदभावपूर्ण है।

पार्षदों के बीच बहस, उपनगर आयुक्त ने कराया बीच-बचाव

दुकानदारों के समर्थन में उतरे पूर्व पार्षद और वर्तमान पार्षद नीतू शर्मा के बीच मौके पर ही जमकर बहस हुई। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बयानबाजी चलती रही। स्थिति बिगड़ती देख उपनगर आयुक्त पारुल सिंह ने बीच-बचाव किया और दोनों जनप्रतिनिधियों को शांत कराया।

बैंक ऑफ बड़ौदा मेन ब्रांच में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। बैंक ऑफ बड़ौदा बैंक मोड़ मेन ब्रांच में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर जमशेदपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख अमित कुमार, धनबाद मुख्य शाखा के शाखा के मुख्य प्रबंधक राजेश कुमार और क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रमुख शंभू कान्त मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

शिविर का उद्घाटन करते हुए क्षेत्रीय प्रमुख अमित कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है। बैंक ऑफ बड़ौदा हमेशा से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में अग्रणी रहा है। इस तरह के आयोजन समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। इस नेक कार्य के लिए सभी को प्रेरित किया।

शिविर में बैंक के सभी स्टाफ सदस्यों और ग्राहकों ने पूरे उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर इस अभियान को सफल बनाया। धनबाद मुख्य शाखा के प्रबंधक राजेश कुमार ने शिविर को सफल बनाने के लिए सभी रक्तदाताओं, ग्राहकों और चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर चेतना ने चलाया जागरूकता अभियान

देवघर। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था चेतना विकास चेतना विकास ने जसीडीह रेलवे स्टेशन एवं जसीडीह थाना परिसर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान बाल श्रम एवं बाल तस्करी की रोकथाम, बच्चों के शिक्षा के अधिकार, सुरक्षा और पुनर्वास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। जसीडीह रेलवे स्टेशन पर यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों के बीच जागरूकता संदेशों का प्रसार किया गया। वहीं जसीडीह थाना में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बाल संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों और बाल तस्करी की रोकथाम पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेलवे प्रबंधक शंकर शैलेश ने कहा कि रेलवे स्टेशन परिसर में इस प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया गया है। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे कार्यक्रम तीन से छह माह के अंतराल पर नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, जिससे बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के क्षेत्र में और बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकें।

योजनाओं के लिए तैयार करें लैंड बैंक, अधिकारियों को डीसी का निर्देश

धनबाद। धनबाद के पुटकी प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थित गभुडीह सभागार में शुक्रवार को जिला प्रशासन की अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, डीडीसी सन्नी राज, पुटकी सीओ विकास आनंद सहित कई वरीय अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि धनबाद प्रखंड, धनबाद अंचल और पुटकी अंचल के कार्यों की समीक्षा की गई है। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लैंड बैंक तैयार करने का निर्देश दिया है, ताकि राज्य और केंद्र सरकार की किसी भी नई योजना के लिए जमीन उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बाल श्रम मुक्त समाज बनाने का संकल्प

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने विश्व् बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम विभाग और वैदिक सोसाइटी के संयुक्त सहयोग से एक वृहद् जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य समाज से बाल श्रम जैसी कुप्रथा को समाप्त करना और बच्चों के शिक्षा के अधिकार के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया ने बच्चों के संवैधानिक अधिकारों और बाल श्रम विरोधी कानूनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनका स्थान कार्यस्थलों पर नहीं बल्कि स्कूलों में है। बाल श्रम को मिटाने के लिए समाज के हर नागरिक को आगे आना होगा। उन्होने बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके पुनर्वास पर बल दिया। मौके पर श्रम विभाग के अधिकारियों ने नियोक्ताओं को सचेत किया कि बच्चों से काम कराना कानूनन अपराध है और पकड़े जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने आस-पास किसी भी बच्चे को मजदूरी करते देखें, तो तुरंत इसकी सूचना प्राधिकार या जिला प्रशासन को दें। वैदिक सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने कहा कि बाल श्रम केवल एक कानूनी समस्या नहीं, बल्कि एक सामाजिक अभिशाप है जो बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेलता है, इसलिए इसे दूर करना अत्यंत आवष्यक है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों, स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों को बाल श्रम न कराने और इसके खिलाफ आवाज उठाने की शपथ दिलाई गई।

गैस गोदाम के समीप दर्दनाक हादसा, सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा (भंडरा)। भंडरा के भौंरो मोड़ के समीप एक बेलगाम पिकअप ने एन.एस. पल्सर सवार दो युवकों को बेरहमी से रौंद दिया। मौके पर ही अमर उरांव (18 वर्ष) ने दम तोड़ दिया। अरुण उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक और घायल नौडीहा भंडरा के निवासी हैं। थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने खुद घायल को उठाया और गाड़ी में लादा। अस्पताल पहुंचकर भी थाना प्रभारी और पत्रकार ने घायल को उठाकर ड्रेसिंग रूम तक पहुंचाया। इसी तरह नौडीहा मोड़ के समीप एक और बाइक सवार करमा उरांव अनियंत्रित होकर गिर गए। उन्हें स्थानीय दुकानदार फारुक अंसारी ने तत्परता दिखाते हुए सीएचसी भंडरा भेजवाया। सीएचसी भंडरा में डॉ. ओम कुमार के नेतृत्व में घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

आपदा प्रबंधन में लोको पायलटों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। टाटानगर रेल सिविल डिफेंस टीम की ओर से शुक्रवार को इलेक्ट्रिक लोको पायलट प्रशिक्षण केंद्र में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण केंद्र के सभागार में आयोजित सत्र के दौरान पावर पॉइंट प्रोजेक्टर के माध्यम से दुर्घटना स्थल पर उपलब्ध संसाधनों के अभाव में घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर, ब्लैंकेट लिफ्ट, मानव बैसाखी, फायरमैन लिफ्ट, बो-लाइन ड्रैग, टो ड्रैग, ब्लैंकेट ड्रैग तथा दो, तीन और चार व्यक्तियों की सहायता से बनाए जाने वाले अस्थायी सीटों के जरिए घायलों को स्थानांतरित करने की विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही इन तकनीकों का मॉक ड्रिल के माध्यम से व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया। सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने प्रशिक्षण के दौरान कहा कि किसी भी दुर्घटना या आपदा की स्थिति में प्रथम रिस्पांडर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, हत्या का आरोप

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। सदर प्रखंड क्षेत्र के जयनाथपुर गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार जयनाथपुर निवासी बिनोद खत्री के पुत्र जनार्दन खत्री का विवाह गुमला जिले के शमशेरा निवासी अर्वण सिंह की पुत्री सुषमा कुमारी के साथ 18 फरवरी, 2022 को हुआ था। दंपति का ढाई वर्ष का एक पुत्र भी है। गुरुवार को सुषमा कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इसके बाद पति जनार्दन खत्री अपने कुछ मित्रों की सहायता से उसे सदर अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर मृतका के परिजन लोहरदगा पहुंचे। हत्या की आशंका जताते हुए थाना में न्याय की गुहार लगाई। शुक्रवार को लोहरदगा सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया। इधर हुई मृत की घटना से बौखलाये मृतका पक्ष के दर्जनों महिला-पुरुष जयनाथपुर पहुंचे और भारी आक्रोश व्यक्त किया।

सूचना मिलते ही समाजसेवी संजय खत्री और पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के संबंध में मृतका के पति जनार्दन खत्री ने बताया कि करीब दो-ढाई माह पूर्व वह अपनी पत्नी को उसके मायके छोड़कर आया था। कुछ दिनों से उसकी पत्नी पुनः मायके जाने की जिद कर रही थी, लेकिन उसने मना कर दिया था। जनार्दन के अनुसार इसी बात से नाराज होकर सुषमा घर की छत पर चली गई और वहां दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने बताया कि करीब 15 मिनट बाद पत्नी की तलाश करते हुए जब वह छत पर पहुंचा तो उसे फंदे से लटका पाया। इसके बाद उसने स्वयं उसे नीचे उतारा, मित्रों को सूचना दी और ऑटो से सदर अस्पताल पहुंचाया। जनार्दन ने बताया कि वह पिकअप वाहन चलाने का कार्य करता है। घटना के समय घर में केवल पति-पत्नी और उनका छोटा बच्चा मौजूद था। प्रत्यक्ष रूप से किसी ने घटना को होते नहीं देखा।

विद्यालयों से लेकर राष्ट्रीय राजमार्गों तक चलेगा सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान

गढ़वा। जिला प्रशासन सड़क सुरक्षा को लेकर पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने की। बैठक में पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पथ निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण,झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकरण, नगर निकायों के प्रतिनिधियों सहित जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश द्वारा सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यों की समीक्षा से शुरू की गई। दुर्घटनाओं और मृतकों की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने इसे गंभीर सामाजिक चुनौती बताते हुए सभी विभागों को समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी केवल बेहतर सड़कों के निर्माण से संभव नहीं है, बल्कि आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता और अनुशासन विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने स्कूलों, महाविद्यालयों, आईटीआई एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में नियमित जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों एवं युवाओं मंज प्रारंभिक स्तर से सुरक्षित यातायात व्यवहार की आदत विकसित करना सड़क दुर्घटनाओं को कम करने की दिशा में दीर्घकालिक और प्रभावी समाधान सिद्ध होगा। बैठक के दौरान यातायात नियमों के सख्त अनुपालन पर भी विशेष चर्चा हुई। उपायुक्त ने सड़क किनारे आवश्यक चेतावनी एवं दिशा संकेतक लगाने, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग को सुनिश्चित करने और नियमित वाहन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां ग्रामीण सड़कें राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों से जुड़ती हैं। विद्यालयों के आसपास दुर्घटना की आशंका अधिक रहती है, वहां स्पीड ब्रेकर, रंबल स्ट्रिप, रेडियम रिफ्लेक्टर एवं अन्य सुरक्षा उपाय तत्काल किए जाएं। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा ने जानकारी दी कि जिले के सभी निजी विद्यालयों को विद्यालय वाहनों में ओवरलोडिंग रोकने, प्रत्येक वाहन के साथ एक सहायक कर्मी की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, जिनका अधिकांश विद्यालयों द्वारा अनुपालन किया जा रहा है।

देर रात सदर अस्पताल पहुंचे उपायुक्त महिला चिकित्सक से मांगा स्पष्टीकरण

गढ़वा। उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने बीती देर रात सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सकीय सेवाओं, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं और विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में महिला चिकित्सक डॉ. प्रतिमा कुमारी ड्यूटी से अनुपस्थित पाई गईं। पूछताछ के दौरान जानकारी मिली कि वह अक्सर ड्यूटी से अनुपस्थित रहती हैं। इससे पूर्व हुए निरीक्षण में भी उनकी अनुपस्थिति दर्ज की गई थी। इस पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए डिप्टी सुपरिटेंडेंट को संबंधित चिकित्सक से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। साथ ही, अगले आदेश तक उनके वेतन पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को निर्धारित समय पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। उपायुक्त ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, आपातकालीन सेवा, दवा वितरण केंद्र एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की अधिकांश व्यवस्थाएं एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाएं संतोषजनक पाई गईं। उपायुक्त ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर निगरानी एवं सुधार की प्रक्रिया जारी रखी जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी उपायुक्त को दी।

उपायुक्त ने धनबाद सीओ को किया शो-कॉज

अंचल के लिपिक एवं कर्मियों का वेतन रोकने का निर्देश

तीन जेई, एक एई, एक पंचायत सचिव से मांगा स्पष्टीकरण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन ने पुटकी स्थित धनबाद सदर प्रखंड कार्यालय के सभागार में धनबाद सदर और पुटकी अंचल एवं धनबाद अंचल में चल रही राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजना व जिले की पेयजलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा शुक्रवार को की। साथ ही, सात टीम द्वारा धनबाद सदर के नवाडीह, दामोदरपुर, धोखरा, सियालगुदरी, गोपीनाथडीह, पांडरकनाली एवं पेटिया पंचायत में विभिन्न योजनाओं का औचक निरीक्षण किया गया। टीम ने पंचायतों में अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जन वितरण प्रणाली, मनरेगा, आंगनबाड़ी केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर व अन्य योजनाओं का औचक निरीक्षण कर उपायुक्त को अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट की समीक्षा करने के क्रम में उपायुक्त ने धोखरा, अरलगड़िया एवं दुबराजडीह के कनीय अभियंता (जेई), सियालगुदड़ी के पंचायत सचिव तथा दुबराजडीह के सहायक अभियंता (एई) के कार्य को असंतोष पाए जाने पर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। वहीं धनबाद अंचल की समीक्षा के क्रम में विभिन्न रजिस्टरों की अनुपलब्धता, विभिन्न पंजी में सही संधारण नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने धनबाद अंचल के लिपिक एवं सभी कर्मियों का तत्काल प्रभाव से वेतन रोकने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने धनबाद अंचल में सरकारी जमीन के अतिक्रमण की भी समीक्षा की। उन्होंने अंचल अधिकारी को अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं धनबाद अंचल की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने धनबाद अंचल के अंचल अधिकारी को शो-कोज किया। दरअसल, बिनोद बिहारी चौक के समीप गैराबाद जमीन पर अवैध कब्जा कर कई दुकानों का निर्माण किया गया है।

मनरेगाकर्मी 90 दिनों से हड़ताल पर, लगाई मुख्यमंत्री से गुहार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। झारखंड के मनरेगा कर्मियों की जारी हड़ताल के बीच संघ के उपाध्यक्ष जितेंद्र झा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह को पत्र भेजकर शीघ्र समाधान की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि 90 दिनों से अधिक समय से जारी हड़ताल के कारण मनरेगा योजनाएं प्रभावित हुई हैं, वहीं हजारों कर्मियों और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति भी गंभीर हो गई है। बच्चों की पढ़ाई, चिकित्सा और दैनिक जरूरतों पर संकट गहराता जा रहा है। मनरेगाकर्मियों ने सरकार से मांग की है कि ग्राम रोजगार सेवकों के लिए सम्मानजनक समायोजन नीति बनाई जाए, आंदोलनरत कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई रोकी जाए और उनकी सेवा सुरक्षा और भविष्य को लेकर उच्चस्तरीय वार्ता कर स्थायी समाधान निकाला जाए। पत्र में कहा गया है कि यह केवल कर्मचारियों का नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के सम्मान, अस्तित्व और भविष्य का सवाल है। कर्मियों ने सरकार से संवेदनशील निर्णय लेते हुए जल्द समाधान का रास्ता निकालने की अपील की है।

यूट्यूबर विनोद सिंह के खिलाफ होटल ग्रैंड की ओनर करेंगी केस

सारे आरोपों को बताया फर्जी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

जमशेदपुर। यूट्यूबर विनोद सिंह के खिलाफ होटल ग्रैंड की ओनर शबनम सिंह केस करेंगी। उनका कहना है कि विनोद सिंह ने उन पर जो भी घटिया आरोप लगाते हुए यूट्यूब पर वीडियो अपलोड किया है। वह पूरी तरह बेबुनियाद और फर्जी है। उससे उनकी प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। होटल ग्रैंड की ओनर शबनम सिंह ने शुक्रवार को होटल ग्रांड में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर यह जानकारी दी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शबनम सिंह के साथ उनके पति संजय सिंह भी थे। होटल ग्रैंड की ऑनर शबनम सिंह ने बताया कि साकची के काशीडीह स्थित मोहन कंप्लेक्स कब्जा करने का जो आरोप लगाया गया है, वह अपार्टमेंट उन्होंने खरीदा था। इसका सेल डीड उनके पास है। शबनम सिंह ने बताया कि यह अपार्टमेंट साल 2003 और साल 2005 में सौरेंद्र मोहन बनर्जी और ज्योतिका बनर्जी से खरीदा था। इसकी रजिस्ट्री भी कराई गई थी। शबनम सिंह ने बताया कि यूट्यूबर विनोद सिंह 4 अप्रैल साल 2022 को उनके होटल ग्रांड में

आए थे और खुद को tahlaka.com का पत्रकार बताया था। बाद में उन्होंने कहा कि आपको अगर होटल चलाना है तो 12 लाख रुपए दीजिए। तब उनके साथ चार लोग अमिताभ वर्मा, अविनाश, इंद्रजीत भुल्लर और अदिति थीं। इनका पूरा गैंग चलता है। 12 लाख रुपए देने से मना करने पर इन्होंने होटल को बदनाम करने के लिए होटल में वैश्यावृत्ति का अनाप-शनाप आरोप लगाते हुए यूट्यूब पर वीडियो अपलोड किया था। इसके बाद 12 मई साल 2023 को शबनम सिंह ने यूट्यूबर विनोद सिंह के खिलाफ केस भी किया था। यह केस अभी चल रहा है। शबनम सिंह ने बताया कि विनोद सिंह के खिलाफ कोर्ट में मानहानि का दो केस चल रहा है। विनोद सिंह पर दूसरा केस नंबर 228/23 भी किया गया है। जल्द ही संजय सिंह तीसरा केस भी करेंगे। शबनम सिंह ने कहा कि विनोद सिंह कभी खुद को tahla-ka.com का पत्रकार बताता है। कभी तक्षक पोस्ट, तो कभी स्पाई पोस्ट का। विनोद सिंह बहुरूपिया है। संजय सिंह की पत्नी ने बताया कि उनके होटल पर जो अनाप-शनाप आरोप लगाए गए हैं। उससे उनकी प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। वीडियो में आरोप लगाया गया है कि उनके होटल में वेश्यावृति होती है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। अगर ऐसा होता तो पुलिस इस मामले में कार्रवाई करती। कभी उनके होटल में किसी तरह का आपत्तिजनक सामान या कुछ इस तरह की गतिविधि पुलिस की निगाह में कभी नहीं आई है। शबनम सिंह ने बताया कि उनके होटल के दो रूम पर कांग्रेसी नेता शैलेंद्र सिंह चंदेल और एक महिला सुनैना ने ताला तोड़कर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि सुनैना यहां पहले रहती थी। वह लगभग 5 जून को दोनों रूम खाली कर चली गई थीं। इसके बाद होटल ग्रैंड के ओनर के पति संजय सिंह ने रूमों पर ताला लगा दिया था। लेकिन, बाद में कांग्रेसी नेता ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए साकची थाना से मिलकर उनका ताला तोड़ दिया और अंदर घुस गए। इस मामले में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की गई है और जांच कर रूमों को खाली कराने की मांग की गई है।

अवैध ट्रांसपोर्टिंग रोड के विरोध में ग्रामीणों का शक्ति प्रदर्शन, कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी

न्यायालय से जल्द अवैध कोल दुलाई सड़क निर्माण पर रोक लगाने का दावा

सहारा इंडिया के तर्ज पर खअफ्छ कंपनी को भी ले डूबा देगा मुट्ठी भर वाले दलाल: विनय बिहारी शरण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। टंडवा प्रखंड क्षेत्र के खधैया स्थित नगर भवन में गुरुवार को भी जेएआरएल कंपनी के अवैध ट्रांसपोर्टिंग रोड के विरोध में आन्दोलितों ने अपना शक्ति प्रदर्शन करके खअफ्छ कंपनी के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। विनय बिहारी शरण, मिस्त्रोल मुखिया सुबेष राम, जिला परिसद देवंती देवी सहित ग्रामीणों ने खअफ्छ कंपनी के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए कहा कंपनी दलालों को छोड़ दे और दलालों के झांसा में ना आए नही तो सहारा इंडिया के तर्ज पर दलालो कंपनी को डूबा देगी। कंपनी को सचेत करते हुए कहा कंपनी जुम्मा जुम्मा चार दिन वाले राजनीतिक के भरोसा ना रहे, न्यायालय में मामला चल गया हैं, जल्द अवैध निर्माण पर रोक लगाया जाएगा। न्यायालय पर भरोसा है कि अवैध निर्माण करने वाली कंपनी पर कानून जल्द लगाम लगाएगी।

संक्षिप्त

ट्रेन से कटकर छतरपुर की बुजुर्ग महिला की मौत

पलामू। डालटनगंज रेलवे स्टेशन से सटे मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के शांतिपुरी इलाके में शुक्रवार सुबह ट्रेन से कट कर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला रेलवे ट्रैक की ओर से गुजर रही थी, इसी क्रम में ट्रेन की चपेट में आ गई। उसकी मानसिक स्थिति खराब बताई गई है। महिला की पहचान छतरपुर के खाटिन गांव निवासी 68 वर्षीय लक्ष्मी देवी, पति शिव प्रसाद राजकिशन के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे लाइन पर शव देखकर आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पर टीओपी तीन के प्रभारी प्रदीप कुमार मेहता को दी। मौके पर पहुंचे टीओपी तीन के प्रभारी ने शव की पहचान कराई। रेलवे ट्रैक से शव को हटाकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में भेज दिया। टीओपी तीन प्रभारी के अनुसार महिला डालटनगंज में ही रहती थी। गुरुवार को घर से निकली थी। अचानक ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई। परिजन के अनुसार महिला की मानसिक स्थिति कुछ दिनों से खराब चल रही थी। गुरुवार रात घर से लापता होने के संबंध में पुलिस को मौखिक सूचना दी गई थी। परिजन अपने स्तर से भी खोजबीन कर रहे थे। इसी क्रम में शव बरामद हुआ।

जमीन विवाद में बड़े भाई की हत्या, पत्नी और भतीजा गंभीर

लातेहार। जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र के पोटमाडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों में हुई खूनी संघर्ष में बड़े भाई कामिल बेक (65)की मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी और भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार पोटमाडीह गांव निवासी कामिल बेक और उनके छोटे भाई पोलिकार्प बेक के बीच गुरुवार की रात जमीन को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि पोलिकार्प बेक ने टांगी से अपने बड़े भाई कामिल बेक पर हमला कर दिया। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची कामिल बेक की पत्नी सलोमी बेक और बेटा निलेश बेक पर भी आरोपित ने हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

जागरूक नागरिक ही कर सकते हैं बच्चों के अधिकारों की रक्षा में सहयोग : पीडीजे

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। विश्व बालश्रम निषेध दिवस पर शुक्रवार को व्यवहार न्यायालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाल श्रम एवं बाल तस्करी उन्मूलन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन अग्रगति एनजीओ और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मो तौफीकुल हसन ने की। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनिल कुमार, अग्रमति परियोजना के प्रभारी किरण शंकर दत्ता, परियोजना के अन्य सदस्य, एलएडीसीएस के सदस्य सहित अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन का अधिकार प्राप्त है। बाल श्रम एवं बाल तस्करी न केवल बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाती है,

बल्कि उनके मौलिक अधिकारों का भी गंभीर उल्लंघन करती है। अग्रगति एनजीओ के प्रतिनिधियों ने कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और उन्हें शोषण से मुक्त रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मो तौफीकुल हसन ने कहा कि बाल श्रम और बाल तस्करी के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकारी एजेंसियों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी बाल श्रम या बाल तस्करी का मामला सामने आए तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित विभागों एवं प्राधिकरणों को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिक ही बच्चों के अधिकारों की रक्षा में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। समाज को इस दिशा में संवेदनशील बनने की आवश्यकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनिल कुमार ने उपस्थित लोगों को प्राधिकरण की ओर से संचालित निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए डीएलएसए सदैव तत्पर रहता है। साथ ही बच्चों के संरक्षण एवं उनके अधिकारों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मौजूद एलएडीसीएस के सदस्यों एवं पैनल अधिवक्ताओं ने भी बाल अधिकारों की सुरक्षा तथा जन-जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

नशा समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा, जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार : उपायुक्त

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। जिला प्रशासन ने शुक्रवार को नशा मुक्ति जागरूकता रथ को उपायुक्त कार्यालय परिसर से रवाना किया और लोगों को शपथ दिलाई। उपायुक्त राजीव रंजन ने हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया और कहा कि नशा समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। इसका जागरूकता ही हथियार है। नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे

परिवार और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसके दुष्प्रभावों से सबसे अधिक प्रभावित होती है। उपायुक्त ने कहा कि नशे की लत युवाओं के सपनों, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य को नुकसान पहुंचाती है। इसके कारण परिवारों में तनाव बढ़ता है और सामाजिक ताना-बाना भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य से यह विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि नशा मुक्ति जागरूकता रथ जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों, उससे बचाव के उपायों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी देगा।

हाथी के हमले में बुर्जुग गंभीर, झाड़ग्राम रेफर

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत जमुआ पंचायत के इंदबनी गांव के समीप शुक्रवार सुबह एक जंगली हाथी के हमले में 60 वर्षीय काबुल मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, काबुल मुंडा सुबह किसी काम से पैदल जा रहे थे। इसी दौरान इंदबनी जंगल क्षेत्र के पास उनकी अचानक एक हाथी से आमने-सामने मुठभेड़ हो गई। हाथी ने उन्हें देखते ही हमला कर दिया और सूंड से उठाकर पटक दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वन विभाग को इसकी जानकारी दी। वन विभाग के सहयोग से घायल काबुल मुंडा को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम अस्पताल रेफर कर दिया।

दुर्घटना को दावत दे रहे सूखे और सड़क पर झूलते पेड़, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

चतरा। गया-चतरा मुख्य मार्ग पर स्थित चिमटी रेस्टोरेंट के समीप सड़क किनारे खड़े सूखे और झूलते पेड़ राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। यहां दो विशालकाय सूखे पेड़ तथा एक आम का पेड़ सड़क के ऊपर तक झूल रहा है, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों और होटल संचालक के अनुसार, कई बार बस, कार और दोपहिया वाहन इन पेड़ों की चपेट में आ चुके हैं। हाल ही में एक सड़क पर झूलता पेड़ अचानक सड़क पर गिर पड़ा। संयोग अच्छा रहा कि उसी समय गया जी की ओर जा रही एक यात्री बस कुछ सेकेंड पहले वहां से गुजर चुकी थी। यदि बस की रफ्तार थोड़ी धीमी होती और वह दो सेकेंड बाद वहां पहुंचती, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात और तेज हवा के दौरान सूखे पेड़ की टहनियां टूट टूटकर न सिर्फ गिरती रहती है बल्कि सड़क पर झूलते पेड़ के उखड़क सड़क पर गिर जाने का खतरा भी बना रहता है। बावजूद इसके अब तक संबंधित विभाग द्वारा इन्हें हटाने की कोई ठोस पहल नहीं की गई है। होटल संचालक समेत स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से अविलंब कार्रवाई करते हुए सूखे एवं सड़क पर झूल रहे पेड़ों को हटाने की मांग की है।

पत्थर खदान के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध, उपायुक्त को सौंपा आवेदन

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा प्रखंड की ओड़िया पंचायत अंतर्गत कांकु गांव में प्रस्तावित पत्थर खदान परियोजना के विरोध में ग्रामीणों प्रदर्शन के साथ प्रशासन के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। शुक्रवार को गांव के सैकड़ों महिला-पुरुषों ने जिला उपायुक्त राजीव रंजन को आवेदन सौंपकर खदान की स्वीकृति प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि मौजा कांकु के विभिन्न खाता एवं प्लॉटों की लगभग 5.90 एकड़ भूमि पर पत्थर खदान स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में गांव में आयोजित ग्राम सभा में सर्वसम्मति से खनन परियोजना का विरोध करने का निर्णय लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित खदान स्थल के आसपास वर्ष 2023 में विकसित सामुदायिक एवं अंतरराष्ट्रीय बागीचा, आंगनबाड़ी केंद्र, ग्रामीणों के आवासीय घर तथा आदिवासी समुदाय का धार्मिक स्थल जाहेरथान स्थित है। ऐसे में खनन कार्य शुरू होने पर विस्फोट, धूलकण और प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि कांकु गांव अनुसूचित क्षेत्र में आता है, जहां ग्राम सभा के निर्णय को विशेष महत्व प्राप्त है। इसलिए ग्राम सभा की सहमति के बिना खदान स्थापना जनभावनाओं के विपरीत होगी। आवेदन पर ग्राम प्रधान मुचीराम मुर्मू, श्यामसुंदर बेसरा, सोमनाथ मुर्मू, गुरुपद मुर्मू, सागुन बेसरा और जगदीश मुर्मू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। इसकी प्रतिलिपि जिला खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी, पटमदा को भी भेजी गई है।

पाण्डेयपुरा पंचायत सचिवालय भवन मे प्रधानमंत्री आवास प्लस को लेकर ग्राम सभा का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हंटरगंज (चतरा)। प्रखंड के पाण्डेयपुरा पंचायत सचिवालय भवन में प्रधानमंत्री आवास प्लस को लेकर ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित हुए ग्राम सभा का आयोजन पाण्डेयपुरा पंचायत की मुखिया रेनू देवी की अध्यक्षता में किया गया ।ग्राम सभा का आयोजन बहुत ही शांति पूर्वक और सर्व सहमति से किया गया।प्रधानमंत्री आवास प्लस में 1025 से अधिक लाभुकों का सत्यापन किया गया। वहीं मुखिया रेनू देवी और पंचायत सचिव प्राण कुमार ने ग्रामीणों के आश्वासन दिए की जिन योग्य लाभूको का सूची में नाम नहीं प्रखंड सर्वेक्षण कर्मी के द्वारा योग्य लाभूको का नाम काटा गया है

उसे प्रखंड विकास पदाधिकारी को हम लोग आवेदन देकर उन लोगों का नाम जुड़वाने का प्रयास करेंगे। पंचायत सचिव प्राण कुमार से जब कुछ लोगों के नाम न होने के कारण पूछा गया तो उन्होंने बोले कि यह सेल्फ फॉर्म भरने की भी प्रक्रिया थी जो गांव में उपस्थित नहीं थे वह अपने से भी भर सकते थे,पंचायत के जितने योग्य लोग गांव, और अपने घर में मौजूद थे, जो पंचायत भवन आए उन सभी का मैं सत्यापन किया ।साथ में जिन आयोग्य लोगों का नाम सूची में दर्ज है उसे भी हटाने का कार्य किया जाएगा ,यह ऑनलाइन प्रक्रिया सेल्फ फॉर्म भरने का भी था जिसके कारण कुछ आयोग्य लोग अपने से फॉर्म भरे जिसका ग्राम सभा में निष्पादन किया जाएगा। ग्राम सभा में योग्य लाभुकों का सत्यापन कर प्रखंड कार्यालय भेजने का कार्य किया गया ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामीणों मे मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुनील रजक,उषा देवी,उमेश दांगी,श्री यादव, संगीता देवी,उपमुखिया पंकज प्रसाद, प्रदीप कुमार , बसंत प्रसाद, मोती यादव, एवं सभी वार्डों के वार्ड सदस्य और सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे जिसमें पुरुषों से अधिक महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा थी।

अवैध खनन करते मंत्री ने पकड़ा, तीन टेलर और एक पोकलेन जब्त

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर गुरूवार रात सिंघम बने नजर आए। उन्होंने फिल्मी स्टाइल में पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में पहाड़ पर हो रहे अवैध खनन को लेकर रेड मारी। इस क्रम में तीन टेलर और एक पोकलेन जब्त किये गये, जबकि इंटर स्टेट माइनिंग गिरोह का खुलासा हुआ। मंत्री के अचानक कार्रवाई करने से प्रशासनिक महकमा सकते में पड़ गया। खनन विभाग इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई में जुट गया है। मंत्री के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि बटाने डैम रोड में गोसाईडीह और देवताही इलाके में पिछले दिनों मिट्टी मोरम का अवैध खनन करना वाला गैंग छतरपुर के देवगन-दीनादाग-रेंगनिया इलाके में सक्रिय है और ग्रामीणों को डरा धमका

कर देर रात पहाड़ पर अवैध खनन करता है। मंत्री रांची से देर रात सीधे मौके पर पहुंचे। यहां आने के बाद पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी और छतरपुर के एसडीपीओ प्रशांत कुमार को सूचना दी। पुलिस टीम के आने के बाद की गयी कार्रवाई में तीन टेलर, एक पोकलेन सहित अन्य वाहन जब?त किए गए। अंधेरे का फायदा उठाकर खनन कार्य में लगे तस्कर फरार हो गए। पिछले एक साल से इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मिट्टी मोरम का अवैध खनन हो रहा था। स्थानीय लोगों ने पुलिस और अंचल अधिकारी को कई बार जानकारी दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण स्थानीय विधायक और मंत्री होने के कारण उन्होंने पहल की। मंत्री ने कहा कि अवैध खनन से राज्य सरकार को काफी राजस्व नुकसान हो रहा है। मुख्यमंत्री सह खान मंत्री ने राज्य भर में अवैध खनन रोकने संबंधित कड़े निर्देश जारी किए हैं। इससे जीएसटी का भी बड़ा नुकसान हो रहा था। उन्होंने एसपी और डीएसपी को मामले पर नजर रखने और दोबारा से इस क्षेत्र में अवैध खनन न हो, इसकी जवाबदेही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। ग्रामीण सूत्रों के अनुसार अनुमंडल मुख्यालय से 09 किलोमीटर दूर देवगन-दीनादाग-रेंगनिया इलाके में हर दिन रात 10 बजे से सुबह 04 बजे तक सुरक्षित वनक्षेत्र में मिट्टी मोरम का अवैध खनन होता था। तस्करी के धंधे में बिहार के लोग शामिल थे। सारी मिट्टी मोरम बिहार में बन रहे एक्सप्रेस वे में खपाया जा रहा था।

चतरा पहुंचे बोकारो रेंज के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा, कानून व्यवस्था की समीक्षा कर पुलिस अफसरों को दिए कड़े निर्देश

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। बोकारो रेंज के नवनियुक्त आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा अपने एक दिवसीय दौरे पर चतरा पहुंचे। चतरा समाहरणालय परिसर में पुलिस के जवानों ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। इसके बाद आईजी ने पुलिस लाइन स्थित पार्क पहुंचकर शहीद विनय भारती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। आईजी का पदभार ग्रहण करने के बाद चतरा जिले का यह उनका पहला दौरा था। उन्होंने जिले के सभी वरीय पुलिस पदाधिकारियों, सर्किल इंस्पेक्टरों और थाना प्रभारियों के साथ एक

उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में कानून व्यवस्था, थानों की कार्यप्रणाली और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर विस्तृत चर्चा की गई। आईजी ने बताया कि प्रशासनिक फेरबदल के बाद कई नए अधिकारियों से परिचय करना और विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करना इस दौरे का मुख्य उद्देश्य था। वहीं, थानों में प्राइवेट चालकों को रखने के सवाल पर उन्होंने स्वीकार किया कि चालकों की भारी कमी के कारण यह पुलिस की मजबूरी है।

संपादकीय

प्रतिभा पर पहरा

अमेरिका की संघीय अदालत द्वारा एच-1बी वीजा पर लगाए गए भारी शुल्क को रद्द किया जाना केवल एक कानूनी फैसला नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिभा और अवसरों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस निर्णय ने उन हजारों भारतीय पेशेवरों को राहत दी है, जो अपनी योग्यता और विशेषज्ञता के बल पर अमेरिका में बेहतर अवसरों की तलाश करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में आव्रजन को लेकर राजनीतिक बहस तेज हुई है। ₹अमेरिका फर्स्ट₹ नीति के तहत विदेशी पेशेवरों की संख्या सीमित करने के प्रयास किए गए। इसके पीछे तर्क यह दिया गया कि विदेशी कर्मियों की बढ़ती संख्या अमेरिकी नागरिकों के रोजगार के अवसरों को प्रभावित करती है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य सेवा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में अमेरिका की सफलता काफी हद तक दुनिया भर से आने वाली प्रतिभाओं पर आधारित रही है। एच-1बी वीजा व्यवस्था इसी सोच का परिणाम है, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियां उन विशेषज्ञों को नियुक्त करती हैं जिनकी कौशल क्षमता स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध नहीं होती। भारतीय पेशेवर इस श्रेणी में सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं। उनकी मेहनत और दक्षता ने अमेरिका की कई प्रमुख तकनीकी कंपनियों को वैश्विक नेतृत्व दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। एक लाख डॉलर का शुल्क लगाना वस्तुतः इस व्यवस्था को हतोत्साहित करने का प्रयास था। इससे न केवल विदेशी पेशेवर प्रभावित हुए, बल्कि उन कंपनियों की लागत भी बढ़ गई जो वैश्विक प्रतिभाओं पर निर्भर हैं। अदालत का फैसला इस बात को रेखांकित करता है कि आर्थिक और प्रशासनिक नीतियां कानून और संविधान की सीमाओं के भीतर ही बनाई जानी चाहिए। हालांकि यह राहत अस्थायी भी साबित हो सकती है, क्योंकि अमेरिका में आव्रजन नीति हमेशा राजनीतिक बदलावों से प्रभावित रही है। इसलिए भारतीय पेशेवरों को केवल इस फैसले पर निर्भर रहने के बजाय अपनी योग्यता, नवाचार क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप खुद को लगातार बेहतर बनाते रहना होगा।

इंडिया गठबंधन की बैठक के राजनीतिक मायने

कमलेश पांडे

विगत दो-तीन वर्षों में कांग्रेस की सियासी विसात पर अपना अपना-सबकुछ लुटा-पिटा देने के बाद इंडिया गठबंधन के सहयोगियों की जो नई दिल्ली बैठक हुई, उसके राजनीतिक मायने कांग्रेस के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुए। क्योंकि इस बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की आवाज ध्यान से सुनी गई और उनके नेतृत्व को तथा उनकी पार्टी को गाहे-बगाहे चुनौती देने वाले क्षेत्रीय दलों के सुरमा भोपाली नेता दबी जुबान में अपनी भावना प्रकट करने को अभिशप्त हुए। खासकर नेशनल कांफ्रेंस के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, सपा प्रमुख अखिलेश यादव को छोड़कर। इसलिए यह बैठक केवल एक नियमित विपक्षी बैठक तक सीमित नहीं रही, क्योंकि यह बैठक ऐसे समय हुई, जब कई सहयोगी दलों और कांग्रेस के बीच मतभेदों की बढ़ती-घटती खबरें सामने आई थीं, इसलिए इसके संदेश पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, 8 जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में लगभग 23 दलों के राजनेता शामिल हुए। बैठक में विपक्षी दलों ने अपनी एकजुटता दिखाने और आगे की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, बैठक में लगभग 23 विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।जिनमें मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सुप्रिया सुले के अलावा प्रमुख वामपंथी दलों के अनेक नेता उपस्थित रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार की नीतियों, विदेश नीति और मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जबकि विपक्षी दलों ने संसद और सड़क दोनों स्तरों पर समन्वित आंदोलन चलाने तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा रुख अपनाने पर चर्चा की। साथ ही, 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी, विपक्षी एकता और गठबंधन के भविष्य की दिशा भी बैठक के एजेंडे में शामिल रही। बैठक के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवाल पर मंथन हुआ। फिर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाई गई और संसद में विपक्षी दलों के बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के बीच तालमेल और राजनीतिक सहयोग होने की पुष्टि की गई।

वहीं, इस बैठक की कतिपय चुनौतियां भी सामने आईं, क्योंकि जहां तमिलनाडु में सत्ता से बेदखल हुई छरू्य ने कांग्रेस से नाराजगी होने के चलते इस बैठक से दूरी बनाई, जिससे गठबंधन के भीतर मतभेदों की चर्चा तेज रही। वहीं, आप के सुप्रीमो अरबिंद केजरीवाल की अनुपस्थिति भी चर्चा में रही। जबकि कुछ अन्य सहयोगी दलों की भूमिका और भागीदारी को लेकर भी सवाल बने रहे।

जहां तक इंडिया गठबंधन की इस बहुप्रतीक्षित बैठक के राजनीतिक मायने की बात है तो यह बैठक लोकसभा चुनाव 2024 के बाद विपक्ष की सबसे महत्वपूर्ण गैर-संसदीय बैठकों में से एक मानी जा रही है। जिसके माध्यम से विपक्ष ने संदेश देने की कोशिश की कि मतभेदों के बावजूद भाजपा के खिलाफ साझा मंच अभी कायम है। वहीं, भाजपा ने छरू्य की अनुपस्थिति और अन्य अंतर्विरोधों को लेकर गठबंधन की एकता पर सवाल उठाए हैं। इस बैठक के सबसे बड़े राजनीतिक निष्कर्ष निम्नलिखित हैं : -

> *कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार की नीतियों, विदेश नीति और मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जबकि विपक्षी दलों ने संसद और सड़क दोनों स्तरों पर समन्वित आंदोलन चलाने तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा रुख अपनाने पर चर्चा की। साथ ही, 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी, विपक्षी एकता और गठबंधन के भविष्य की दिशा भी बैठक के एजेंडे में शामिल रही। बैठक के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवाल पर मंथन हुआ। फिर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाई गई और संसद में विपक्षी दलों के बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के बीच तालमेल और राजनीतिक सहयोग होने की पुष्टि की गई। वहीं, इस बैठक की कतिपय चुनौतियां भी सामने आईं, क्योंकि जहां तमिलनाडु में सत्ता से बेदखल हुई छरू्य ने कांग्रेस से नाराजगी होने के चलते इस बैठक से दूरी बनाई, जिससे गठबंधन के भीतर मतभेदों की चर्चा तेज रही। वहीं, आप के सुप्रीमो अरबिंद केजरीवाल की अनुपस्थिति भी चर्चा में रही। जबकि कुछ अन्य सहयोगी दलों की भूमिका और भागीदारी को लेकर भी सवाल बने रहे।*

पहला, इंडिया गठबंधन अभी समाप्त नहीं हुआ है : सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि तमाम मतभेदों, चुनावी झटकों और सहयोगी दलों की नाराजगी के बावजूद विपक्षी दलों ने एक साझा मंच बनाए रखने का निर्णय लिया। 23 दलों की भागीदारी ने कांग्रेस को यह कहने का अवसर दिया कि गठबंधन अभी भी प्रासंगिक है। दूसरा, 2029 की तैयारी अभी से शुरू हो गईः बैठक का प्रमुख उद्देश्य केवल वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देना नहीं था, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी था। विपक्ष भाजपा के विरुद्ध एक व्यापक राष्ट्रीय नैरेटिव गढ? की कोशिश में दिखा।

तीसरा, कांग्रेस फिर से समन्वयक की भूमिका में : बैठक से यह संकेत मिला कि कांग्रेस गठबंधन की धुरी बनी रहना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी एकता पर जोर दिया और केंद्र सरकार के विरुद्ध साझा संघर्ष का आह्वान किया। चौथा, गठबंधन की कमजोरी भी उजागर हुईःएम. के. स्टालिन की डीएमके और अरविंद केजरीवाल की आप का बैठक से दूर रहना बताता है कि विपक्षी एकता अभी भी कई अंतर्विरोधों से घिरी हुई है। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि इस बैठक का बिहार की राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि राजद नेता तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय मंच मिला। बैठक में तेजस्वी यादव की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि वे केवल बिहार तक सीमित नेता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। वहीं, बिहार चुनाव में विपक्षी एकता का संदेशभी गया। ऐसे में यदि कांग्रेस, राजद और वाम दल तालमेल बनाए रखते हैं तो बिहार में एनडीए के खिलाफ विपक्षी चुनौती अपेक्षाकृत मजबूत रह सकती है। वहीं, जाति और सामाजिक न्याय की राजनीति को भी बल मिला। क्योंकि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय, जातीय गणना और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों को साथ उठाते रहे हैं। बैठक से संकेत मिला कि यह विपक्ष का प्रमुख राजनीतिक एजेंडा बना रह सकता है। जहां तक 2029 के लोकसभा चुनाव पर संभावित प्रभाव की बात है तो इसका सकारात्मक पक्ष यह रहा कि भाजपा के विरुद्ध एक साझा राष्ट्रीय मंच बना रहता है। वहीं, संसदीय मुद्दों पर समन्वय बढ़ सकता है। साथ ही क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच संवाद कायम रहने की संभावना बनी रहती है। वहीं, जहां तक चुनौतियों की बात है तो सीट बंटवारा सबसे बड़ी समस्या रहेगा। क्योंकि कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। वहीं, डीएमके और आप जैसी पार्टियों की दूरी गठबंधन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

निष्कर्षत : यह कहा जा सकता है कि इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश यह रहा कि इंडिया गठबंधन ने अपने अस्तित्व और प्रासंगिकता का प्रदर्शन करने की कोशिश की। लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि अपने भीतर की एकता बनाए रखना है। बिहार में इसका तात्कालिक लाभ महागठबंधन को मिल सकता है, जबकि 2029 के लिए यह बैठक विपक्षी पुनर्गठन की शुरूआत मानी जा सकती है-हालांकि सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सहयोगी दल भविष्य में अपने मतभेद कितनी प्रभावी ढंग से सुलझा पाते हैं।

– लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

क्या राहुल दो-दलीय लोकतांत्रिक सिस्टम की आहट पहचान गए?

अवतांष चित्रांश

एक देश, एक चुनाव का मुद्दा केवल चुनावी सुधार के सवाल तक नहीं बल्कि क्षेत्रीय दलों के भविष्य से भी जुड़ गया है। बिहार चुनाव से पहले जब केन्द्र की भाजपा सरकार ने जाति जनगणना कराए जाने का फैसला लिया था। कांग्रेस और विपक्षी दल खासकर राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी ने इसका क्रेडिट खुद लिया। लेकिन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश चुनाव में विधानसभा चुनाव होने से पहले ही देश का लोकतांत्रिक सिस्टम दो दलीय हो जाएगा। मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं कि आठ जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कांग्रेस को सलाह दी कि उसे क्षेत्रीय दलों के महत्व को स्वीकार करना चाहिए,क्योंकि भाजपा के खिलाफ लड़ाई में क्षेत्रीय दलों की भूमिका निर्णायक है। बैठक के बाद जो मीडिया रिपोर्ट आई हैं उसके हिसाब अखिलेश यादव ने कहा कि क्षेत्रीय दल खुले तौर पर कहते हैं कि वे कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं, लेकिन कांग्रेस अक्सर अपने सहयोगी दलों का उसी तरह उल्लेख नहीं करती। और अखिलेश यादव ने कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाने को कहा है।

आप कह सकते हैं कि मैं यह टिप्पणी जल्दी कर रहा हूं। लेकिन आपको यह लेख पढ़ते हुए यह याद रखना होगा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में आम आदमी पार्टी नहीं पहुंची थी जो पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए सिरदर्द है। आम आदमी पार्टी की जन्मभूमि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव कांग्रेस के खिलाफ प्रचार किए थे। चलिए, आप कह सकते हैं, कि दिल्ली व उत्तर प्रदेश की राजनीति अलग है। लेकिन सवाल ये नहीं है कि दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश के समीकरण क्या हैं? सवाल ये है कि बिहार, पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद क्या देश दो दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरफ बढ़ रहा है। अब आठ जून की रात इंडिया गठबंधन के सुपर स्टार राहुल गांधी जी का एक्स पोस्ट का संज्ञान लीजिए, रात 9.30 पर अपने पोस्ट में राहुल गांधी लिखते हैं कि यूसुफ पठान को गुजरात से अधीर रंजन के खिलाफ चुनाव लड़ाने के लिए एयरलिफ्ट किया गया था। अधीर रंजन को हराने

में ममता बनर्जी और भाजपा की राजनीतिक मशीनरी ने मिलकर भूमिका निभाई थी। यूसुफ पठान को लेकर यह धारणा लंबे समय से रही है कि वे मोदी के करीबी माने जाते हैं।

अब अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के बीच का समन्वय को समझते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में अपने कोटे से तृणमूल कांग्रेस को भदोही सीट दी थी जहां ललितेश पति त्रिपाठी टीएमसी के कैंडिडेट थे। ललितेश कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलापति त्रिपाठी के परपौत्र हैं। और कांग्रेस से विधायक रहे हैं। बनारस में कांग्रेस का पर्याय रहा इनका परिवार अजय राय के उत्थान से नाराज होकर टीएमसी चला गया। ममता बनर्जी की हार के बाद अखिलेश यादव सॉलिडैरिटी में कलकत्ता पहुंचते हैं और कांग्रेस पर तंज करता हुआ एक पोस्ट करते हैं-हम मुश्किल में साथ नहीं छोड़ते हैं। राजनीतिक पंडित भले ही बैठक में अखिलेश यादव की टिप्पणी को केवल कांग्रेस की आलोचना ना माने,और मान लेते हैं कि राजनीति में मोल भाव का अपना तरीका होता है। लेकिन इंडिया गठबंधन की बैठक में क्षेत्रीय दलों की बेचैनी और बैठक खत्म होने की चंद घंटों बाद ही राहुल गांधी का ममता बनर्जी को सीधे तौर पर भाजपा का एजेंट बताना। सिर्फ सीटों की तौलाई नहीं है बल्कि क्षेत्रीय दलों के भाजपा विरोधी छवि के खिलाफ बड़ा नैरेटिव स्थापित करने का संकेत भी है। बहुत संभव है कि आने वाले कुछ दिनों में राहुल गांधी अरविन्द केजरीवाल और उनकी पार्टी पर भी भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाए। यह वो संकेत है जो दो- दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरफ इशारा करते हैं।

इस बैठक के बाद यह तो तय है कि पंजाब विधानसभा चुनावों में भाजपा-कांग्रेस-आम आदमी पार्टी अलग अलग चुनाव लड़ेंगे। लेकिन राघव चड्ढा और कैप्टन अमरिंदर सिंह के भाजपा के पाले में आने के बाद समीकरण अभी और बदलेंगे। लेकिन उत्तर प्रदेश में क्या होगा? क्या समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा या कांग्रेस किसी और दल के साथ संभावना तलाश रही है। चूंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन बेहद सफल रहा था। दोनों दलों ने मिलकर भाजपा को कड़ी चुनौती दी और राज्य में विपक्ष की वापसी का आधार तैयार किया। इसलिए मुमकिन नहीं है कि दोनों दल गठबंधन तोड़े। लेकिन सीट बंटवारे पर खींचतान आखिरी तक जारी रहेगी। ठीक इलास्टिक की तरह, वह किस प्वाइंट पर टूटेगी ये कोई नहीं जानता है, या फिर खींचतान में लचीली हो जाए। दोनों ही स्थिति में कांग्रेस को फायदा होगा। टूट गई तो सपा खत्म और लचीली रही तो कांग्रेस को यूपी में फैलने का मौका मिलेगा। और दो-दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की राह आसान होगी। ऐसे में पंजाब और उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों से पहले यदि केन्द्र सरकार परिसीमन एक्ट पारित करा लेती है। चूंकि संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार देशव्यापी परिसीमन 2026 में होने वाली पहली जनगणना के प्रकाशित आंकड़ों पर आधारित होना है। सुप्रीम कोर्ट का भी आदेश दिया है कि 2027 की जनगणना के आंकड़े आने से पहले देशव्यापी परिसीमन नहीं हो सकता। इन सबको देखते हुए तो यही लगता है कि 2029 का लोकसभा चुनाव परिसीमन के बाद 850 सीटों पर होगा। और संभव है कि फरवरी 2027 में संभावित पंजाब, उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 6 महीने के लिए स्थगित हो जाए।

– लेखक के निजी राय हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

13 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	वृष में	मिथुन 05.27 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क 07.40 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह 09.57 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या 12.09 बजे से
गुरू	कर्क में	तुला 14.19 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक 16.34 ब.से
शनि	मीन में	धनु 18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर 20.55 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ 22.42 बजे से
		मीन 00.14 बजे से
		मेष 01.45 बजे से
		वृष 03.25 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 164 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 16.08 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 01.17 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 17.29 बजे को समाप्त। **करण** गर 05.56 बजे, वणिज 16.08 बजे तदनन्तर विष्टि 02.16 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 12' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872739 **जूलियन दिन** 2461204.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8890

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10		11	■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -8889 का हल

आ	ह	■	प	र	दा	■	क	म
ग	■	क	ना	त	■	र	च	ना
■	क	ल	ह	■	ग	ह	रा	■
श	र	म	■	ह	र	म	■	स
री	म	■	आ	रा	म	■	क	म
फ	■	शी	स	म	■	न	ह	र
■	क	त	रा	■	अ	म	र	■
बा	द	ल	■	रा	ज	न	■	त
ज	र	■	ज	ह	र	■	द	वा

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7824 ★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7823 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

मां बनने के बाद

कमबैक की तैयारी में कैटरीना कैफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ एक बार फिर एक्टिंग की दुनिया में वापसी की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मां बनने के बाद अब कैटरीना कैफ धीरे-धीरे काम पर लौटने का प्लान बना रही हैं और इन दिनों नई फिल्मों और प्रोजेक्ट्स की स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं।

स्क्रिप्ट को काफी ध्यान से देख रही हैं एक्ट्रेस

खबरों की मानें तो कैटरीना किसी भी प्रोजेक्ट को जल्दबाजी में साइन नहीं करना चाहतीं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट्स के मुताबिक वह ऐसी कहानी चुनना चाहती हैं जो उनकी जिंदगी के इस नए दौर के साथ मेल खाती हो। यही वजह है कि वह हर स्क्रिप्ट को काफी ध्यान से देख रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि कैटरीना अब OTT प्लेटफॉर्म्स पर भी काम करने के बारे में सोच रही हैं। अगर ऐसा होता है तो यह उनका पहला ह्ञ्ज्ञ प्रोजेक्ट होगा। आजकल कई बड़े सितारे ह्ञ्ज्ञ की ओर रुख कर रहे हैं और कैटरीना भी इस नए फॉर्मेट को एक्सप्लोर करना चाहती हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह 2027 के दूसरे हिस्से में शूटिंग पर वापसी कर

विजय सेतुपति के

अभिनय की मुरीद हुईं संयुता

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'स्लमडॉगः 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि सेतुपति को सामने से एक्टिंग करते देखना एक शानदार अनुभव रहा। संयुक्ता ने बातचीत में बताया कि वह विजय सेतुपति की प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा कि असल जिंदगी में विजय को परफॉर्म करते देखना बिल्कुल अलग और खास अनुभव है। संयुक्ता ने कहा, 'मैं विजय की बहुत बड़ी फैन हूं। उन्हें असल जिंदगी में परफॉर्म करते देखना एक बिल्कुल अलग एहसास है। जिस तरह वे किरदार में सहजता से ढल जाते हैं और डायलॉग बोलते हैं, ऐसा लगता है कि वे उनके अंदर से ही आ रहे हैं। एक को-एक्टर के रूप में इस प्रोसेस को करीब से देखना सच में बहुत खास था। ' अभिनेत्री संयुक्ता पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म 'स्लमडॉग 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया, 'मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है। मैंने पहले कभी ऐसा रोल नहीं किया है। इसमें अलग लेकिन जबरदस्त बदलाव है। इसने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई चुनौती दी है और मैं इससे बहुत खुश हूं। उन्होंने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'हर कोई मुझे कह रहा था कि यह फिल्म अपनी तरह की अनोखी होगी। सेट पर पहुंचकर मुझे समझ आया कि क्यों। पुरी सर का डायरेक्शन स्टाइल बहुत सहज, स्टाइलिश और खूबसूरत है। वे सिर्फ समय पर शूटिंग खत्म नहीं करते, बल्कि समय पर शुरू भी करते हैं और जल्दी पूरा कर लेते हैं। उन्हें काम करते देखना अद्भुत है। यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

राम चरण की 'पेद्दी' का 'तूफान'

छठे दिन भी हुई छप्परफाड़ कमाई, शाहरुख-प्रभास समेत इन 10 एक्टर्स को पछाड़ा!

राम चरण की 'पेद्दी' वीक डेज में पहुंचते ही थोड़ा स्ट्रगल करती हुई दिख रही है. लेकिन फिल्म ने पहले ही 6 दिन में काफी कारोबार कर लिया है. यूं तो 'पेद्दी' जल्द ही 300 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री कर लेगी. पर उससे पहले ही यानी छठे दिन राम चरण ने शाहरुख खान और प्रभास समेत इन 10 एक्टर्स को पीछे छोड़ दिया है. जानिए फिल्म ने कितने करोड़ का कारोबार कर लिया है? राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' को आए 6 दिन पूरे हो गए हैं. और एक हफ्ते से पहले ही फिल्म 300 करोड़ के क्लब के करीब पहुंच गई है. अगले वीकेंड तक बड़े आराम से फिल्म इस माइलस्टोन को हासिल कर लेगी, लेकिन हिंदी से कमाई अब भी बढ़ती हुई दिख नहीं रही है. जी हां, 1 करोड़ से ऊपर 'पेद्दी' हिंदी बॉक्स ऑफिस पर बीते दिन भी नहीं कमा पाई है. जो कमाई को और स्लो कर रहा है. फिल्म ने छठे दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 9.65 करोड़ रुपये की कमाई की है. वहीं बीते दिन टोटल शोज की संख्या 7,554 रही और ऑक्यूपेंसी परसेंट 23.4 रहा. इसी के साथ ही फिल्म ने भारत से कुल 179.35 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. दरअसल मंडे के मुकाबले मंगलवार को बिजनेस में 19.9 परसेंट की कमी आई है. सैकनिल्क की रिपोर्ट सामने आ गई है. जिसके मुताबिक, राम चरण की 'पेद्दी' ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 261.23 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. वहीं, बीते दिन दिन ओवरसीज से 1 करोड़ कमाए हैं. इसके साथ ही 'पेद्दी' ने ओवरसीज से 48 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. वहीं, फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 213.23 पहुंच गया है. दरअसल फिल्म की टोटल ऑक्यूपेंसी 27.12 परसेंट रही है. अब जानिए किन एक्टर्स को पीछे छोड़ा है.

घरेलू हिंसा मामले में सपना चौधरी को राहत, एक्ट्रेस को सुरक्षा, कोर्ट ने पति पर लगाई पाबंदी

हरियाणा की एक्ट्रेस और सिंगर सपना चौधरी को दिल्ली की द्वारका महिला कोर्ट से घरेलू हिंसा मामले में मंगलवार को अंतरिम राहत मिल गई है। अदालत ने उन्हें महिला संरक्षण कानून के तहत सुरक्षा प्रदान करते हुए उनके पति के खिलाफ कई प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। द्वारका कोर्ट ने आदेश दिया है कि अगली

सुनवाई तक सपना चौधरी के पति यशवीर साहू उनसे किसी भी तरह का संपर्क नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही उन्हें सपना चौधरी के घर, कार्यस्थल या किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम जैसे फिल्म प्रीमियर आदि में जाने से भी रोक दिया गया है। यह आदेश न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी निधि सिंह ने सपना चौधरी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उन्हें अपने वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा और भविष्य में ऐसी घटनाओं के दोहराए जाने की आशंका बनी हुई है। याचिका में यह भी कहा गया कि कथित विवादों के चलते सपना चौधरी को अपना घर छोड़ना (ससुराल) पड़ा और वह वर्तमान में दिल्ली के नजफगढ़ स्थित अपने मायके में रह रही हैं। अदालत में उनकी ओर से अधिवक्ता प्रीति सिंह ने दलील दी कि 10 जून को सपना चौधरी की फिल्म 'मोमाकू' का प्रीमियर होना है, जिसमें उनका उपस्थित रहना आवश्यक है, लेकिन आशंका जताई गई कि उनके पति वहां पहुंचकर हंगामा, धमकी या किसी तरह की बाधा उत्पन्न कर सकते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और पेशेवर कार्य प्रभावित हो सकता है।

समय के साथ सिनेमा में बदलाव जरूरी, तभी दर्शकों से जुड़ी रहेंगी फिल्में : कंगना रनौत

फिल्मों की दुनिया लगातार बदल रही है। दर्शक ऐसी कहानियां देखना चाहता है, जिनसे वह खुद को जोड़ सके और जिनमें उसे अपने जीवन की झलक दिखाई दे। इसी विषय पर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने बातचीत में कहा कि फिल्मों को समाज के साथ-साथ खुद को भी बदलना होगा। अगर सिनेमा समय की मांग को नहीं समझेगा, तो दर्शकों से उसका रिश्ता कमजोर हो सकता है। इंटरव्यू के दौरान आईएएनएस ने कंगना रनौत से पूछा गया कि क्या बड़े कलाकारों की भारी फीस फिल्मों को नुकसान पहुंचाने का कारण बनती है। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''जब कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करती, तब उसके हर खर्च पर सवाल उठना शुरू हो जाता है। लोग यह देखने लगते हैं कि पैसा कहां और कितना खर्च किया गया। ऐसे समय में कलाकारों की फीस से लेकर फिल्म निर्माण के हर हिस्से पर चर्चा होती है।'' उन्होंने कहा, ''अगर किसी घर की आमदनी कम हो जाए, तो परिवार अपने खर्चों को भी कम करने की कोशिश करता है। लोग सोच-समझकर पैसा खर्च करते हैं और गैर जरूरी खर्चों पर रोक लगाते हैं। ठीक इसी तरह जब फिल्मों की कमाई कम होती है, तो इंडस्ट्री भी अपने खर्चों का हिसाब-किताब देखने लगती है। ऐसे में कलाकारों की फीस पर सवाल उठना स्वाभाविक बात है। कंगना ने आगे कहा, ''यह सिर्फ फीस का मामला नहीं है। सबसे जरूरी बात यह है कि फिल्में समय के साथ बदलें। समाज तेजी से बदल रहा है, लोगों की सोच बदल रही है और मनोरंजन देखने का तरीका भी बदल चुका है।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं। यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं। ' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा। अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है।

'370 की बिरयानी' वाले

मजाक पर आग बबूला हुई कुशा

कंटेंट क्रिएटर, इंफ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं कुशा कपिला ने स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणीत मोरे और उनके शो में हुई '370 की बिरयानी' वाली कंट्रोवर्सी पर अपने गुस्सा जाहिर किया है। शो के वायरल वीडियो और उससे जुड़े विवाद पर कुशा खुलकर बोली हैं। साथ ही महिलाओं को भी एक खास संदेश एक्ट्रेस ने दिया है। कुशा कपिला ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में कुछ वीडियो पोस्ट किए। जिसमें वह कहती हैं, 'आपने (कंटेंट क्रिएटर) वह वीडियो एडिट करवाकर पब्लिश करवाई, उसके लिए आपकी भी जिम्मेदारी बनती है।' कुशा का मानना है कि ऐसा मटीरियल अपलोड करना एक सोच-समझकर लिया गया फैसला है। वह आगे कहती हैं, 'मैं महिलाओं से अपील करती हूं कि वे घटिया कॉमेडी के खिलाफ खुलकर बोलें। कृपया डरें नहीं। अगर किसी ने बकवास की है, तो उसकी जमकर आलोचना करें। ऐसी क्लिप अपलोड करना एक सोच-समझकर लिया गया फैसला होता है। कुछ खास तरह के मजाक करना और उन्हें अपने चैनल पर दिखाना भी आपका फैसला है।

ललितग्राम-वीरपुर नई रेल लाइन परियोजना को मिली रफ्तार, सर्वेक्षण जारी

एजेंसी

सुपौल। सीमांचल और कोसी क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित ललितग्राम-वीरपुर नई रेल लाइन परियोजना को लेकर सकारात्मक प्रगति सामने आई है। करीब 14 से 15 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण कार्य जारी है और इसके लिए आवश्यक राशि भी रेलवे मंत्रालय की ओर से उपलब्ध करा दी गई है। इससे वर्षों से रेल संपर्क की मांग कर रहे लोगों में नई उम्मीद जगी है। सांसद दिलेश्वर कामैत ने बताया कि सर्वेक्षण पूरा होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। इसके आधार पर रेल मंत्रालय और केंद्रीय कैबिनेट स्तर पर आवश्यक स्वीकृतियों की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना को प्राथमिकता दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सांसद के अनुसार इस संबंध में रेल मंत्री से भी बातचीत हुई है। रेल मंत्री ने भरोसा दिलाया है कि सर्वेक्षण पूरा होने के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में रेल संपर्क को मजबूत करने और नई रेल लाइन परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। परियोजना की समयसीमा पर सांसद ने कहा कि उनका प्रयास है कि शेष कार्यकाल के दौरान इस योजना को धरातल पर उतारा जाए। अगले लगभग तीन वर्षों में इस दिशा में ठोस प्रगति सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी। विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का मानना है कि रेल लाइन बनने से वीरपुर को सीधा रेल नेटवर्क मिलेगा और नेपाल सीमा क्षेत्र तक आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम होगा। इससे व्यापार, पर्यटन और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि वीरपुर को रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग लंबे समय से उठती रही है। सर्वदलीय संघर्ष समिति और स्थानीय नागरिकों ने इस मुद्दे को लेकर धरना-प्रदर्शन, पदयात्रा, साइकिल मार्च, अनशन और जनजागरण अभियान जैसे कई आंदोलन चलाए थे। अब सर्वेक्षण शुरू होने से लोगों को उम्मीद है कि वर्षों पुराना सपना जल्द साकार हो सकेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह परियोजना केवल एक नई रेल लाइन तक सीमित नहीं है, बल्कि सीमांचल और कोसी क्षेत्र के समग्र विकास का आधार बन सकती है। बेहतर कनेक्टिविटी से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापारिक गतिविधियों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

तीन थानाप्रभारी सहित चालक की सड़क दुर्घटना में मौत

एजेंसी

बेगूसराय। बेगूसराय से इस वक्त बड़ी खबर सामने निकल कर आ रही है जहां तेज रफ्तार कर ने ट्रक में जबरदस्त धक्का मार दिया हादसा इतना जबरदस्त था कि कार पर सवार तीन थाना प्रभारी एक गाड़ी चालक समेत चार लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया घटना सूचना मिलते ही बेगूसराय की एसपी मनीष कुमार एवं सदर डीएसपी आनंद पांडेय सहित भारी संख्या में पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखड्डा स्थित एनएच 31 के पास की है। मृतकों की पहचान साजन पासवान रतवारा थाना प्रभारी, नीरज कुमार बेलारी थाना प्रभारी, ज्ञानेंद्र अमरेंद्र आरर थाना प्रभारी एवं ज्योतिष कुमार प्राइवेट कार चालक के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि पटना से एकदिवसीय प्रशिक्षण लेकर एक ही गाड़ी पर सवार होकर मधेपुरा जिला लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गया और ट्रक से पीछे से टकरा गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि दो थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र अमर एवं नीरज कुमार और ड्राइवर नीरज कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक थाना प्रभारी साजन पासवान को स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में उसे जगह से उठाकर आनन फानन में सदर अस्पताल बेगूसराय लाया जहां इलाज के दौरान कुछ ही देर के बाद मौत हो गई। इस तीन पुलिस अधिकारी समेत चार कि मौत की खबर लगते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। हालांकि इस घटना की सूचना मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी।

संक्षिप्त समाचार

एसपी ने लगाया जनता दरबार

बेगूसराय। पुलिस कार्यालय, बेगूसराय में पुलिस अधीक्षक बेगूसराय के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। आयोजित जनता दरबार में लगभग 42 फरियादी उपस्थित हुए। पुलिस अधीक्षक, बेगूसराय द्वारा प्रत्येक फरियादियों से बारी-बारी से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना गया। इस दौरान प्रत्येक मामले से सम्बंधित पुलिस पदाधिकारी को त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गये।

अपहिरता समेत दो मामले का आरोपी गिरफ्तार

छौराही/बेगूसराय। थाना क्षेत्र से विगत दिन एक युवती का अपहरण कर भागने का मामला प्रकाश में आया । जिस लेकर पुलिस अपने स्तर से तकनीकी के माध्यम से ढूंढने का प्रयास किया। जानकारी देते थाना अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या 93 ऑब्लिक 26 का आरोपी अरविंद कुमार उर्फ भोला पिता बिहारी दास गांव मोहनपुर थाना विभूतिपुर जिला समस्तीपुर एवं उक्त कांड की अपहिरता को पुलिस ने बरामद कर लिया है। वहीं चेरिया बरियारपुर थाना कांड संख्या 145 ऑब्लिक 2020 का फरार वारंटी राहुल कुमार पिता श्री राम महतो गांव थाना छौराही को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। उक्त दोनों आरोपी एवं अपहिरता को माननीय न्यायालय में पेश करने की अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

भेल्दी में बालू लदे ट्रक ने साइकिल सवार को रौंदा सड़क जाम

सारण। भेल्दी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सराय बक्स पलमवा पुल के पास एक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ बालू लदे एक 18 चक्का ट्रक ने एक साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि ट्रक साइकिल सवार को लगभग 40 फीट तक घसीटते हुए ले गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान रज्जूपुर निवासी स्वर्गीय रामदयाल सिंह के छोटे पुत्र शैलेन्द्र सिंह के रूप में की गई है। परिजनों के मुताबिक शैलेन्द्र सिंह गरखा बाजार से घरेलू सामान खरीदकर वापस लौट रहे थे।

सेवा, सुशासन और संकल्प के 12 स्वर्णिम वर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर बढ़ता राष्ट्र : राजीव प्रताप रूडी

रूडी ने कहा, यह भारत के आत्मविश्वास, विकास और वैश्विक नेतृत्व का स्वर्णिम काल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

छपरा। सारण सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव प्रताप रूडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि यह कालखंड भारत के आत्मविश्वास, सुशासन, गरीब कल्याण, राष्ट्रीय गौरव और वैश्विक प्रतिष्ठा के अभूतपूर्व उत्कर्ष का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो जनता के उनके प्रति अटूट विश्वास का प्रमाण है। सांसद रूडी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने, 81 करोड़ नागरिकों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराने, 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के घर देने तथा करोड़ों किसानों, महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने का कार्य हुआ है। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, डीबीटी, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत को नई वैश्विक पहचान प्रदान की है।

बिहार के संदर्भ में सांसद रूडी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्य को ?9.23 लाख करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता और ?1.25 लाख करोड़ के विशेष पैकेज का लाभ मिला है। रेलवे, सड़क, एक्सप्रेसवे, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और विमानन क्षेत्र में हुए निवेश ने बिहार के विकास को नई गति दी है। सांसद रूडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वास, विकास और जनकल्याण के इन 12 वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से सारण को भी अभूतपूर्व विकास परियोजनाओं की स्वीकृति मिली है। बाकरपुर-डुमरिया घाट फोरलेन, गंगा-अम्बिका भवानी पथ, गंगा पर प्रस्तावित नया छह लेन पुल, हरिहरनाथ कॉरिडोर तथा दक्षिण एशिया के सबसे बड़े प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों में शामिल सोनपुर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट जैसी परियोजनाएँ सारण को विकास, पर्यटन, उद्योग और संपर्क के नए केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी। सांसद रूडी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और आत्मगौरव के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, नई संसद, नई शिक्षा नीति और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व सेवा से सुशासन, संकल्प से सिद्धि और विकास से विश्वास की यात्रा का प्रतीक है। रूडी ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प आज 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प बन चुका है और देश उसी दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। रूडी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प शीघ्र ही साकार होगा और भारत विश्व की अग्रणी शक्तियों में अपनी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

बेगूसराय के चर्चित चिकित्सक डॉ. एसके लाल का निधन

बेगूसराय। जिले के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. एस.के. लाल का 96 वर्ष 4 माह की आयु में निधन हो गया। उन्होंने पोखरिया स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही बेगूसराय के चिकित्सा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उनके आवास पहुंचकर अंतिम दर्शन किए तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। डॉ. एस.के. लाल का जन्म 2 फरवरी 1931 को दरभंगा जिले के गोढ़ैला गांव में हुआ था। उनके पिता एक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने दरभंगा जिला स्कूल से मैट्रिक तथा सीएम कॉलेज, दरभंगा से इंटरमीडिएट की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने 1955 में दरभंगा मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की। उच्च चिकित्सा शिक्षा के लिए वे वर्ष 1964 में स्कॉटलैंड के एडिनबरा गए, जहां से उन्होंने एमआरसीपी (टफ्छढ) की प्रतिष्ठित डिग्री प्राप्त की। स्वदेश लौटने के बाद उनकी नियुक्ति बेगूसराय सदर अस्पताल में हुई। बाद में जब उनका स्थानांतरण पटना कर दिया गया, तब उन्होंने सरकारी सेवा से इस्तीफा देकर बेगूसराय में ही रहकर लोगों की सेवा करने का निर्णय लिया। उस दौर में चिकित्सा सुविधाओं के मामले में पिछड़े माने जाने वाले बेगूसराय में डॉ. लाल ने अपने ज्ञान, अनुभव और समर्पण से चिकित्सा सेवा को नई पहचान दिलाई। उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली और वे मरीजों के बीच बेहद लोकप्रिय रहे। डॉ. लाल कई प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थाओं और मंचों से भी जुड़े रहे। कुछ समय पूर्व ही आईएमए के पदाधिकारियों ने उनके आवास पहुंचकर उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया था। बेगूसराय आईएमए ने भी उन्हें विशेष आईएमए सम्मान से नवाजा था। चिकित्सा क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के कारण उनका नाम देश के प्रतिष्ठित चिकित्सकों में शुमार किया जाता था। डॉ. एस.के. लाल अपने पीछे दो पुत्र, दो पुत्रियां तथा भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से न केवल बेगूसराय बल्कि पूरे बिहार के चिकित्सा जगत ने एक अनुभवी, समर्पित और सम्मानित चिकित्सक को खो दिया है।

सबका सम्मान, जीवन आसान के तहत जनता दरबार का किया गया आयोजन

बेगूसराय। बिहार सरकार के सात निश्चय 3 कार्यक्रम के तहत ₹सबका सम्मान, जीवन आसान₹ के अंतर्गत आज समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला पदाधिकारी, बेगूसराय श्रीकांत शास्त्री द्वारा दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर प्रशासन से समाधान की अपेक्षा व्यक्त की। आयोजित जनता दरबार में कुल 51 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश मामले भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, सीमांकन, अतिक्रमण एवं अन्य राजस्व संबंधी मामलों से जुड़े थे। इसके अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, लोक सेवाओं, प्रमाण-पत्र निर्गत करने, जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ एवं अन्य जनहित से संबंधित मामलों पर भी सुनवाई की गई।जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।उन्होंने कहा कि जनता दरबार आम नागरिकों और प्रशासन के बीच प्रत्यक्ष संवाद का सशक्त माध्यम है। इसके माध्यम से लोगों की शिकायतों का न केवल त्वरित संज्ञान लिया जाता है, बल्कि उनके समाधान की नियमित मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त सभी आवेदनों का निष्पक्ष जांचोपरांत निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदकों को प्रगति से अवगत कराया जाए। जिला पदाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता है।

वीरपुर की दो बेटियों ने बढ़ाया सुपौल का मान

राज्य एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन से जीते पदक

एजेंसी

सुपौल। सपनों की उड़ान के लिए बड़े शहर नहीं, बल्कि मजबूत इरादों की जरूरत होती है। इसका बेहतरीन उदाहरण वीरपुर की अंकिता कुमारी और शुक्राना परवीन ने पेश किया है। सीमित संसाधनों के बीच वर्षों की मेहनत और लगन का परिणाम यह रहा कि दोनों खिलाड़ियों ने 92वीं बिहार राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 10 से 13 जून तक आयोजित प्रतियोगिता में शुक्राना परवीन ने शॉटपुट स्पर्धा में रजत पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वहीं अंकिता कुमारी ने रिले स्पर्धा में पदक जीतकर साबित कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियां भी बड़े मंच पर अपनी पहचान बना सकती हैं। इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि इनके पीछे संघर्ष की लंबी कहानी छिपी है। अंकिता के पिता संजय भगत किराना व्यवसाय से परिवार का भरण-पोषण करते है।

मुजफ्फरपुर में चार हजार डायजेपाम इंजेक्शन जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

पूछताछ में नेपाल कनेक्शन का खुलासा

एजेंसी

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में पुलिस ने 4 हजार डायजेपाम इंजेक्शन बरामद किए हैं। इस मामले में अंतरजिला गिरोह से जुड़े चार तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इंजेक्शनों से लदे एक वाहन को भी जब्त किया है। मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों और ड्रग इंस्पेक्टर को दे दी गई है तथा पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सदर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नशीले इंजेक्शनों की बड़ी खेप लेकर कुछ लोग रक्सौल की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर माधौल फोरलेन के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान एक संदिग्ध सुमो वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली गई, तो वाहन से 4 हजार डायजेपाम इंजेक्शन बरामद हुए। मौके से चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रक्सौल निवासी मो. सलीम और सोनू कुमार तथा पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र निवासी चूमन राम और मो. आजाद के रूप में हुई है।

डीएम-एसपी की निगरानी में एनएच से हटाया गया अतिक्रमण

एजेंसी

अररिया। सुप्रीम कोर्ट के एनएच सुरक्षा को लेकर दिए गए आदेश के आलोक में अररिया में आज डीएम और एसपी के नेतृत्व में जीरो माइल के इलाके में अभियान चलाकर एनएच के बगल के जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अभियान के दौरान डीएम विनोद दूहन और एसपी जितेन्द्र कुमार के साथ बड़ी संख्या में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी और बल मौजूद थे। अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि एवं राइट ऑफ वे क्षेत्र में किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया।इससे पहले जिला प्रशासन के द्वारा सबों को पूर्व में नोटिस दिया गया था,लेकिन नोटिस के बावजूद अतिक्रमणकारियों द्वारा अतिक्रमण मुक्त नहीं किए जाने पर डीएम एसपी खुद निगरानी करते हुए अतिक्रमित जमीन को कब्जा मुक्त कराया। मौके पर डीएम ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध अतिक्रमण सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न करता है तथा दुर्घटनाओं की आशंका को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची एवं स्थानीय स्तर पर किए गए सर्वेक्षण के आधार पर अतिक्रमित स्थलों को चिन्हित किया गया है। सभी संबंधित व्यक्तियों को नियमानुसार पूर्व में नोटिस भी निर्गत किया गया था, जिसके उपरांत यह कार्रवाई की जा रही है।जिला पदाधिकारी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के आलोक में जिले से होकर गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर चरणबद्ध तरीके से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि, सड़क किनारे के सुरक्षा क्षेत्र एवं राइट ऑफ वे पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा, निर्माण, दुकान, अस्थायी संरचना, होर्डिंग अथवा अन्य अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों, व्यवसायियों एवं प्रतिष्ठान संचालकों से अपील की कि वे राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटा लें तथा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रशासन का सहयोग करें।

दीक्षांत समारोह के साथ संपन्न हुआ नवीन आचार्य एवं सेवा स्थायित्व प्रशिक्षण वर्ग

एजेंसी

भागलपुर। गणपतराय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर, सैनिक स्कूल, नरगा कोठी, भागलपुर में आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग एवं सेवा स्थायित्व प्रशिक्षण वर्ग शुक्रवार को दीक्षांत समारोह के साथ संपन्न हुआ। इसके पूर्व समारोह का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष डॉ. कौशलेन्द्र प्रसाद, भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा, वर्ग के प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह, उप प्रधानाचार्य वीरेंद्र कुमार, गयाजी विभाग निरीक्षक उमाशंकर पोद्दार, रोहतास विभाग निरीक्षक धरणीकांत पाण्डेय तथा बांका विभाग के विभाग निरीक्षक ब्रह्मदेव प्रसाद द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ प्रारंभ हुआ। अतिथि परिचय एवं सम्मान का कार्य धरणीकांत पांडेय ने किया। तत्पश्चात वर्ग के प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षु आचार्यों को दीक्षा दिलाई। वृत कथन प्रस्तुत करते हुए गयाजी विभाग के विभाग निरीक्षक उमाशंकर पोद्दार ने 20 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग की गतिविधियों, विभिन्न सत्रों तथा उपस्थित अधिकारियों एवं आचार्यों की जानकारी दी। मंच संचालन करते हुए ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि सभी के सहयोग एवं समर्पण से यह प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। लालबाबू प्रसाद ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर जब आचार्य अपने-अपने कार्यक्षेत्र में जाएंगे, तब इस प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव और ज्ञान उन्हें प्रत्येक कदम पर मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रशिक्षु आचार्यों द्वारा तैयार हस्तलिखित पत्रिका का विमोचन भी अतिथियों के कर कमलों से किया गया। अनुभव कथन में प्रशिक्षु आचार्यों ने कहा कि प्रारंभ में वर्ग की दिनचर्या और अनुशासन कठिन प्रतीत हो रहा था, किन्तु प्रधानाचार्य एवं सहयोगी आचार्यों के सतत मार्गदर्शन और आत्मीय सहयोग से यह 20 दिवसीय प्रशिक्षण कब पूर्ण हो गया, इसका अनुभव ही नहीं हुआ। उन्होंने प्रशिक्षण में प्राप्त शिक्षाओं को जीवन एवं कार्यक्षेत्र में उतारने का संकल्प व्यक्त किया।

दिनकर ग्राम सिमरिया स्टेशन पर डीआरएम ने किया संयुक्त क्रू लाबी सह विस्तारित क्रू रेस्ट रूम का उद्घाटन

एजेंसी

गढ़हरा/बेगूसराय। पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल रेल प्रबंधक अमित शरण ने शुक्रवार को अपने शाखा अधिकारियों के साथ बरौनी, सिमरिया एवं गढ़हरा का निरीक्षण किया।इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दिनकर ग्राम सिमरिया में संयुक्त क्रू लाबी सह विस्तारित क्रू रेस्ट रूम का उद्घाटन किया। इससे पूर्व डीआरएम ने गढ़हरा रेलवे यार्ड स्थित माल गोदाम, गढ़हरा थाना परिसर,रेलवे विद्युत शेड आदि जगहों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान डीआरएम ने रेलवे न्यू कॉलोनी, गंगाब्रिज कॉलोनी का भी मुआयना किया। इस निरीक्षण के दौरान मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी राजेश सरन,सहायक सुरक्षा आयुक्त,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजिनियर (कर्षण & वितरण) श्रीमती अस्मिता नारायण एवं वरीय मंडल विद्युत अभियंता परिचालन अभिजात कुमार, वरीय मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) सुधीर कुमार शर्मा, वरीय मंडल अभियंता टू (सिविल) मो हाफीजउर्र रहमान, एईएन विकास चंद्र दत्ता, विद्युत अभियंता संजय यादव, कार्य निरीक्षक गढ़हरा संजय वर्मा सहित स्थानीय स्तर के कई अधिकारी एवं पर्यवेक्षक मौजूद थे।

संक्षिप्त

पेंटागन में ऑफिस सील, फ्लोर खाली और इमरजेंसी अलर्ट

पेंटागन , एजेंसी। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में गुरुवार को सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। इमारत के कई हिस्सों को खाली कराया गया और कुछ मंजिलों को सील कर दिया गया। सीएनएन और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, पेंटागन की आंतरिक निगरानी प्रणालियों ने समस्या का पता लगाया, जिसके तुरंत बाद एहतियाती कार्रवाई शुरू की गई। प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए गए और खतरनाक पदार्थों से निपटने वाली विशेष टीमें मौके पर पहुंच गईं। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि इमारत की निगरानी प्रणालियों ने ऐसी समस्या का संकेत दिया जिसके लिए तत्काल एहतियात बरतना जरूरी था। हम प्रभावित क्षेत्र में 'शेल्टर इन प्लेस' समेत सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। रेस्क्यू टीम मौके पर तैनात हैं। भवन में मौजूद लोगों की मदद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुरक्षा टीम के जारी संदेश में कर्मचारियों को बताया गया कि वायु गुणवत्ता संबंधी समस्या का पता चला है और अतिरिक्त जांच चल रही है, जिसमें एक से दो घंटे का समय लग सकता है। संदेश में कहा गया है कि रेस्क्यू टीम मौके पर हैं। आपको केंद्रीय प्रांगण में कई एजेंसियों के बचावकर्मी दिखाई दे सकते हैं। कृपया इसे सामान्य सुरक्षा अभ्यास मानें। यह घटना उस समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर 'आज रात' बड़ा हमला करने जा रहा है, ताकि निकट भविष्य में ईरान के तेल और गैस उद्योगों, खासकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर पूर्ण नियंत्रण हासिल किया जा सके। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हमलों का वार-पलटवार जारी है। इस सप्ताह तीसरी बार मिडिल ईस्ट में जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। पहले ईरान-इजराइल संघर्ष हुआ, उसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच गोलीबारी के दो दौर चले, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले देशों को निशाना बनाया गया।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बड़ा घोटाला, 954 करोड़ का महाघोटालेबाज माखीजानी गिरफ्तार

सैक्रामेंटो , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक बड़ा बैंकिंग घोटाला सामने आया है। इसने वित्तीय जगत के साथ कॉर्पोरेट गलियारों को भी हिलाकर रख दिया है। भारतीय मूल के 44 वर्षीय ग्रीन कार्डधारक फाइनेंसर महेंद्र माखीजानी को एक अमेरिकी बैंक से 954 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में बुधवार सुबह उसकी न्यूपोर्ट बीच स्थित आलीशान हवेली से गिरफ्तार किया गया। माखीजानी पर न सिर्फ शेल कंपनियों और फर्जी इंश्योरेंस दस्तावेजों के जरिये बैंक को ठगने का आरोप है, बल्कि उसने बैंककर्मियों को अपने जाल में फंसाने के लिए अश्लील माध्यमों और ड्रग्स पार्टियों का सहारा लिया और हथियारबंद गुंडों के दम पर संपत्तियों पर कब्जे किए। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया के फर्स्ट असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी बिलाल एसायली ने संघीय आपराधिक शिकायत के तहत इस गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि की है। अदालती दस्तावेजों और आईआरएस क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन के एक्टिंग स्पेशल एजेंट इन चार्ज डैरेन लियन के आधिकारिक बयान के अनुसार माखीजानी कैंटर ग्रुप वीएलएलसी नाम की कंपनी चलाता है। बैंक ने इस कंपनी को रियल एस्टेट लोन के लिए 954 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान दिया था। माखीजानी ने सितंबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच शेल कंपनियों का नेटवर्क बनाकर और टाइटल इंश्योरेंस पॉलिसियों में हेरफेर कर बैंक को गलत जानकारी दी।

2 उइगर मुस्लिम थाईलैंड के ब्रह्मा मंदिर में बम ब्लास्ट के दोषी करार, कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की एक अदालत ने 2015 में बैंकॉक के एरावन मंदिर बम धमाके के मामले में दो उइगर मुस्लिमों आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है। इस धमाके में 20 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें एक सिंगापुर का नागरिक भी शामिल था, जबकि 120 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। एरावन मंदिर बैंकॉक का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह हिंदू देवता ब्रह्मा को समर्पित है। यहां चार मुख वाले ब्रह्मा की प्रतिमा स्थापित है, जिसे थाई भाषा में फ्रा फ्रोम कहा जाता है। हर दिन हजारों स्थानीय लोग और विदेशी पर्यटक यहां पूजा करने और मनोकामना मांगने आते हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची बोले- अमेरिकी कार्रवाई से अप्रैल का सीजफायर निष्प्रभावी हो गया

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमलों ने दोनों पक्षों के बीच अप्रैल में हुए सीजफायर को बेअसर कर दिया है। गुरुवार को यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश नीति के प्रमुख काजा कैलास के साथ फोन पर हुई बातचीत में अराघची ने हाल के अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने हमलों के खतरनाक नतीजों के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार सुबह कहा कि उसकी सेनाओं ने ईरान के बेवजह और लगातार हमले के जवाब में कई ईरानी ठिकानों पर और हमले किए हैं। सीईएनटीसीओएम ने एक्स पर लिखा, 'सीईएनटीसीओएम फोर्स ने पूरे ईरान में ईरानी मिलिट्री सर्विलांस कैपेबिलिटी, कम्युनिकेशन सिस्टम और एयर डिफेंस साइट्स पर हमले किए। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, एयर फोर्स और नेवी के एसेट्स ने ईरानी टारगेट पर सटीक हथियार दागे, जो अमेरिकी फोर्स और इलाके के पानी में आने-जाने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों के लिए खतरा थे।' इसमें आगे कहा गया, 'ये हमले ईरान के बिना वजह और लगातार हमलों के जवाब में किए गए हैं। अमेरिकी सेना चौकन्नी, खतरनाक और तैयार है।' हमलों के बाद, ईरान के मुख्य मिलिट्री कमांड, खतम अल-अनबिया सेंट्रल

हेडक्वार्टर ने घोषणा की कि होर्मुज स्ट्रेट को सभी तरह के जहाजों के लिए बंद कर दिया गया है, जिसमें तेल टैंकर और कमर्शियल जहाज शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी हमलों का बदला लेने के लिए जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई की धमकी दी और कहा कि अमेरिका आखिरकार ईरान के जरूरी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण कर सकता है। यह बात अमेरिकी फोर्स के तीसरे कमर्शियल टैंकर को निष्क्रिय करने के कुछ घंटों बाद कही गई, जिस पर तेहरान के खिलाफ वाशिंगटन की नाकाबंदी तोड़ने का आरोप है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'अमेरिका आज रात ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा।

दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना सकता है नया नाम

यारेन , एजेंसी। दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना नाम बदल सकता है। संसद में एक प्रस्ताव पारित होने के बाद देश में जनमत संग्रह कराया जाएगा, जिसमें नागरिक तय करेंगे कि नाउरू का आधिकारिक नाम बदलकर 'नाओएरो' किया जाए या नहीं। राष्ट्रपति डेविड अडियांग ने संसद में कहा कि 'नाओएरो' नाम देश की विरासत, भाषा और पहचान का अधिक सम्मान करता है। प्रस्ताव बिना किसी विरोध के पारित हुआ है। सरकार के अनुसार, स्थानीय लोग अपनी भाषा में देश को 'नाओएरो' कहते हैं। हालांकि, विदेशी लोगों के लिए इसका उच्चारण कठिन होने के कारण आधिकारिक रिकॉर्ड में 'नाउरू' नाम प्रचलित हो गया। सरकार का कहना है कि यह बदलाव स्थानीय लोगों की पसंद नहीं बल्कि बाहरी सुविधा के लिए किया गया था। नाउरू का नाम कई बार बदल चुका है। 1798 में एक ब्रिटिश नाविक ने इसका नाम 'प्लेजेंट आइलैंड' रखा था। 1888 में जर्मनी के कब्जे के बाद 'नाउरू' नाम आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज हुआ। बाद में ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने भी यही नाम जारी रखा। देश को 1968 में स्वतंत्रता मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि मूल नामों की वापसी केवल भाषाई बदलाव नहीं बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आत्मनिर्णय का प्रतीक है। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी स्थानीय पहचान को मजबूत करने के लिए नाम बदले हैं। यूनेस्को नाउरू की मूल भाषा को गंभीर रूप से संकटग्रस्त मानता है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि 'नाओएरो' नाम अपनाने से भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है।

फिनलैंड में जयशंकर का दो टूक संदेश, कहा-

मजबूत सप्लाई चेन से संभव है स्थिर दुनिया

हेलसिंकी , एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि आज की दुनिया में चल रहे संघर्षों का प्रभाव केवल संबंधित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर वैश्विक स्तर पर देखने को मिलता है। ऐसे में मजबूत और विविधीकृत सप्लाई चेन तथा सक्रिय कूटनीति बेहद जरूरी हो गई है। फिनलैंड में 'कुल्तारांता वार्ता' में भारत का प्रतिनिधित्व

फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में आयोजित कुल्तारांता वार्ता में भाग लेते हुए जयशंकर ने वैश्विक शक्ति संतुलन और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर भारत का दृष्टिकोण रखा। इस चर्चा में फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और यूएई की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसैबेह भी शामिल थीं। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि मौजूदा संघर्ष वैश्विक स्तर पर लागत बढ़ा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।

कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर : विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संघर्षों के प्रभाव को कम करने और कूटनीति के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने पर लगातार काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया को एकजुट होकर वैश्विक स्थिरता की दिशा में प्रयास करने की जरूरत है।

डी-रिस्किंग और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने की अपील : जयशंकर ने कहा कि आज के अस्थिर वैश्विक माहौल में

सप्लाई चेन को अधिक सुरक्षित, विविध और लचीला बनाना आवश्यक है। उन्होंने डी-रिस्किंग और डाइवर्सिफिकेशन की नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भविष्य की आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है।

ऊर्जा सुरक्षा पर भारत का रुख स्पष्ट : ऊर्जा सुरक्षा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। देश अपनी जरूरतों के अनुसार ही ऊर्जा खरीदता है, जिसमें उपलब्धता और वहनीयता प्रमुख मानदंड होते हैं। पश्चिम एशिया के साथ संबंधों पर विशेष जोर जयशंकर ने पश्चिम एशिया की भूमिका को भारत की विदेश नीति में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र भारत के लिए ऊर्जा, रणनीतिक सहयोग और लोगों के बीच मजबूत संबंधों का केंद्र है।

भारत-यूरोप संबंधों में नई गति : विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं। इस वर्ष दोनों पक्षों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत पूरी हुई है, साथ ही रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को भी आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यह भारत-यूरोप संबंधों की बढ़ती गहराई को दर्शाता है।

भारत से सीमा विवाद पर नेपाल का यू-टर्न बोला- बातचीत से सुलझाएंगे सीमा विवाद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-भारत सीमा विवाद में तीसरे देश की मध्यस्थता मामले में नेपाल सरकार यू-टर्न ले लिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशर खनाल ने बताया कि सरकार पड़ोसी देश के साथ सीमा विवाद आपसी बातचीत करके सुलझाना चाहती है। बुधवार को नेपाली संसद में संबोधित करते हुए खनाल ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा विवाद दोनों देश के बीच का मामला है। नेपाल समझौतों, ऐतिहासिक संधियों और नक्शों के आधार पर कूटनीतिक बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा कार्य समूह और अन्य निकायों ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है जहां प्रगति काफी समय से रुकी थी।

पहले भी दी है सफाई : बता दें, पिछले हफ्ते ही नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने अपने समकक्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात भी की थी। मीडिया एजेंसी से बातचीत में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारतीय इलाके पर नेपाल के कब्जे के बारे में दिए गए बयान पर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा, 'मेरे विदेश मंत्रालय ने इस पर पहले ही साफ कर दिया है। प्रधानमंत्री उस समय बोल रहे थे जब वे सीमा-पार कब्जे से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। इसलिए हमने इस बारे में पहले ही साफ कर दिया है। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से सदियों से रहा है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा है। सदियों से ही नेपाल-भारत में रोटी-बेटी का संबंध रहा है। पिछले कई वर्षों से भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद चल रहा है। इसको लेकर दोनों देशों के बीच समय-समय पर तनाव भी सामने आया।

हाल ही में नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि भारत ही नहीं नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया हुआ है। साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता के लिए ब्रिटेन से आग्रह भी किया था, जिसे ब्रिटेन ने ठुकरा दिया था। विशेषज्ञों की मानें तो नेपाल ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश की थी, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया।

पीओके में पाकिस्तानी सैनिकों ने बरपाया कहर, फायरिंग में 16 की मौत

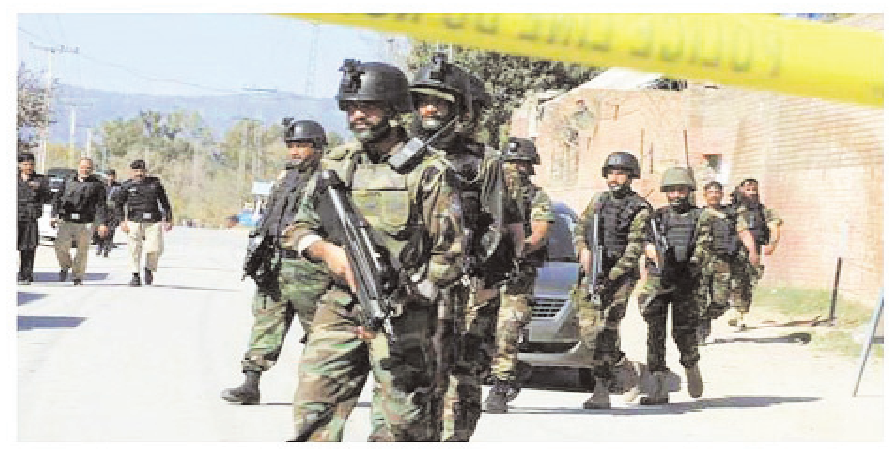

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सस्ता आटा-चावल, किफायती बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे आम लोगों को एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का कहर झेलना पड़ा। रावलकोट के ईदगाह मैदान में गुरुवार को उस समय भयानक मंजर नजर आया जब सैनिकों ने बिना चेतावनी गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिसमें कम से कम 16 निहत्थे प्रदर्शनकारी मारे गए और 37 अन्य घायल हो गए। रावलकोट में आर्थिक तंगी से जूझ रहे करीब 60 से 70 हजार लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें पुरुष, महिलाएं और युवा सभी शामिल हैं। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की गोलियों की बरसात से अचानक हर तरफ भगदड़ मच गई। थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में मंजर एकदम दिल दहला देने वाला था। खून से सनी सड़कों और खेतों में अपनों को ढूंढ़ते दुखी परिवार हक की आवाज उठाने की मानवीय कीमत चुकाने की निशानी बन गए हैं। पीओके में शुक्रवार से जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस तरह की दमनकारी कार्रवाई में अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। पाकिस्तानी सेना यहां जितनी दमनकारी कार्रवाई कर रही है, सड़कों पर उतरे लोगों का हौसला उससे कहीं ज्यादा बुलंद है। इस खूनी कहर के बावजूद सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी अब भी अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

आर-पार के मूड में जनता : गोलीबारी के बाद भीड़ को संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता सरदार अमन खान ने कहा कि संघर्ष अब एक निर्णायक दौर में पहुंच गया है और संकल्प लिया कि जान-माल के नुकसान के बावजूद यह आंदोलन जारी रहेगा। सड़कों पर मौजूद लोग कोई हथियार नहीं लिए हैं। वे बस सस्ते भोजन, सस्ती बिजली और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हैं। फिर भी, उन्हें जवाब में गोलियां मिली हैं।

दिल्ली में 10 दिनों के अंदर दूसरा बड़ा अग्निकांड

तुगलकाबाद में लगी भीषण आग, तीन की लोगों की जलकर मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर भीषण आग की खबर सामने आई है। यहां शुक्रवार तड़के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लग गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। आग लगने की खबर से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह पिछले 10 दिनों में दिल्ली में दूसरा बड़ा हादसा है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार तड़के दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक इमारत में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि फायर ब्रिगेड की टीम इमारत से पांच लोगों को सुरक्षित निकालने में कामयाब रही। इस हादसे से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस)

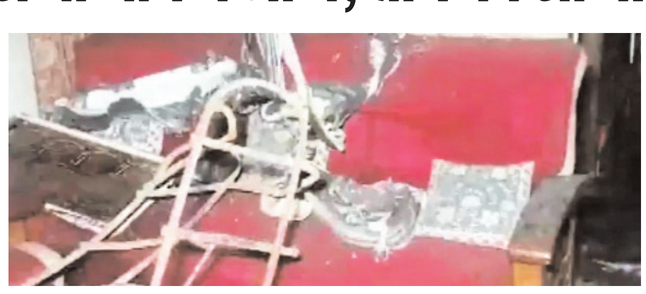

की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी आग : फायर विभाग के एडीओ यशवंत मीणा ने हादसे को लेकर बताया कि, घटना रात को करीब 2:25 की है। यहां तुगलकाबाद में एक बहुमंजिला इमारत की पार्किंग में आग लग गई। इसमें पार्किंग में खड़ी तीन स्कूटी, दो मोटरसाइकिल और एक साइकिल आग की चपेट में आ गईं। देखते ही देखते आग और धुंआ ग्राउंड फ्लोर से लेकर पांचवीं मंजिल तक फैल गया। इससे लोग अंदर फंस गए। एडीओ यशवंत मीणा ने आगे बताया कि, हादसे की सूचना फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और राहत बचाव अभियान शुरू किया। टीम पांच लोगों को इमारत से सुरक्षित बाहर निकालने में कामयाब रही। एडीओ ने बताया कि संकरी गली में ग्राउंड प्लस पांच मंजिला इमारत होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस हादसे में अब तक तीन लोगों के मारे जाने की सूचना है। पुलिस फिलहाल हादसे की जांच कर रही है। दिल्ली में यह 10 दिनों के अंदर दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले 3 जून को मालवीय नगर में एक होटल के अंदर भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 21 लोगों की दर्दनाक रूप से मौत हो गई थी। मरने वाले में 12 विदेशी नागरिक भी शामिल थे। पुलिस जांच में सामने आया कि होटल को अवैध रूप से चलाया जा रहा था। 6 कमरे बनाने की इजाजत थी लेकिन होटल के मालिक ने लोगों की सुरक्षा को तक पर रखकर 26 कमरे बना रखे थे।

शरद पवार की पार्टी का कांग्रेस में होगा विलय?

हाईकमान के प्रस्ताव से महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में इस समय भारी उथल-पुथल मची हुई है। एक तरफ जहाँ विपक्षी एकजुटता की नई कवायदें तेज हो रही हैं, तो दूसरी तरफ शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट में बगावत के सुर सुनाई देने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में संपन्न हुई ढ्डह्यष्ठ्ठ गठबंधन की बैठक में शरद पवार को अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का प्रस्ताव दिया गया। इस फॉर्मूले पर एनसीपी के कुछ शीर्ष नेता खुलकर सकारात्मक रुख अपनाने की सलाह भी दे रहे हैं। यदि शरद पवार गुट का कांग्रेस में यह महा-विलय होता है, तो महाराष्ट्र के चुनावी समीकरण और राजनीति पूरी तरह बदल जाएगी। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम के तहत कांग्रेस आलाकमान ने शरद पवार के सामने अपनी पार्टी एनसीपी (शरदचंद्र पवार) का कांग्रेस में विलय करने का एक बड़ा प्रस्ताव रखा है। इस रणनीतिक कदम की रूपरेखा सबसे पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सामने रखी थी। राउत का तर्क है कि कांग्रेस से अलग होकर वजूद में आए सभी क्षेत्रीय दलों को अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने के लिए अब मुख्य पार्टी में वापस लौट आना चाहिए।

इस फॉर्मूले पर सुप्रिया सुले ने भी सकारात्मक रुख अपनाते हुए राउत के सुझाव की सराहना की है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पहले शिवसेना और एनसीपी को खंडित किया गया और अब टीएमसी को निशाना बनाने की कोशिश हो रही है। इसी बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी सभी विपक्षी ताकतों से एक मंच पर आने तथा राहुल गांधी को 'इंडिया' गठबंधन के सर्वमान्य नेता के रूप में स्वीकार करने का आह्वान किया है।

नासिक सिंहस्थ का शंखनाद, 12 करोड़ श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारी

नासिक , एजेंसी। नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभमेले की तैयारियों का औपचारिक आगाज गुरुवार को पवित्र रामकुंड पर ध्वजस्तंभ शिलान्यास पूजन के साथ हो गया है। कमला एकादशी के पावन पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चार और श्रीराम के जयघोष के बीच संपन्न हुए इस समारोह में कुंभमेला मंत्री गिरीश महाजन ने आगामी कुंभमेले को अब तक का सबसे भव्य, स्वच्छ और सुरक्षित आयोजन बनाने का संकल्प दोहराया। मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि आगामी सिंहस्थ में पिछले कुंभमेलों की तुलना में 4 से 5 गुना अधिक, यानी लगभग 12 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। इतनी विशाल संख्या के प्रबंधन के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है, लेकिन उन्होंने नासिक के हर अपील की है। निवासी से एक 'स्वयंसेवक' के रूप में इस महाआयोजन में सहयोग देने की कुंभमेले के मद्देनजर पूरे जिले का कायाकल्प करने की योजना है। मंत्री महाजन ने बताया कि सड़कें, बुनियादी ढांचा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं के लिए 35 हजार

करोड़ रुपये के कार्यों को गति दी गई है। अगले वर्ष तक इन कार्यों के पूर्ण होने से नासिक का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। गोदावरी नदी की स्वच्छता को केवल आयोजन तक सीमित न रखकर इसे निरंतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है। समारोह में विभिन्न अखाड़ों के प्रमुख साधु-संतों और महतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को अलौकिक बना दिया। जगदुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य महाराज और संजयदत्त महाराज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान दिगंबर अखाड़े के महंत वैष्णवदास महाराज, निर्वाणी अखाड़े के महंत मुरलीधरदास महाराज समेत कई पूज्य संतों ने उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में महापौर हिमगौरी आडके आहेर, विधायक सीमा हिरे, विभागीय आयुक्त डॉ। प्रवीण गेडाम, पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक, कुंभमेला आयुक्त शेखर सिंह, मनपा आयुक्त मनीषा खत्री और पुरोहित संघ के सतीश शुक्ल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित थे। सिंहस्थ कुंभमेले के दौरान अमृत स्नान के प्रमुख दिनों में नासिक और त्र्यंबकेश्वर के मुख्य क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम से बचने और श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने के लिए नासिक त्र्यंबकेश्वर कुंभमेला प्राधिकरण द्वारा एक त्रि-स्तरीय पार्किंग व्यवस्था की योजना बनाई गई है। इस व्यवस्था के तहत, अमृत स्नान के दिनों में निजी वाहनों को शहर की बाहरी सीमा पर बने निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही रोक दिया जाएगा। कुंभमेला प्राधिकरण आयुक्त शेखर सिंह ने बताया कि से श्रद्धालुओं को विशेष बस सेवा के जरिए घाट क्षेत्रों तक पहुंचाया जाएगा।

349 रन बनाकर भी कैसे हारी इंडिया ए, यह 15 रन पड़ गए भारी

तिलक-ऋतुराज-प्रभसिमरन की पारियां बेकार

नई दिल्ली। इंडिया ए टीम को वनडे त्रिकोणीय श्रंखला म (11 जून) को अफगानिस्तान ए के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम इस मैच में 349 रन बनाकर भी हार गई। एक तरफ जहां मौसम ने भारत का साथ नहीं दिया और डकवर्थ लुईस प्रणाली से अफगान टीम जीत गई। वहीं इंडिया ए की टीम को 15 रन भी भारी पड़ गए जो आखिरी में हार का बड़ा कारण बने।
आपको बता दें कि बारिश से प्रभावित इस मैच में पहले लक्ष्य को और ओवर को घटाया गया और अफगानिस्तान ए को 38 ओवर में 294 का टारगेट मिला। फिर बारिश ने बाधा डाली और 25.5 ओवर के बाद खेल रुका जब अफगान टीम के 177 रन दो विकेट पर थे। डीएलएस पार स्कोर से अफगानिस्तान ए की टीम 3 रन से आगे थे। यही कारण है कि भारतीय टीम को हार मिली। इस पारी में भारतीय गेंदबाजों ने 15 रन एक्स्ट्रा के दिए। यही 15 रन अंत में इंडिया ए को मिली हार के बाद सबसे महंगे साबित हुए। भारतीय गेंदबाजों ने 25.5 ओवर की अफगान पारी में ही 15 अतिरिक्त रन खर्च कर दिए। इसमें 8 वाइड थीं और 7 रन लेग बाय के थे। यह 15 रन अगर बचे होते तो शायद इंडिया ए की टीम डकवर्थ लुईस से भी यह

मुकाबला नहीं गंवाती।
अफगानिस्तान की अच्छी बल्लेबाजी- अफगानिस्तान की शुरुआत इस मैच में अच्छी रही। हसन ईसाखिल ने तेज बल्लेबाजी की और 29 गेंद पर 34 रन बनाए। उन्होंने शुरू से ही रनरेट बढ़ा कर रखा। दूसरे ओपनर कप्तान इमरान मीर एक छोर पर डटे रहे और 75 रन बनाकर नाबाद रहे। चौथे नंबर पर आए बाहिर शाह ने भी नाबाद 51 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने 69 रन पर दो विकेट गिरा लिए थे। उसके बाद बाहिर और इमरान ने विकेट नहीं खोया और नाबाद 108 रन जोड़े। यह साझीदारी भारतीय टीम के लिए खतरनाक हो गई।

फीफा वर्ल्ड कप

डीडी स्पोर्ट्स पर देख सकेंगे चुनिंदा मुकाबलों का मुफ्त टेलीकास्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 11 जून की देर रात (भारतीय समय के अनुसार) से होगी। भले ही भारत इस विश्व कप में हिस्सा नहीं ले रहा, लेकिन देश में फीफा विश्व कप को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। फैंस 'जी नेटवर्क' पर इन मुकाबलों का लुत्फ उठा सकते हैं, लेकिन कुछ मुकाबले 'डीडी स्पोर्ट्स' पर मुफ्त में देख सकेंगे। मेक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच ओपनिंग मैच 11 जून की देर रात 12:30 बजे से खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल 10 से 12 जुलाई के बीच आयोजित होंगे, जबकि सेमीफाइनल 15 और 16 जुलाई को टेलीकास्ट होंगे। फाइनल 20 जुलाई को होगा। फुटबॉल के इस महाकुंभ में कुल 48 टीमें ट्रॉफी के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। इस मल्टीनेशनल टूर्नामेंट की मेजबानी मेक्सिको, कनाडा और अमेरिका मिलकर करेंगे, जिसमें कुल 104 मैच खेले जाएंगे। इस नए फॉर्मेट में चार-चार टीमों के 12 ग्रुप बनाए गए हैं।

ईरान की चेतावनी

बिना इजाजत वाले झंडे व टीम के खिलाफ नारेबाजी की तो रोक सकते हैं मैच

नई दिल्ली। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने चेतावनी दी है कि अगर फीफा वर्ल्ड कप मुकाबलों के दौरान स्टेडियम में आधिकारिक रूप से स्वीकृत नहीं किए गए झंडे प्रदर्शित किए गए, या राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारेबाजी की गई, तो ईरानी टीम मैच रोक सकती है। ईरान 'ग्रुप-जी' में है। इस टीम का पहला मुकाबला 15 जून को लॉस एंजिल्स में न्यूजीलैंड से होगा। 21 जून को उसी जगह पर ईरानी टीम बेल्जियम से भिड़ेगी, जबकि 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ इस टीम का सामना होगा। ईरानी मीडिया के अनुसार, दुन्यामाली

ने मंगलवार को कहा, 'हमने फीफा को बता दिया है कि जहां ईरान वर्ल्ड कप में खेलेगा, अगर उन स्टेडियम में आधिकारिक रूप से स्वीकृत नहीं किए गए झंडे लाए जाते हैं या राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारे लगाए जाते हैं, तो टीम मैनेजर निश्चित रूप से मैच रोकने के लिए जिम्मेदार होगा।'
मंत्री ने आगे कहा कि ईरानी अधिकारियों को टीम के ग्रुप-स्टेज के आखिरी मैच को लेकर आश्वासन मिला है। उन्होंने कहा, 'हमें भरोसा दिलाया गया है कि मिस्र के खिलाफ मुकाबले के दौरान स्टेडियम में कोई भी गड़बड़ी वाली घटना नहीं होगी।'
ये टिप्पणियां टूर्नामेंट में ईरान की भागीदारी पर बढ़ती छानबीन के बीच आई हैं। अप्रैल में, वैंकूवर में फीफा कांग्रेस के बाहर प्रदर्शनकारी जमा हुए, जिन्होंने ईरान को वर्ल्ड कप से बाहर करने की मांग की। उनका तर्क था कि राष्ट्रीय टीम ईरानी लोगों के बजाय इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का प्रतिनिधित्व करती है।
मिस्र के खिलाफ ईरान के मैच ने भी तब ध्यान खींचा जब दोनों देशों के फुटबॉल संघों ने कथित तौर पर फीफा से खेल के दौरान एलजीबीटीक्यू+ प्राइड से जुड़ी गतिविधियों को रोकने का आग्रह किया।

फीफा विश्व कप 2026 : उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराया

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। फीफा विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने घरेलू दर्शकों के सामने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अभियान की विजयी शुरूआत की। एस्टादियो एज्टेका में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में दूसरे हाफ में घटनाओं की भरमार रही और कुल तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाए गए। मेक्सिको ने मैच की शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और नौवें मिनट में विश्व कप 2026 का पहला गोल देखने को मिला। दक्षिण अफ्रीका की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए जूलियन क्विनोनेस ने करीब से गेंद को गोल में पहुंचाकर इतिहास रच दिया। इस गोल के बाद एज्टेका स्टेडियम दर्शकों के उत्साह से गूंज उठा। दूसरे हाफ की शुरूआत में दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ गईं। 49वें मिनट में याया सिथोले को सीधे लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने ब्रायन गुटिरेज को गोल करने की स्थिति में रोकने का प्रयास किया था, जिसे रेफरी ने स्पष्ट गोल अवसर रोकना माना। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए मेक्सिको ने 67वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। अनुभवी स्ट्राइकर राउल जिमेनेज ने शानदार गोल कर टीम को 2-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और खराब तब हुई जब मैच के अंतिम चरण में थेम्बा ज्वाने को भी लाल कार्ड मिला और टीम नौ खिलाड़ियों तक सिमट गई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में मेक्सिको को भी झटका लगा जब 90 मिनट के बाद सेसर मोंटेस को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेजा गया। मेक्सिको ने इस जीत के साथ विश्व कप अभियान की शानदार शुरूआत की और घरेलू मैदान पर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए।

विराट की कमी जरूर खलेगी लेकिन युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका : मोर्ने मोर्कल

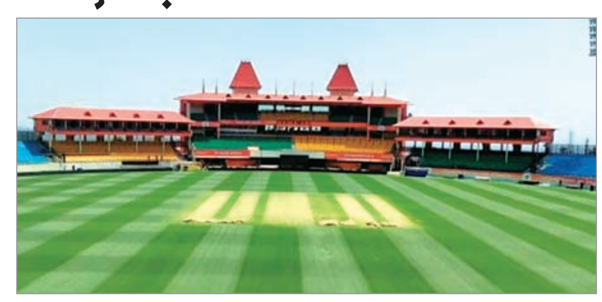

एजेंसी

धर्मशाला। भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार को होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी का टीम में नहीं होना निश्चित रूप से महसूस होता है, लेकिन इससे अन्य खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का सुनहरा अवसर भी मिलेगा। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोर्कल ने कहा कि विराट कोहली मध्यक्रम की रीढ़ हैं और अपने अनुभव से टीम को मजबूती प्रदान करते हैं। ऐसे खिलाड़ी की अनुपस्थिति टीम को खलती है, लेकिन भारतीय टीम में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और अन्य बल्लेबाजों के पास अपनी क्षमता दिखाने का अच्छा मौका रहेगा। जसप्रीत बुमराह को लेकर पूछे गए सवाल पर मोर्कल ने कहा कि आगामी विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका दौरे को ध्यान में रखते हुए टीम प्रबंधन अधिक से अधिक विकल्प तैयार रखना चाहता है। इसी सोच के तहत युवा खिलाड़ियों गुरनूर और प्रिंस को भी टीम में शामिल किया गया है।
उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों खिलाड़ी मिले अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन करेंगे। हार्दिक पांड्या की भूमिका पर मोर्कल ने कहा कि हार्दिक टीम के सबसे महत्वपूर्ण ऑलराउंडरों में से एक हैं। वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संतुलन प्रदान करते हैं और उनके जैसे खिलाड़ी का विकल्प तलाशना आसान नहीं है। हालांकि, टीम में मौजूद युवा खिलाड़ियों को भी मौके देने जरूरी हैं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों को समझ सकें और अपने खेल में और निखार ला सकें। उन्होंने कहा कि विराट कोहली के वन-डाउन स्थान पर ईशान किशन, केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल सहित अन्य बल्लेबाजों के पास अपनी उपयोगिता साबित करने के पर्याप्त अवसर होंगे।

बांग्लादेश ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीती वनडे सीरीज

लगातार दूसरे मैच में विश्व चैंपियन को पीटा

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ सालों में अपने बढ़ते स्तर को तो साबित किया है, साथ ही दुनिया की हर टीम को मात भी दी है। अब बांग्लादेश ने अपने घर पर लगातार पांचवीं वनडे सीरीज जीतते हुए विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पीटा है। मेजबान बांग्लादेशी टीम ने कंगारुओं को अपनी धरती पर बुरी तरह चित करते हुए लगातार दूसरे वनडे में मात दी और पहली बार उनके खिलाफ वनडे सीरीज जीती है।
बांग्लादेश ने ढाका में ही खेले गए पहले वनडे में ऑस्ट्रेलियाई टीम को डीएलएस प्रणाली से 86 रन से हराया था। अब दूसरे मुकाबले में बांग्लादेशी टीम ने कंगारुओं को 5 विकेट से हराकर सीरीज पर कब्जा जमाया। बांग्लादेश ने अपने घर पर या कहीं भी पहली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज जीती है। अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप 2027 से पहले इस टीम के लिए विश्व चैंपियन टीम को हराना एक बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया ने शून्य पर गंवाए पहले तीन विकेट

इस मैच के हीरो रहे मुस्तफिजुर रहमान जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इस मुकाबले में पहले खेलते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम बारिश के प्रभावित मुकाबले में 42 ओवर में 8 विकेट पर 187 रन ही बना सकी थी। 0 पर तीन विकेट गंवाने के बाद मार्नस लाबुशेन ने 55 और जेवियर बार्टलेट ने 52 रन की पारी खेलकर स्कोर 187 तक पहुंचाया था। मुस्तफिजुर ने 27 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि तस्किन अहमद को भी तीन विकेट मिले। जवाब में बांग्लादेश ने 35 ओवर में 5 विकेट खोकर 195 रन बनाए और डीएलएस निर्धारित लक्ष्य को हासिल कर लिया। सौम्य सरकार 42, नजमुल हसन शांतो 41 और तौहीद हृदोय ने नाबाद 40 रन बनाते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया।

मनु भाकर करेंगी शूटिंग स्क्वाड की अगुआई

• ट्रायल्स में 7वें स्थान पर रहने के बावजूद मिली एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय शूटिंग स्टार मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल ट्रायल्स में 7वें स्थान पर रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेल 2026 के लिए एंट्री कर ली है। वह 25 मीटर पिस्टल इवेंट में भी भारत का नेतृत्व करेंगी। मनु भाकर की अगुआई वाले शूटिंग स्क्वाड की भी घोषणा कर दी गई है। ईशा सिंह को भी 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल इवेंट में एंट्री मिली है। साथ ही विदरसा के विनोद और रुद्रांक्ष पाटिल ने भी 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर थ्री पोजीशन टीम के लिए जगह बनाई है। एशियाई खेलों की ऑर्गनाइजिंग कमेटी द्वारा अधिकतम 30 प्रतिभागियों (15 महिला और 15 पुरुष) के हिस्सा लेने के ऐलान के बाद दो इवेंट स्पेशिलिस्ट का चयन किया गया है। शॉटगन शूटर्स दो इवेंट में हिस्सा नहीं ले सकते हैं, इसलिए NRAI (नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया) ने राइफल और पिस्टल स्पर्धा में दो-दो इवेंट स्पेशलिस्ट के साथ जाने का फैसला किया है।
साधारण प्रदर्शन के बावजूद क्यों मिली मनु को एंट्री- मनु भाकर का प्रदर्शन 10 मीटर के ट्रायल्स में अच्छा नहीं था लेकिन फिर भी ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को अनुभव के नाते स्क्वाड में जगह मिली है। वहीं रुद्रांक्ष को 10 मीटर के अलावा 50 मीटर थ्री पोजिशन टीम में उनके लगातार शानदार प्रदर्शन को देखते हुए जगह दी गई। एशियाई खेलों के लिए स्क्वाड के चयन के बाद एनआरएआई अध्यक्ष कलिकेश सिंह डियो ने कहा, 'भारत में वर्तमान में शूटिंग के एक से बढ़कर एक धाकड़ खिलाड़ियों के होने के कारण, इस टीम का चयन करना एक चैलेंजिंग टास्क था। सेलेक्शन कमेटी ने पूरी जांच और खिलाड़ियों के परीक्षण के बाद ही 36 इवेंट स्लॉट के लिए इन 30 खिलाड़ियों का चयन किया है ताकि वह भारत के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर पाएं। भारत के लिए एशियाई खेलों के इतिहास में शूटिंग सबसे ज्यादा पदक लाने वाले खेलों में से एक है। भारत ने पिछले एशियाई खेलों में कुल 22 पदक जीते थे। इसमें 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल शामिल थे। भारत पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा था।

मनु भाकर के कोच जसपाल राणा नहीं रहे

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के लिए शुक्रवार का दिन एक बेहद दुखद और स्तब्ध करने वाली खबर लेकर आया। देश के महान निशानेबाज और विख्यात कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया है। पिछले सप्ताह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उनका इलाज चल रहा था, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। राष्ट्रीय राइफल संघ ने उनके असामयिक निधन की आधिकारिक पुष्टि की है। उनके जाने से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग बिरादरी में गहरे शोक की लहर दौड़ गई है और इसे खेल इतिहास के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।राणा के कोचिंग करियर का स्वर्णिम अध्याय देश की स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ जुड़ा रहा। उन्होंने मनु के करियर के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील दौर में उनके खेल को एक नया आयाम दिया।

एलन मस्क पर स्पेस से डॉलर की बारिश, कई देशों की जीडीपी से अधिक हुई नेटवर्थ

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की संपत्ति में ऐसा उछाल आया है जिसने अरबपतियों की दुनिया के सारे रिकॉर्ड हिला दिए हैं। एलन मस्क पर 'स्पेस' से डॉलर की इतनी बारिश हुई कि एक ही दिन में उनकी दौलत में 274 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह रकम कई देशों की पूरी अर्थव्यवस्था से भी बड़ी है। अगर मस्क के नेटवर्थ की बात करें तो वह खरबपति बनने से केवल 29 अरब डॉलर दूर हैं। उनकी संपत्ति में यह उछाल उनके स्केक्स के आईपीओ से आया है।

अगर दुनिया के कई देशों की जीडीपपी से तुलना करें तो मस्क के पास आयरलैंड (779.38 अरब डॉलर), बेल्जियम (776.73 अरब डॉलर), स्वीडन (760.48 अरब डॉलर), इजरायल (719.85 अरब डॉलर), अर्जेंटिना (688.38 अरब डॉलर) की जीडीपी से भी अधिक है।

भारत के कई राज्यों सालाना बजट से कई गुना है मस्क की 1 दिन की कमाई मस्क की सिर्फ एक महीने की 274 अरब डॉलर की संपत्ति वृद्धि भारतीय रुपये में करीब 26.27 लाख करोड़ रुपये बैठती है। यह रकम भारत के कई राज्यों के वार्षिक बजट से कई गुना अधिक है। तुलना करें तो यह राशि भारत की कई बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों के संयुक्त मार्केट कैप के बराबर है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक साल 2026 की शुरुआत से ही उनकी संपत्ति में 351 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका है, जो 56.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस चौंकाने वाली छलांग के पीछे सबसे बड़ी वजह मस्क की अंतरिक्ष कंपनी है। जून 2026 में के शेयरों का वैल्युएशन 135 डॉलर प्रति शेयर के ऑफर प्राइस पर किया गया, जिससे मस्क की हिस्सेदारी का मूल्य अचानक बढ़ गया। इसके अलावा मई 2026 में से जुड़ी 45 अरब डॉलर की लायबिलिटी को उनकी नेटवर्थ गणना से हटा दिया गया। इससे भी उनकी कुल संपत्ति में भारी बढ़ोतरी दर्ज हुई। मस्क के पास लगभग 4.76 अरब शेयर हैं। कंपनी के नए वैल्युएशन ने उनकी संपत्ति को

रॉकेट की रफ्तार दे दी है। मस्क इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी के सीईओ हैं और कंपनी में उनकी करीब 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

हालांकि अब उनकी सबसे बड़ी संपत्ति बन चुकी है, लेकिन टेस्ला के शेयरों में मजबूती भी उनकी दौलत बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। मस्क की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ने 2025 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग का अधिग्रहण किया था। इसके बाद 2026 में मर्जर 1.25 ट्रिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर किया गया। इस डील ने भी मस्क की संपत्ति को नई ऊंचाई पर पहुंचाने में मदद की।

दक्षिण अफ्रीका से दुनिया का सबसे अमीर इंसान बनने तक का सफर

1971 में दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में जन्मे मस्क ने 10 साल की उम्र में अपना पहला कंप्यूटर खरीदा था। 12 साल की उम्र में उन्होंने नाम का वीडियो गेम बनाया और बेच दिया। इसके बाद कंपनियों के जरिए उन्होंने तकनीक, ऊर्जा, पेमेंट और अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। प्राइस के आधार पर मार्केट कैप 1.77 ट्रिलियन डॉलर आंका गया है, जबकि स्टॉक ऑप्शन और अन्य हिस्सेदारी को जोड़ने पर इसका पूर्ण मूल्यांकन करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर बैठता है। इस वैल्यूएशन के साथ दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक कंपनियों में शामिल हो गई है और इसका साइज एलन मस्क की दूसरी कंपनी टेस्ला से भी बड़ा हो गया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार,एलन मस्क की नेटवर्थ में लगभग 274 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई।

रिलायंस, वेदांता, अडानी... चीन को रोकने के लिए साथ आई भारत की त्रिमूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर अर्थ एलिमेंट्स) के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में मुकेश अंबानी की रिलायंस, अनिल अग्रवाल की वेदांता और

गौतम अडानी के अडानी ग्रुप ने हाथ आगे बढ़ाए हैं। भारत के इन तीनों बड़े औद्योगिक घरानों का उद्देश्य रेयर अर्थ के क्षेत्र में चीन के एकाधिकार को तोड़ना है। रॉयटर्स के मुताबिक ये तीनों दिग्गज कंपनियां आंध्र प्रदेश में इन महत्वपूर्ण खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए प्लांट लगाने की योजना बना रही हैं। केंद्र सरकार की ओर से दुर्लभ खनिजों के लिए चीन पर भारत की निर्भरता को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में आंध्र प्रदेश में सुविधाएं स्थापित करने के लिए करीब 10 कंपनियों ने अपनी रुचि दिखाई है, जिनमें ये तीन प्रमुख ग्रुप शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के पास इन दुर्लभ खनिजों का एक बहुत बड़ा खजाना मौजूद है, जो भविष्य की तकनीक के लिए बेहद जरूरी है। एक सरकारी मसौदा दस्तावेज के अनुसार आंध्र प्रदेश के पास 16 चिन्हित तटीय क्षेत्रों में दुर्लभ खनिजों सहित 211 मिलियन मीट्रिक टन समुद्र तट की रेत के खनिज संसाधन मौजूद हैं। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक पूरे भारत में 482.6 मिलियन टन दुर्लभ पृथ्वी अयस्क के संसाधन हैं। आंध्र प्रदेश सरकार का लक्ष्य अगले 10 साल में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों और टाइटेनियम के क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना है। इसी साल फरवरी में पेश किए गए केंद्रीय बजट में आंध्र प्रदेश को उन चार राज्यों में शामिल किया गया था, जहां माइनिंग, प्रोसेसिंग और मैग्नेट प्रोडक्शन को कवर करने वाले रेयर अर्थ कॉरिडोर्स विकसित किए जाएंगे। इससे पहले नवंबर में केंद्र सरकार ने रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7300 करोड़ रुपये के कार्यक्रम को मंजूरी दी थी। रेयर अर्थ एलिमेंट्स का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों की मोटरों, रक्षा उपकरणों, स्मार्टफोन और स्थायी चुंबक बनाने में बड़े पैमाने पर होता है। भारत के पास इन खनिजों का बड़ा भंडार तो है, लेकिन वर्तमान में देश के पास औद्योगिक स्तर पर इन्हें उच्च शुद्धता तक प्रोसेस करने की आधुनिक तकनीक और सुविधाएं नहीं हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए बड़ी निजी कंपनियां आगे आ रही हैं।

175 करोड़ रुपये की लॉक डील, कंपनी के शेयरों में करीब 9 प्रतिशत की तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों की कीमतों में 9 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे की वजह 175 करोड़ रुपये की ब्लॉक डील है। बता दें, बीएसई में कंपनी के शेयरों का भाव 434.80 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 8.8 प्रतिशत की तेजी के साथ 455 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया है। एक्सचेंज के डाटा के अनुसार विधी एस खांडेवाल ने 44.87 लाख शेयर के बेच दिए हैं। प्रमोटर ने 390 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से शेयरों की बिक्री की है। इस ब्लॉक डील की कुल वैल्यू 175 करोड़ रुपये की है। ब्लॉक डील गुरुवार को हुई थी। बता दें, प्रमोटर से 6.41 लाख शेयर खरीदे हैं। वहीं, मिराई एसेट म्यूचुअल फंड, और ट्रस्ट म्यूचुअल फंड ने भी शेयरों को खरीदा है। इनके अलावा भी कंपनी में हिस्सेदारी हासिल की है। पिछले तीन महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, इस साल अबतक यह स्टॉक 38 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 6 महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 53 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक हाई 485.35 रुपये और 52 वीक लो लेवल 239 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 4800 करोड़ रुपये से अधिक बना हुआ है।

13 साल में खराब प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा सोना

एक सप्ताह में आई 3.2 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में आज कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है और यह दो महीने के लो पर चला गया। इस कारण आज भारतीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। लेकिन इंटरनेशनल मार्केट में सोने और चांदी की कीमत में गिरावट जारी है। स्पॉट गोल्ड 0.5 प्रतिशत गिरावट के साथ 4,191.17 प्रति औंस पर आ गया। एक हफ्ते में इसमें 3.2 प्रतिशत गिरावट आई है। इस साल सोना अपने पीक से 25 फीसदी गिर चुका है और 13 साल में अपने सबसे खराब प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा है। सोने को लंबे समय से अनिश्चितता के समय में सेफ-हेवन एसेट माना जाता था लेकिन इस बार धारणा धराशाई हो गई। सोने की कीमत इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5,586 के पीक पर पहुंच गई थी। लेकिन ईरान युद्ध के बीच इसमें 25 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आई है। अगर सोने में इसी तरह गिरावट जारी रहती है, तो यह 2013 के बाद से सोने का सबसे खराब सालाना परफॉर्मेंस होगा। 13 साल पहले सोने की कीमत में 28 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई और ब्रेंट क्रूड 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि हाल के दिनों में इसमें गिरावट आई है और काफी दिनों से यह 100 डॉलर से नीचे बना हुआ है। तेल की कीमत बढ़ने से महंगाई बढ़ती है क्योंकि तेल ट्रांसपोर्टेशन, मैन्युफैक्चरिंग, पावर जेनरेशन और लॉजिस्टिक्स के लिए एक जरूरी इनपुट है। इसका बोझ आखिरकार ज्यादा कीमतों के जरिए कंज्यूमर्स पर पड़ता है। बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं। यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। 21 देशों के इस ग्रुप में महंगाई पिछले 3 फीसदी से ऊपर चली गई जो 2 फीसदी के टारगेट से काफी आगे है। अब दूसरे देशों के सेंट्रल बैंकों के भी इसी रास्ते पर चलने की उम्मीद है। पॉलिसी रेट्स बढ़ने से बॉन्ड जैसे इंटरेस्ट-बेयरिंग एसेट्स की अपील बढ़ जाती है। साथ ही गोल्ड रखने की अपॉर्चुनिटी कॉस्ट बढ़ती है। पिछले साल सोने की कीमत में 66 प्रतिशत तेजी आई थी। इस साल निवेशकों ने इस पर प्रॉफिट बुकिंग की ने भी गिरावट में योगदान दिया है।

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव, दो बड़े बैंकों ने बढ़ाई याज दरें

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक ने अपनी चुनिंदा समय सीमा वाले लोन पर ब्याज दरों में 0.05 प्रतिशत (5 बेसिस पॉइंट्स) तक की बढ़ोतरी कर दी है। ब्याज दरों में इस बढ़ोतरी के बाद अब ग्राहकों को ज्यादा पैसे देने पड़ सकते हैं। दोनों बैंकों की ये नई दरें आज से लागू हो गई हैं। केनरा बैंक ने शॉर्ट टर्म लोन की दरों में बदलाव किया है। एक दिन का एमसीएलआर 7.90 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.95 प्रतिशत कर दिया गया है। एक महीने का रेट 7.95 प्रतिशत से बढ़कर 8.00 प्रतिशत और तीन महीने का रेट 8.20 प्रतिशत से बढ़कर 8.25 प्रतिशत हो गया है।

छह महीने के लिए एमसीएलआर 8.55 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.60 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने पांच अलग-अलग समय सीमा वाले लोन पर ब्याज 0.05 प्रतिशत बढ़ाया है। एक दिन का रेट 7.80 प्रतिशत से बढ़कर 7.85 प्रतिशत और एक महीने का रेट 7.90 प्रतिशत से

बढ़कर 7.95 प्रतिशत हो गया है। तीन महीने का अब 8.20 प्रतिशत और छह महीने का 8.50 प्रतिशत होगा। वहीं, एक साल डीएस आधार पर ज्यादातर रिटेल लोन (जैसे पर्सनल या ऑटो लोन) तय होते हैं, उसे 8.70 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.75 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ने भी 8 जून से अपने ज्यादातर लोन की ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। एक दिन का एमसीएलआर 8.10 प्रतिशत, 3 महीने का 8.20 प्रतिशत और 6 महीने का 8.35 प्रतिशत कर दिया गया है। एक साल का रेट 8.35 प्रतिशत से बढ़कर 8.40 प्रतिशत हो गया है।

तीन बिजनेस फेल हुए, 2 करोड़ रुपये डूबे

फिर 1 लाख रुपये से खड़ी कर दी 10 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर इरादे मजबूत हों और खुद पर भरोसा हो, तो बिना किसी गॉडफादर या भारी-भरकम फंडिंग के भी सफलता का आसमान छुआ जा सकता है। इस बात को सच कर दिखाया है नवी मुंबई के एक साधारण मिडिल क्लास परिवार से ताल्लुक रखने वाले पंकज श्रीवास्तव ने। पंकज आज डिजिटल मार्केटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम बन चुके हैं। वह यूनोसर्च के फाउंडर और सीईओ हैं। इस कंपनी से पहले उनके 3 बिजनेस फेल हो गए थे और करीब 2 करोड़ रुपये डूब गए थे। पंकज श्रीवास्तव का जन्म एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पूरे परिवार की पृष्ठभूमि नौकरीपेशा वाली थी और पहले कभी किसी ने भी बिजनेस नहीं किया था। पंकज ने अपनी लगन से एमसीए की पढ़ाई पूरी की, जिसके बाद उनका चयन देश की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में हो गया। नौकरी के दौरान उनके बेहतरीन काम को देखते हुए उन्हें अमेरिका जाकर काम करने का शानदार मौका मिला।

नौकरी छोड़ लिया बड़ा जोखिम

अमेरिका में पंकज के पास एक बेहतरीन सैलरी, सुरक्षित करियर और आरामदायक लाइफस्टाइल थी। लेकिन उनके मन में हमेशा से खुद का कुछ शुरू करने का एक सपना था। पंकज बताते हैं कि अमेरिका के नौकरी दौरान ही उन्होंने बिजनेस करने के बारे में सोच लिया था। पंकज के मुताबिक अमेरिका के अधिकतर लोग नौकरी की जगह अपना बिजनेस करना पसंद करते हैं। यहीं से उन्हें बिजनेस करने की प्रेरणा मिली। आखिरकार उन्होंने एक बड़ा जोखिम लेने का फैसला लिया। अमेरिका में करीब 4 साल नौकरी करने के बाद उन्होंने वह नौकरी छोड़ी और भारत लौट आए। साल 2008 में भारत आने के बाद उन्होंने बिजनेस की दुनिया में कदम रखा। शुरुआती दौर उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।   पंकज ने किसी निवेशक से पैसे लेने के बजाय अपनी खुद की जमा-पूंजी से कारोबार शुरू किया। उनका पहला बिजनेस नहीं चला और जल्दी बंद करना पड़ गया। इसके बाद उन्होंने दूसरा बिजनेस शुरू किया। वह भी नहीं चला और उसे भी बंद करना पड़ा। फिर तीसरा बिजनेस शुरू किया। इसका भी हश्र पहले और दूसरे बिजनेस की तरह हुआ।

परिवार की मदद से फिर शुरू की कंपनी

लगातार 3 बिजनेस फेल होने के बाद उनका जमा-पूंजी खत्म हो गई थी। उन्हें करीब 2 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2014 में उन्होंने यूनोसर्च शुरू की। इसे शुरू करने के लिए उन्होंने परिवार और जानकारों से आर्थिक मदद लेनी पड़ी। उन्होंने करीब एक लाख रुपये की शुरुआती रकम से यूनोसर्च शुरू की थी। पंकज के मुताबिक उन्होंने यूनोसर्च की शुरुआत अपनी पत्नी प्रेरणा के साथ की थी। धीरे-धीरे कंपनी ने रफ्तार पकड़ी। साल 2016 में रिलायंस जियो की शुरुआत के बाद देश में इंटरनेट का विस्तार हुआ और कंपनी को गति मिली। आज उनके पास करीब 150 क्लाइंट हैं, जिनमें से ज्यादातार अमेरिकी हैं। उनकी टीम में 80 से ज्यादा लोग हैं।

6 लाख करोड़ की लॉटरी! ट्रंप ने करा दी निवेशकों की मौज

कारोबार में बीएसई सेंसेस करीब 1000 अंक उछल गया

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में आज शेयर बाजार में शानदार तेजी आई है। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 1000 अंक उछल गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी10 इंडेक्स करीब 275 अंक

ऊपर ट्रेड कर रहा है। सुबह 9.20 बजे सेंसेक्स 981.88 अंक यानी 1.33 प्रतिशत तेजी के साथ 74,814.43 अंक पर पहुंच गया। निफ्टी भी 280 अंक यानी 1.21 प्रतिशत ऊपर 23,441.60 अंक पर ट्रेड कर रहा था। इस बीच रुपया भी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 60 पैसे मजबूत होकर 95.25 पर पहुंच गया। इस तेजी से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 6 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 459 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 29 शेयर तेजी के साथ खुले। इंडिगो में सबसे ज्यादा 3.29 फीसदी तेजी रही। इसके अलावा लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, मारुति, एचडीएफसी बैंक, इटरनल, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शेयर मामूली गिरावट के साथ खुला।

मार्केट का हाल

निफ्टी में लार्सन एंड टुब्रो, श्रीराम फाइनेंस और इंटरग्लोब एविएशन में सबसे ज्यादा तेजी रही। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप में 1.38 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.61 फीसदी तेजी आई। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी ऑटो में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी, और निफ्टी फार्मा में गिरावट रही। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के साथ डील पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का भी आदेश दिया है। उनका कहना है कि अगले कुछ दिनों में डील पर साइन हो जाएंगे। और इसके साथ ही होर्मुज स्ट्रेट खुल जाएगा। इससे कच्चे तेल की कीमत में भी आज गिरावट आई है।

सेबी का नया प्रस्ताव, एक्सचेंज के मौजूदा ढांचे में आएगा बड़ा बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार को रेगुलेट करने वाली संस्था सेबी ने एक नया प्रस्ताव दिया है। इसके अनुसार प्री ओपनिंग काल ऑक्शन के दौरान प्रयोग किया जाने वाला बेस प्राइस और कई एक्सचेंज में लिस्टेड स्टॉक के रोजाना प्राइस बैंड में एकरुपता लाना है। यह प्रस्ताव का मकसद दो या उससे अधिक एक्सचेंड के कीमत के अंतर को दूर करना है। कई बार यह देखने को मिलता है कि किसी एक एक्सचेंज में काफी हलचल है जबकि दूसरे में निवेशक शांत हैं। इसी वजह से कीमतों में अंतर पैदा हो जाता है। इस समय जो नियम लागू हैं उसके अनुसार ऐसे स्टॉक जो डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेड नहीं करते हैं उनके लिए एक स्पेशल प्राइस बैंड लागू होता है। यह पिछले दिनों की क्लोजिंग की तुलना में 20 प्रतिशत तक हो सकता है। पिछले दिनों की क्लोडिंग प्राइस प्री ओपनिंग सेशन के लिए रेफरेंस का भी काम करता है। बता दें, हर एक

एक्सचेंज अपना क्लोजिंग प्राइस देखता है। ऐसे में अगर किसी एक एक्सचेंज पर कोई शेयर कई दिनों तक ट्रेड ही नहीं कर रहा है जबकि दूसरे एक्सचेंज पर ट्रेडिंग हो रही है तो इस स्थिति में कीमतों में अंतर आ सकता है। इसी को ठीक करने के लिए सेबी की तरफ से नया प्रस्ताव दिया गया है। सेबी के नए प्रपोजल के अनुसार अगर कोई स्टॉक दो एक्सचेंज पर रजिस्टर्ड है। लेकिन एक पर ट्रेड नहीं कर रहा है। और दूसरे पर ट्रेड कर रहा है। तो इस स्थिति में एक्टिव एक्सचेंज का क्लोजिंग प्राइस ही दोनों एक्सचेंज के लिए मान्य होगा। वहीं, अगर दो से अधिक एक्सचेंज पर कोई स्टॉक ट्रेड कर रहा है। लेकिन किसी कारणवश एक एक्सचेंड पर ट्रेडिंग किसी दिन नहीं हुई। तो अगले दिन बेस प्राइस के लिए जिस एक्सचेंज पर सबसे ज्यादा वैल्यूएम उस स्टॉक का रहेगा उसे ही माना जाएगा। सेबी के अनुसार यह देखा गया है कि इस तरह की समस्या लिक्विड सिक्योरिटीज में देखने को मिलता है।

बूढ़ा बर गछ

रामदेव बड़ाईक, रांची

अगम दिनकर आहे एगो ,
बर गछ बूढ़ा,
जइर में उकर माटी नखे, मुदा
आहे खड़ा।

रग-रग में बसल रहे,
उकर ले सब गाँव,
कतेक साल से देवेला, सबके
अपन छाँव।

गवाह में आहे आइज,
कत छउवा पढ़लैं,
ककहरा-गिनती संगे,पहाड़ा हों
सिखलैं।

पढ़लैं - लिखलैं उमन ,
उकर छाँइं में बाढ़लैं,
छाँइह के छोइड़ आइज, सहर
चइल गेलैं।

बर गछ में आहे देखु,
ब्रह्मा-बिस्नुक बास,
प्रेम प्रतीक आहे ,पबितरता उकर
खास।

सुहागिन मन करैंना देखु,
एखन हों मन्नत,
सूत बाँइध के माँगैंना देखु , उमन
जन्नत।

मतदाता सूची बिसेस गहन पुनरीछन कार्जकरम-2026 के लेइ के तैयारी कर समीछा

सउब के जीरो एरर नीति कर तहत काम करेक हय : उपायुक्त

प्रात: नागपुरी संवाददाता

पलामू। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत कर अध्यछता में सुकरवार के मेदिनीनगर कर टाउन हॉल में बिसेस गहन पुनरीछन कार्जकरम (एसआईआर) के लेइ के समीछा बैठकी आयोजित करल गेलक। इकर में डालटनगंज, विश्रामपुर, हुसैनाबाद आउर छत्तरपुर कर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बिभिन्न सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सउब बीएलओ सुपरवाइजर संगे अन्य संबंधित पदाधिकारी पहुंचल रहयं। बैठकी में आगामी बिसेस गहन पुनरीछन कार्जकरम -2026 कर सफल संचालन के लेइ के बिस्तृत समीछा करल गेलक। उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिसा-निरदेस कर अनुरूप सउब आवसक तैयारी समयबद्ध आउर पारदरसी तरीका से पूरा करेक कर निरदेस देलयं। उपायुक्त कहलयं कि मतदाता सूची कर सुद्ध आउर अद्यतन होवेक लोकतांत्रिक प्रक्रिया कर मजबूती ले ढेइर जरुरी आहे। ऊ सउब संबंधित अधिकारीमन आउर करमीमन के टीम भावना कर संगे काम करते बिसेस गहन पुनरीछन कार्जकरम के सफल बनायेक कर निरदेस देलयं। उपायुक्त कहलयं कि ई काम में हमरे सउब के जीरो एरर नीति कर तहत काम करेक हय। ई बिसेस रूप से सुनिश्चित करेक हय कि केऊ भी जोग्य मतदाता छूटे नई आउर केऊ भी अयोग्य बेक्ति मतदाता सूची में सामिल न होवे।

समीछा कर दौरान बिभिन्न निर्वाचक निबंधन पदाधिकारीमन आपन-आपन छेतर अंतर्गत बीएलओ सुपरवाइजर से पहिले बिसेस गहन पुनरीछन कर संगे मतदातामन कर मिलान, डाटा प्रविष्टिमन कर सत्यापन आउर विलोपन, प्रपत्र संग्रहन आउर निस्पादन, मतदान केंद्र कर भौतिक सत्यापन आउर एएसडीडी सूची तैयार करेक संगे अन्य महतपूर्न बिंदुमन उपरे बिस्तार से चर्चा करलयं। संबंधित पदाधिकारीमन के सउब काम के गंभीरता आउर सतर्कता कर संगे निस्पादित करेक कर निरदेस देल गेलक। पता होवी कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्जकरम कर अनुसार 20 जून 2026 से पलामू जिला कर सउब बिधानसभा छेतर में बिसेस गहन पुनरीछन कार्जकरम सुरु करल जाई।

साहिबगंज में झामुमो कर एक दिवसीय बूथ स्तरीय आउर बीएलए-2 बैठकी

बिसेस गहन पुनरीछन अभियान कर संबंध में बिस्तृत जानकारी देल गेलक

प्रात: नागपुरी संवाददाता

साहिबगंज। साहिबगंज कर टाउन हॉल में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कर एक दिवसीय बूथ स्तरीय आउर बीएलए-2 बैठकी जिला अध्यछ अरुण सिंह की अध्यछता में सुकरवार के आयोजित करल गेलक। बैठकी में केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय, केंद्रीय सचिव आउर प्रवक्ता पंकज मिश्रा, सांसद विजय कुमार हांसदा, राजमहल विधायक एमटी राजा, बोरियो बिधायक धनंजय सोरेन, जिला सचिव सुरेश टुडू, केंद्रीय समिति सदस्य संजय गोस्वामी, केंद्रीय समिति सदस्य संजीव शामू हेंब्रम, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा, जिला परिषद अध्यछ श्रीमती मोनिका किस्कू, नगर परिषद अध्यछ रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान, नगर पंचायत अध्यछ किताबुदीन शेख बिसेस रूप से पहुंचल रहयं। बैठकी कर दौरान आगामी बिसेस गहन पुनरीछन (एसआईआर) अभियान कर संबंध में बीएलए-2 आउर बूथ स्तरीय कार्जकर्तामन के बिस्तृत जानकारी आउर आवसक दिसा-निरदेस देल गेलक। नेतामन कार्जकर्तामन से मतदाता सूची कर प्रति सतर्क आउर सक्रिय रहेक कर आह्वान करलयं, ताकि केऊ भी पात्र पुरुस इया महिला मतदाता कर नाव में केऊ भी परिस्थिति में मतदाता सूची से नी छूटे इया कटे।

बेस पढ़ु लिखु

संतोष महली,
ईटा, लोहरदगा।

बेस पढ़ु लिखु छउआ
बेस होइ दिन राईत,
गेयान कर गंगा में
रोज डुबकी लगाउ
जलदिये छुवब अकास।

मेहनइत बदली किसमत
अफसर बइन जब
आवब,
माइन - दाइन रूपिया
पईसा
सिकछा से ही पावब..!!

हिरदये राखु गुरूक बात
गगरी -टहरी नइ बनेला,
बेना घिन्दराले चाक!
भले एखन कादो -
किचर
नखे रहेक उदास -
निरास..!!

आयो -बाबा कर देखल
सपना पुरा करना है,
सेकर लेगिन करू
परयास!
हर रोग कर दवाई
सिकछा है
संतोष कहथैं छोड़ु
आलस..!!

बेस पढ़ु लिखु छउआ
बेस होइ दिन राईत,
गेयान कर गंगा में
रोज डुबकी लगाउ
जलदिये छुवब अकास।
--*-*-*-*

डालसा कर कांके परखंड में विधिक जागरुकता कार्जकरम आयोजित

छउवामन के बाल श्रम से बचायेक उद्देस : डालसा

प्रात: नागपुरी संवाददाता

रांची। कांके परखंड में विधिक जागरुकता कार्जकरम कर आयोजन सुकरवार के करल गेलक। ई अवसर में डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा, निशांत निश्चसल, देवन्ती कुमारी, बबिता देवी, संगीता देवी, मालती देवी, भानु देवी, संध्या कुमारी, शारदा देवी, फुलेष्वरी देवी, सरिता कुमारी, विधि कर छातर-छातरामन आउर चालक राजा वर्मा संगे आउर अदमीमन भबी पहुंचल रहयं। डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा कहलयं कि हर बछर 12 जून के गोटा दुनिया में ह्यविश्व बाल श्रम निषेध दिवसह्ल मनाल जायेला। छउवामन केऊ भी देस कर भविस होवयंना, मुदा जखन उनकर हाथ में किताब कर जगन काम कर बोझ थमाय देवल जायेला, तब उनकर बचपन लुटाय जायेला। ई दिन समाज के बाल मजदूरी कर खिलाफ जागरूक करेक आउर इके जइर से सिरायेक ले संकल्प कर याइद देवायला।
श्री सिन्हा कहलयं कि बालश्रम एगो अपराध आहे। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन बछर 2002 में पहिल धांव ई दिन कर सुरुआत कइर रहे। इकर मुध उद्देस 14 बछर से कम उमइर कर छउवामन के खतरनाक उद्योग, फैक्टरी आउर अन्य ठांव में मजदूरी से बचायेक आउर उनके सिछा कर अधिकार दिलायेक आहे। मौका में चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर-1098 आउर नालसा टॉल फ्री नंबर-15100 कर बारे में बताल गेलक। ऊ 12 सितंबर के होवेक वाला रास्ट्रीय लोक अदालत कर जानकारी भी देलयं। मौका में पीएलवी देवंती कुमारी सउब के डालसा, रांची से मिलेक वाला सुबिधा कर बारे में बतालयं। बबीता कुमारी प्रधानमंत्री आवास जोजना आउर मंईयां सम्मान जोजाना कर बारे में चर्चा करलयं। अंत में डालसा कर पीएलवी कर द्वारा पम्पलेट आउर लिफलेट बांटल गेलक।

देश के दुलारे

डॉ लक्ष्मीकांत नारायण
बड़ाईक, (तपकरा)

विवेकानंद स्वामी,
देलंय हामे प्रेम वाणी,
कईसे भुलब स्वामी जी तोहारे,
बईन गेलंय देश के दुलारे।। ध्रु।।

धईन रे कन्या कुमारी,
स्वामी जहाँ ज्ञान भरी,
धरम ज्योति देखालंय सगरे,
बईन गेलंय देश के दुलारे।। 1।।

हिन्दू समाज संघ,
देखाली उजागर पंथ,
सबक मने धरम यश भरे,
बईन गेलंय देश के दुलारे।। 2।।

जय श्री राम स्वरे,
हिन्दू संगठन भरे,
नारायण नावां जोश भरे,
बईन गेलंय देश के दुलारे।। 3।।
--*-*-*-*

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर** : शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड** : कुमार राजेश। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com